THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 158 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.9 2080 शुक्रवार, 25 अगस्त 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी की निगाहें ग्रीस दौरे पर

ब्रिक्स समिट : सऊदी, यूएई समेत 6 देशों को संगठन का न्योता मोदी बोले- इनसे हमारे ऐतिहासिक रिश्ते

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रिक्स समिट को संबोधित करते हुए ।

जोहान्सबर्ग, 24 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका में 15वीं ब्रिक्स समिट के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हाथ मिलाते नजर आए। प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से ठीक पहले दोनों नेताओं के बीच कुछ सेकेंड की बातचीत भी हुई। इससे पहले नवंबर 2022 में पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने इंडोनेशिया में हुई जी-20 समिट में सीमा विवाद पर बात की थी, जिसकी जानकारी इस साल दी गई।

दूसरी तरफ, ब्रिक्स संगठन में जुड़ने के लिए 6 नए देशों को न्योता दिया गया है। इनमें अर्जेंटीना, सऊदी अरब, यूएई, मिस्र, इथियोपिया और ईरान शामिल हैं। ये 1 जनवरी 2024 से ब्रिक्स के परमानेंट सदस्य बन जाएंगे। साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने बताया कि पहले फेज की बैठक में इन देशों को संगठन का मेंबर बनने का आमंत्रण दिया गया है।

साथ ही साउथ अफ्रीका में साइन हुए ब्रिक्स के डेक्लेरेशन में ब्राजील, भारत और साउथ अफ्रीका की यूएनएससी में परमानेंट मेंबरशिप की मांग की गई। इसके अलावा प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मोदी ने इथियोपिया के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की।

पीएम मोदी ने ब्रिक्स के नए सदस्यों का स्वागत किया :

जिन देशों को ब्रिक्स का न्योता मिला है, उन्हें पीएम मोदी ने बधाई दी। उन्होंने कहा, भारत ने ब्रिक्स में विस्तार का हमेशा समर्थन किया। इन सभी देशों से हमारे गहरे और ऐतिहासिक रिश्ते हैं। मुझे खुशी है कि 3 दिन की बैठक में कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

पीएम मोदी ने पश्चिमी देशों के दबदबे वाले संगठनों का नाम लिए बगैर कहा, ब्रिक्स का विस्तार ये जाहिर करता है कि दुनिया के बड़े संगठनों को समय के साथ बदलना चाहिए। वहीं, जो भी देश पहले फेज में इस संगठन से नहीं जुड़ पाए हैं, उनको इसकी सदस्यता दिलाने के लिए भारत अपना योगदान देगा।

जिनपिंग बोले, नए सदस्यों का जुड़ना ऐतिहासिक :

चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा, ब्रिक्स के सभी देश बड़ी अहमियत रखते हैं। संगठन में नए सदस्यों का जुड़ना ऐतिहासिक है। ये ब्रिक्स के लिए नई शुरूआत है। हमारे इस संगठन का भविष्य उज्ज्वल है। मुझे पूरा भरोसा है कि जब तक हम एक मकसद से आगे बढ़ेंगे तो हम बेहतर काम कर पाएंगे।

पीएम के ग्रीस दौरे की अहमियत क्या?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अगस्त को ग्रीस का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री अभी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने दक्षिण अफ्रीका में हैं। यहां पीएम मोदी ग्रीस के एक दिन के दौरे पर जाएंगे। पीएम ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस के निमंत्रण पर दक्षिणपूर्व यूरोपीय देश की आधिकारिक यात्रा करेंगे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 40 साल में यह पहली ग्रीस यात्रा होगी।

पीएम मोदी के ग्रीस दौरे का कार्यक्रम क्या है :

पीएम मोदी की ग्रीस यात्रा उनके समकक्ष किरियाकोस मित्सोताकिस के निमंत्रण पर हो रही है। इस दौरान पीएम मोदी मित्सोताकिस के साथ बातचीत कर रिश्ते को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं के साथ-साथ भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की ग्रीस यात्रा की योजना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। इससे पहले भारत से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सितंबर 1983 में ग्रीस का दौरा किया था।

>14

चंद्रयान 3 की सफलता के बाद इसरो चेयरमैन ने बताया अगला लक्ष्य

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। चांद की दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान की सफल लैंडिंग के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया। इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने इस सफल लैंडिंग के मीडिया से बातचीत की। उन्होंने पहले इस मिशन में योगदान देने वालों का धन्यवाद किया। इसके अलावा एस सोमनाथ ने प्रज्ञान रोवर और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में बताया और चंद्रयान के बाद अन्य परीक्षणों के बारे में भी बात की।

चंद्रयान की सफल लैंडिंग के बाद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला भारत पहला देश बन गया। इसके साथ ही चांद पर कदम रखने वाला भारत चौथा देश बन गया। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन चांद पर अपने कदम रख चुके हैं। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने प्रज्ञान रोवर के कार्यप्रणाली के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, प्रज्ञान रोवर के पास दो उपकरण है और ये दोनों ही चंद्रमा पर मौलिक संरचना के निष्कर्षों के साथ-साथ रसायनिक संरचनाओं से संबंधित हैं। इसके अलावा चांद के सतह पर भी चक्कर लगाएगा। हम एक रोबोटिक पथ नियोजन अभ्यास भी करेंगे जो हमारे लिए भविष्य के अन्वेषणों के लिए महत्वपूर्ण है।

चंद्रयान-3 के लैंडर से बाहर आया रोवर प्रज्ञान

अब चांद की सतह पर घूम रहा, पानी और कीमती धातुओं से जुड़ी जानकारी जुटाएगा

श्रीहरिकोटा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद छह पहियों और 26 किलो वाले प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह पर घूमना शुरू कर दिया है। करीब 14 घंटे बाद गुरुवार सुबह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रोवर के बाहर आने की पुष्टि की। हालांकि, अंतरिक्ष चेयरमैन पवन के गोएनका ने देर रात ही प्रज्ञान रोवर की रैंप से बाहर निकलते हुए तस्वीर शेयर की थी।

चांद की सतह पर आते ही रोवर ने सबसे पहले अपने सोलर पैनल खोले। ये 1 सेमी/सेकंड की गति से चलता है और अपने आस-पास की चीजों को स्कैन करने के लिए नेविगेशन कैमरों का इस्तेमाल कर रहा है। रोवर अगले 12 दिन में करीब आधा किलोमीटर का सफर तय करेगा। इसमें दो पेलोड लगे हैं जो पानी और अन्य कीमती धातुओं की खोज में मदद करेंगे।

अगले 12 दिनों के दौरान रोवर डेटा जमा करेगा और इसे लैंडर को भेजेगा। लैंडर इस डेटा को पृथ्वी तक पहुंचाएगा। डेटा पहुंचाने में चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर की भी मदद ली जाएगी। चंद्रयान-3 को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। इसे चांद की सतह पर लैंडिंग करने में 41 दिन लगे। लैंडर बुधवार शाम 6:04 बजे पर चांद पर उतरा था।

सुरजेवाला से 17 नवंबर को मांगा जवाब

फतेहाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के 'राक्षस' वाले बयान पर विवाद अब कोर्ट में पहुंच गया है। हरियाणा के फतेहाबाद में भाजपा नेता एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि उनके बयान से सामाजिक, राजनीतिक व व्यवसायिक हानि हुई है, लोग कहते हैं तुम तो राक्षस हो। कोर्ट ने सुरेजवाला को 17 नवंबर को कोर्ट में पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है।

फतेहाबाद कोर्ट में दायर की गई याचिका में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य प्रवीण जोड़ा ने कहा कि कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला का यह आरोप झूठा, निराधार, अपमानजनक एवं दुर्भावना पूर्ण है।

आईपीसी-सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को बदलने वाले बिलों पर चर्चा

डीएमके सांसद ने हिंदी नामों का विरोध किया, कहा- स्टेकहोल्डर्स से बातचीत करनी चाहिए

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय की संसदीय कमेटी ने गुरुवार को इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट को बदलने के लिए लाए गए 3 बिलों पर चर्चा की।

होम सेक्रेटरी अजय भल्ला ने प्रजेंटेशन के जरिए इन बिलों के बारे में कमेटी मेंबर्स को बताया। अजय भल्ला 25 और 26 अगस्त को भी बिलों पर प्रजेंटेशन देंगे। कमेटी के मेंबर्स को अगले महीने में दो दिन मिलेंगे, जिनमें वे होम सेक्रेटरी से अपने सवालों पर स्पष्टीकरण मांग सकेंगे। डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने इन बिलों के हिंदी नामों का विरोध किया। दयानिधि ने कहा कि कमेटी को अलग-अलग राज्यों की बार काउंसिल और दूसरे स्टेकहोल्डर्स के साथ सलाह-मशविरा करना चाहिए। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन समेत कई सांसदों ने दयानिधि की मांग की समर्थन किया।

11 अगस्त को पेश किए गए, 3 महीने में रिपोर्ट देनी होगी :

ये बिल अंग्रेजों के जमाने के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को बदलने के लिए लाए गए हैं। होम मिनिस्टर अमित शाह ने 11 अगस्त को इन्हें लोकसभा में पेश किया था, जिसके बाद इन्हें संसदीय कमेटी के पास भेज दिया गया।

दिल्ली के ये 10 स्थान लू के लिहाज से खतरनाक

डीडीएमए का हीट एक्शन प्लान तैयार, दिए अनेक सुझाव

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और हीट को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश पर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पहला हीट एक्शन प्लान सामने आ गया है। डीडीएम अपनी रिपोर्ट एलजी वीके सक्सेना को भी सौंप दी है। डीडीएमए की एक्शन प्लान की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने भी जरूरी सुझाव दिए हैं। डीडीएमए की रिपोर्ट में दिल्ली के 10 प्रमुख एमसीडी वार्डों को सबसे ज्यादा संवेदनशील माना गया है। संवेदनशील माने गए हैं। इन इलाकों में रहने वाले लोगों पर लू का खतरा राजधानी में सबसे ज्यादा है।

10 सबसे बड़े थर्मल हॉट स्पॉट

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पहली बार तैया हीट मैप के मुताबिक एमसीडी के 10 वार्डों को सबसे ज्यादा संवेदनशील माना गया है। इनमें वार्डों में हरकेश नगर नॉर्थ, हरकेश नगर साउथ, ख्याला साउथ, वजीरपुर नॉर्थ, बिजवासन साउथ, विश्वास नगर ईस्ट, हरि नगर साउथ, जहांगीरपुरी नॉर्थ, दिल्ली गेट नॉर्थ और शास्त्री पार्क ईस्ट का नाम शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक अब थर्मल हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित इलाकों में भीषण गर्मी से निपटने के लिए तेजी से सुविधाओं से लैस करने पर जोर दिया जाएगा।

इस आधार पर हीट स्पॉट की हुई पहचान

दिल्ली में लू हॉटस्पाट स्थलों का चयन नौ मानकों के आधार पर किया है। इन मानकों में स्वच्छता, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, परिवहन, आवास, कुकिंग, जागरुकता और गर्मी शामिल हैं। इन मानकों की उपलब्धता को जीवन के लिए आवश्यक माना गया है। इन सुविधाओं के आधार पर ही किसी क्षेत्र के लोग गर्मी का मुकाबला करने में सक्षम या कम सक्षम होते हैं। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपने हीट एक्शन प्लान के आधार पर एनडीएमए ने लू की स्थिति से बचने को लेकर जरूरी सुझाव दिए हैं। एनडीएमए की रिपोर्ट में बताया गया है कि लू की स्थिति में स्कूलों के समय में बदलाव, अस्पतालों को 24 घंटे बिजली सप्लाई, पानी का गैर जरूरी इस्तेमाल पर रोक को जरूरी बताया गया है।

एनडीएमए ने संवेदनशील क्षेत्रों में ये कदम उठाने का सुझाव दिया है। इसके अलावा, लू को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी करने पर भी जोर दिया है। बता दें कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सितंबर 2022 में दिल्ली के तापमान के बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए डीडीएमए को ताप कार्य योजना तैयार करने को कहा था। एलजी के सुझाव पर डीडीएमए पर पहला हीट एक्शन प्लान सौंप दिया था। डीडीएमए के प्लान की समीक्षा कर एनडीएमए ने सरकार को हीट से बचने में जरूरी कदम उठाने के सुझाव दिए हैं।

दुष्कर्म पीड़िता को कोर्ट के बाहर धमकी, आरोपी सहित दो लोगों ने केस वापस नहीं लेने का दबाव बनाया

रेवाड़ी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। रेवाड़ी में दुष्कर्म के मामले में कोर्ट में तारीख पर आई पीड़िता को आरोपी सहित दो लोगों ने केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जाटूसाना थाना अंतर्गत एक गांव की रहने वाली युवती ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसने गत 23 जून को महिला थाना पुलिस को झज्जर के दुजाना निवासी तुलसीदास के खिलाफ रेप व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया था। गत दिवस वह अपने केस की सुनवाई के लिए कोर्ट परिसर अपनी मां के साथ आई थी। उसने आरोप लगाया कि कोर्ट से बाहर निकलते ही राजीव गांधी चौक से आगे निकलते ही तुलसीदास और उसके गांव के रविंद्र ने उसे व उसकी मां को रोक लिया।

एनसीपी में क्या चल रहा है?

अजित पवार पर सुप्रिया सुले का बड़ा दावा, कहा- पार्टी में कोई टूट नहीं हुई है

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी नेता और सांसद ने गुरुवार को एक अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि एनसीपी में कोई टूट नहीं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि डिप्टी सीएम अजित पवार एनसीपी के वरिष्ठ नेता। अजित पवार ने बस अगल कदम उठाया है। एनसीपी में कोई टूट नहीं। सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि शरद पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष है और जयंत पटेल महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष हैं।

40 विधायकों के साथ अजित पवार ने तोड़ी थी पार्टी

2 जुलाई को अपने चाचा से अजित पवार ने बगावत कर दी थी और महाराष्ट्र के एकनाथ सिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। चाचा से बगावत करने के बाद उन्होंने दावा किया था एनसीपी के 40 विधायकों का उनके पास समर्थन है। पार्टी को तोड़ने के बाद शरद पवार और सुप्रिया सुले ने कई बार खुले तौर पर अजित पवार पर तंज कसा है। वहीं, पार्टी को तोड़ने के बाद अजित पवार अपने चाचा से चार बार मुलाकात भी कर चुके हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता पर सुप्रिया ने इसरो को दी बधाई

चंद्रयान-3 की सफलता पर सुप्रिया सुले ने इसरो को बधाई दी। उन्होंने कहा,यह इसरो की सफलता है और यह स्पष्ट है। हमारे पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने विज्ञान और इसकी प्रगति के बारे में बात की थी और भारत में एक वैज्ञानिक स्वभाव होना चाहिए। उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि यह सरकार से अधिक इसरो की सफलता है। बता दें कि सुप्रिया सुले ने कई बार कहा कि एक परिवार के रूप में हमारे और उनके (अजित पवार) बीच कोई तकरार नहीं है। हमारी विचारधारा भी एक है।

ताश के पत्तों की तरह ढहे आठ भवन

प्रशासन की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

आनी (कुल्लू), 24 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी में आठ भवन जमींदोज हो गए हैं। हालांकि कोई जानी नुकसान नहीं है। एक सप्ताह पूर्व आनी के नए बस स्टेंड के साथ बने करीब चार भवन और उसके पीछे चार रिहायशी मकानों में दरारें आने के बाद प्रशासन द्वारा इन भवनों को अनसेफ घोषित किया गया था। प्रशासन ने सभी को मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। जानकारी के अनुसार सभी भवन खाली करवा दिए गए थे। वीरवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे ये सभी अनसेफ भवन जमींदोज हो गए। देखते ही देखते सभी मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। उल्लेखनीय है कि दो भवनों में दो बैंक शाखाएं एसबीआई और कांगड़ा बैंक की चल रहीं थी। जबकि करीब 30 दुकानें भी थी। प्रशासन की पूरी टीम मौके पर तैनात रही। प्रशासन की सूझबूझ से सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का नौकरी के बदले सेक्स रैकेट मामले में

अंडमान के पूर्व मुख्य सचिव की जमानत रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण को नौकरी दिलाने के नाम पर 20 वर्षीय महिला से सामूहिक बलात्कार और सेक्स रैकेट के आरोप में दी गई जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अगुवाई वाली पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, हमने सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। हमने ट्रायल कोर्ट को मुकदमे में तेजी लाने और पक्षों को सहयोग करने का निर्देश दिया है। पीठ ने यूटी प्रशासन को शिकायतकर्ता द्वारा की गई सुरक्षा से संबंधित शिकायतों पर गौर करने का भी निर्देश दिया, जिसने आरोप लगाया कि नारायण और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के तत्कालीन श्रम आयुक्त आर.एल। ऋषि ने उसका यौन शोषण और सामूहिक बलात्कार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ दलीलों पर विचार न करने का हाई कोर्ट का फैसला सही था। अदालत ने कहा, "हमने कुछ तथ्यों का जिक्र करने से खुद को दूर रखा है।" इस साल की शुरुआत में फरवरी में कलकत्ता उच्च न्यायालय की पोर्ट ब्लेयर पीठ ने नारायण की नियमित जमानत याचिका यह कहते हुए स्वीकार कर ली थी कि यह उनके जीवन का पहला मामला था और वह हिस्ट्रीशीटर नहीं थे। अपनी शिकायत में, पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसे एक परिचित व्यक्ति ने तत्कालीन श्रम आयुक्त ऋषि से मिलवाया था, जो उसे मुख्य सचिव नारायण के आवास पर ले गया। महिला ने आरोप लगाया कि उसे नारायण के आवास पर शराब की पेशकश की गई थी और जब उसने इनकार किया तो मुख्य सचिव और श्रम आयुक्त ने उसके साथ बलात्कार और यौन उत्पीड़न किया। बाद में, आरोप सामने आए कि नौकरी के बदले सेक्स रैकेट में 20 महिलाओं को कथित तौर पर पोर्ट ब्लेयर में आरोपियों के आवास पर ले जाया गया था और इनमें से कुछ महिलाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गईं थीं। ऐसी खबरें थीं कि दो नौकरशाहों और 20 वर्षीय महिला के कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) महिला की शिकायत में उल्लिखित यौन उत्पीड़न के समय से मेल खाते हैं। पूर्व मुख्य सचिव को बाद में उनके यौन उत्पीडन पर रिपोर्ट सामने आने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निलंबित कर दिया था। उनके सहयोगी, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के पूर्व श्रम आयुक्त को भी निलंबित कर दिया गया था।

मुंबई से सामने आया जीका वायरस का पहला केस, अलर्ट पर बीएमसी

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई शहर में जीका संक्रमण के पहले मामले की पुष्टि हुई है। बृहन्मुंबई नगर निगम बीएमसी के अफसरों ने कहा कि मुंबई में चेंबूर के पास एम-वेस्ट वार्ड में रहने वाले 79 वर्षीय एक शख्स में जीका वायरस का पहला केस दर्ज किया गया है। बृहन्मुंबई नगर निगम के अफसरों के मुताबिक, मरीज को 19 जुलाई से बुखार, बंद नाक और खांसी समेत लक्षणों का अनुभव होना शुरू हुआ, तत्पश्चात, उसने एक निजी चिकित्सक से संपर्क किया। मरीज को डायबटीज, हाई ब्लड प्रेशर, इस्केमिक हृदय रोग और थैलेसीमिया माइनर समेत कई अन्य बीमारियां थीं। इसके अतिरिक्त मरीज की 20 साल पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। अफसरों ने कहा कि मरीज ठीक हो गया और 2 अगस्त को उसे चिकित्सालय से छुट्टी दे दी गई। अफसरों ने कहा कि यह आम तौर पर जीका वायरस की वजह से होने वाली हल्की बीमारी है, जो मुख्य तौर पर संक्रमित एडीज मच्छरों के काटने से फैलती है, यही मच्छर डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को भी फैलाते हैं। हालाँकि, जीका कोरोना जितनी तेजी से नहीं फैलता है। स्वास्थ्य अधिकारी सक्रिय रूप से शहर में स्थिति की निगरानी कर रहे हैं तथा कहा है कि वे आगे संचरण के जोखिम को कम करने के लिए वेक्टर नियंत्रण उपाय कर रहे हैं। लोगों को निवारक उपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान भी आरम्भ किए गए हैं,

'ठोक देंगे', केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस को मिली धमकी, चाचा ने भतीजे चिराग पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने यह दावा किया है कि आधी रात उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर फोन करके उन्हें धमकी दी गई है। फोन पर केंद्रीय मंत्री के चेहरे को काले करने और उन्हें मारे जाने की धमकी दी गई है। इस माममें में उन्होंने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करवाई है साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस प्रकरण पर जांच कराने का आग्रह किया है। केंद्रीय मंत्री पारस ने बताया कि उन्होंने इस मामले में वैशाली जिले के पुलिस अधीक्षक को फोन किया है, क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है फोन वहीं से आया था। आधी रात को कथित तौर पर आए धमकी भरे फोन का ऑडियो टेप भी पारस ने सुनाया जिसमें उनका मुंह काला करने और 'ठोक देंगे' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है।

क्या कहा केंद्रीय मंत्री ने

शुपति कुमार पारस ने कहा, 'इस मामले में मैंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक लिखित शिकायत भेज रहा हूं क्योंकि मेरी जान को खतरा है'। उन्होंने आगे कहा कि मैं 1970 के दशक से सार्वजनिक जीवन में हूं लेकिन मेरा कभी कोई दुश्मन नहीं रहा है। इस मामले में उनके किसी परिचित के शामिल होने की आशंका पर पूछे गए सवाल पर वह कहते हैं, 'कुछ लोग हैं जिन्हें मेरी राजनीतिक सफलता से ईर्ष्या है। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया है और मेरा निर्वाचन क्षेत्र मुझसे छीनना चाहते हैं'।

भतीजे चिराग पासवान पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान का नाम लिए बिना उन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह हाजीपुर को अपने पिता की कर्मभूमि होने के बारे में डींगें हांकते रहते हैं। उन्हें इस बात का अहसास होना चाहिए कि मुझे इस सीट से खुद दिवंगत रामविलास पासवान ने चुनाव लड़वाया था, और वो मेरे काम के तरीके से प्रसन्न भी रहते थे। केंद्रीय मंत्री पारस ने कहा कि चाहे तो कुछ भी हो जाए लेकिन वह इस सीट को नहीं छोड़ेंगे और अगले साल इसी सीट से चुनाव भी लड़ेंगे। बता दें, कि दो साल पहले पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे के खिलाफ विद्रोह किया था।

संजय सिंह ने बीजेपी पर उठाए सवाल, पूछा- क्या सीजीए पर भी ईडी का छापा पड़ेगा?

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में भारत मामला प्रोजेक्टके तहत बनाए जा रहे सड़कों में से कुछ परियोजनाओं की प्रति किलोमीटर लागत पर हाल ही भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षा (सीजीए) ने सवाल उठाए थे। इस मसले को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय ने बीजेपी की नीयत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है कि केंद्र सरकार विरोधियों के सवालों को ईडी से छापेमारी कराकर दबाने की कोशिश में जुटी है। सीएजी ने भी सड़क निर्माण में अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए हैं। क्या अब सीजीए पर भी ईडी का छापा पड़ेगा? आप सांसद संजय सिंह ने इसी मसले को लेकर कहा है कि क्या आपको पता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अध्यक्षता वाली कमेटी सीसीईए ने 75 हजार किलोमीटर सड़क बनाने के भारत माला प्रोजेक्ट में 15 करोड़ प्रति किलोमीटर सड़क की लागत बढ़ाकर लगभग 11 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार की योजना तैयार की? ये विपक्ष नहीं सीईजी कह रहा है। क्या अब सीजीए सीजीए पर भी ईडी का छापा पड़ेगा? बता दें कि संजय सिंह केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाने के मामले में हमेशा से मुखर रहे हैं। दिल्ली सेवा विधेयक में भी उन्होंने केंद्र की नीयत पर सवाल उठाते हुए संसद भवन परिसर में ही धरने पर बैठ गए थे। इससे पहले आप सांसद संजय सिंह ने एक ट्वीट कर कहा था कि अब दिल्ली की तरह यूपी में भी बीजेपी सरकार एससी और एसटी लोगों का हक मारने पर उतारू है।

सिलेबस में फिर शामिल किए गए एनसीईआरटी द्वारा हटाए गए चैप्टर्स, सीएम बोले

गांधी के हत्यारों के बारे में बताना जरूरी

चेन्नई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों के साथ ग्यारहवीं और बारहवीं क्लास के लिए एडीशनल किताबें जारी की हैं। इसमें वह चैप्टर्स भी शामिल हैं जो कथित रूप से एनसीईआरटी की किताबों में हटाए गए हैं। सीएम विजयन ने कहा है कि चैप्टर्स हटाना महात्मा गांधी के हत्या में शामिल लोगों और संगठनों की छवि को वाइटवॉश करने की कोशिश है। विजयन ने कहा कि एनसीईआरटी ने रेशनलाइजेशन के नाम पर 2023-24 की किताबों में कई बड़े बदलाव किए हैं। कुछ चैप्टर्स को बुक्स से पूरी तरह से हटा दिया गया है। राज्य ने इस मुद्दे को बहुत ही सीरियस तरीके से लिया है। सीएम विजयन ने कहा कि उनके मुताबिक जिन चैप्टर्स को बच्चों को जरूरी तौर पर पढ़ाया जाना चाहिए उन्हें इतिहास, राजनीति, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र की किताबों में एडिशनल तौर पर जोड़ा गया है।

एनसीईआरटी ले रहा एकतरफा फैसले

राज्य सरकार ने एनसीईआरटी के चैप्टर्स हटाए जाने को बहुत गंभीरता से लिया है ऐसे में सीएम विजयन ने कहा कि पाठ्यक्रम के संशोधन के नाम पर एनसीईआरटी एकतरफा फैसला ले रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दी जाने वाली प्राथमिक शिक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। विजयन ने कहा कि पूरे देश को एक एजुकेशन पॉलिसी की आवश्यकता है। जो संवैधानिक मूल्यों, समाजवादी विचारों, लैंगिक न्याय और वैज्ञानिक स्वभाव जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करे।

आईएमपी चैप्टर्स भी हटाए

सीएम ने कहा कि एनसीईआरटी ने इन मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय उन चैप्टर्स को हटा दिया जिनमें वैज्ञानिक स्वाभाव और संवैधानिक मूल्यों के बारे में सिखाया जाता है। इस सिलेबस में से एक चैप्टर महात्मा गांधी की हत्या का भी हटाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि गांधी को किसने मारा था और कौन सा संगठन इसके पीछे था। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि किताबों के वजन को कम करने का मतलब यह नहीं है कि इस तरह के चैप्टर्स को हटाया जाए।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अभिनेता राकेश रोशन को 'बना दिया' देश का पहला अंतरिक्ष यात्री

कोलकाता, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने बुधवार को चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गलती मजाक का नया मुद्दा बन गई। चंद्रयान-3 लैंडर के चंद्रमा पर पहुंचने से कुछ देर पहले कोलकाता में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की जगह गलती से बॉलीवुड अभिनेता-फिल्म निर्माता राकेश रोशन का जिक्र कर दिया। जिसके बाद ये मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने क्या कहा

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, पश्चिम बंगाल के लोगों की ओर से, मैं इसरो को अपनी अग्रिम बधाई भेजती हूं। वैज्ञानिकों को श्रेय मिलना चाहिए, श्रेय देश को जाना चाहिए। जब राकेश रोशन चंद्रमा पर उतरे, तो पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा कि वहां से भारत कैसा दिख रहा है। " भारतीय वायु सेना के पायलट राकेश शर्मा 1984 में सोवियत संघ के सोयुज टी-11 अभियान के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

सोशल मीडिया पर वायरल ममता बनर्जी की गलती

अंतरिक्ष यात्री ने एक लाइव टेलीविज़न समाचार सम्मेलन के दौरान अंतरिक्ष से तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी से बात की। इंदिरा गांधी ने तब राकेश शर्मा से पूछा, ऊपर से भारत कैसा दिखता है आपको? (अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है?) उन्होंने कवि इकबाल की फेमस लाइनों का जिक्र करते हुए जवाब दिया और कहा, सारे जहां से अच्छा (सारी दुनिया से बेहतर)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की गलती सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

दूसरे नेता भी कर चुके हैं गलती

ममता बनर्जी चंद्रयान-3 पर अजीब बयान देने वाली इकलौती नेता नहीं है। राजस्थान के एक मंत्री ने चंद्रयान -3 मिशन के यात्रियों को बधाई दे डाली। समाचार एजेंसी पीटीआई के हवाले से राजस्थान के खेल मंत्री अशोक चांदना ने कहा, अगर हम सफल होते हैं और सुरक्षित लैंडिंग करते हैं, तो मैं यात्रियों को सलाम करता हूं। हमारा देश विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में एक कदम आगे बढ़ गया है, मैं इसके लिए देशवासियों को बधाई देता हूं। रोवर प्रज्ञान अगले 14 दिनों या एक चंद्र दिवस तक चंद्रमा की सतह का पता लगाएगा, पृथ्वी पर वैज्ञानिकों को छवियां और डेटा भेजेगा।

लोकायुक्त ने पटवारी को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा, नामांतरण करने के बदले मांगे थे पैसे

शिवपुरी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले के बदरवास कस्बे की घुरवार रोड पर ग्वालियर लोकायुक्त पुलिस की टीम ने गुरुवार सुबह 9:30 बजे हल्का नंबर 33 के पटवारी अवधेश शर्मा हल्का तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। पटवारी अवधेश शर्मा जमीन के फोती नामांतरण के एवज में बिजरौनी गांव के रहने वाले किसान परमाल सिंह यादव से रिश्वत ले रहा था। पीड़ित किसान परमाल सिंह यादव ने इसकी शिकायत ग्वालियर लोकायुक्त पुलिस में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपी पटवारी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। बता दें, पटवारी अवधेश शर्मा को लोकायुक्त टीम 2021 में भी तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर चुकी है।

अपने पुराने घर में शिफ्ट नहीं होना चाहते राहुल गांधी

हाउसिंग कमिटी को चिट्ठी लिखकर कही ये बात

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद उन्हें उनका पुराना आवास दे दिया गया था। अब खबर आ रही है कि खुद राहुल गांधी 12 तुगलक लेन वाले इस बंगले में शिफ्ट नहीं होना चाहते हैं। इस बारे में उन्होंने हाउसिंग कमिटी को भी पत्र लिखकर अवगत करा दिया है। बता दें कि राहुल गांधी को यह बंगला 19 साल पहले बतौर अमेठी सांसद दिया गया था।

टाइप 7 बंगला है 12 तुगलक लेन

12 तुगलक लेन का यह बंगला टाइप-7 का है। टाइप 7 बंगला का रकबा एक से डेढ़ एकड़ के बीच होता है। इसमें टाइप 8 बंगलों की तुलना में एक बेडरूम कम (4 बेडरूम) होता है। ऐसे बंगले अशोका रोड, लोधी इस्टेट, कुशक रोड, कैनिंग लेन, तुगलक लेन आदि में हैं। ऐसे बंगले वरिष्ठ सांसदों, राज्य मंत्रियों और दिल्ली हाईकोर्ट ने जजों को आवंटित होते हैं।

ये दिए गए हैं ऑप्शन

सूत्र के मुताबिक राहुल गांधी को हाउसिंग कमिटी की ओर से सात सफदरगंज लेन और तीन साउथ एवेन्यू बंगले का ऑप्शन दिया गया है। राहुल गांधी की टीम के लोग दोनो बंगलो का मुआयना भी कर चुके हैं, लेकिन अभी फ़िलहाल कुछ तय नहीं हुआ है। दरअसल उनकी टीम सुरक्षा के लिहाज से भी बंगले का मुआयना कर रही है क्योंकि राहुल के पास जेड प्लस सुरक्षा भी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

अगर स्वाद की इंद्रियों को ढील दी, तो सभी इन्द्रियां बेलगाम दौड़ेंगी।

एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो राज्य को नशा मुक्त करने की दिशा में उठा रहा है ठोस कदम

बुरी संगत में पड़कर बच्चे परिवार में ला सकते है दुखों का पहाड़ : सीवी आनंद

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो प्रवर्तन को तेज करके, समन्वय बढ़ाकर, जागरूकता अभियान और परिचालन रणनीति की रणनीति बनाकर, नशीली दवाओं से मुक्त समाज की दिशा में राज्य सरकार के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में आगे बढ़ रहा है। 31 मई 2023 को लॉन्च किया गया यह नया ब्यूरो एनडीपीएस मामलों के लिए राज्य नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है और केंद्रीय एजेंसियों और राज्य विभागों के साथ संपर्क रखता है। वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति और खुदरा वितरण में नवाचार के कारण, नशीली दवाओं की तस्करी का माहौल बेहद गतिशील है और तस्कर सभी उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं। फिर भी, टीएसएनएबी और राज्य पुलिस द्वारा मादक द्रव्य विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय बरामदगी हुई है। परिचालन आँकड़े (जून और जुलाई) पर्याप्त रूप से प्रवर्तन प्रयासों को दर्शाते हैं। दर्ज किए गए 196 मामलों में से 175 गांजा से संबंधित थे, जिसके परिणामस्वरूप 353 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 21 अन्य नशीले पदार्थों के मामलों में 46 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जब्त की गई दवाओं का संभावित सड़क मूल्य 26,01,34,650 रुपये है। जागरूकता के मोर्चे पर, जून में "मिशन परिवर्तन" की थीम के तहत 3 दिवसीय राज्य जागरूकता अभियान ने युवाओं पर एक अमिट प्रभाव छोड़ा, जुड़ाव और संवाद को बढ़ावा दिया। राज्य भर में पैनल चर्चा, प्रभावशाली भित्तिचित्र भित्तिचित्र, प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रमों सहित कई आकर्षक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, और ब्यूरो की जागरूकता शाखा सभी प्लेटफार्मों के माध्यम से कमजोर लोगों तक पहुँचने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए है। 5 जुलाई को राज्य स्तरीय एनसीओआरडी बैठक में, माननीय मुख्य सचिव और निदेशक टीएसएनएबी (सदस्य संयोजक राज्य एनसीओआरडी) ने एक व्यापक रणनीति तैयार करने के लिए अंतर-विभागीय तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। हाल ही में निदेशक सीवी आनंद की अध्यक्षता में हुई पहली पूर्ण समीक्षा बैठक में उन्होंने नए अधिकारियों को ब्यूरो के मिशन, दृष्टिकोण और आदर्श वाक्य और पिछले 2 वर्षों में नशीले पदार्थों के मोर्चे पर उपलब्धियों और सरकार की गंभीरता के बारे में बताया। इस ख़तरे को ख़त्म करने में. व्यापक समीक्षा में अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों की खरीद से लेकर संचालन, ट्रैकिंग तंत्र की सतर्क निगरानी तक कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

इसके अलावा, बैठक में प्रक्रियात्मक कमियों को दूर करने, पूर्ववर्ती मध्यस्थ रसायनों की निगरानी करने, मजबूत मामले के समाधान सुनिश्चित करने, जो सजा में परिणत होते हैं, कठोर वित्तीय जांच करने और एनडीपीएस आदि अधिनियमों का उपयोग करके गलत तरीके से अर्जित संपत्तियों को जब्त करने और नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों को फिर से शुरू करने पर चर्चा की गई। सीवी आनंद ने कहा कि टीएसएनएबी को डायल-100 कॉल, नशीली दवाओं विरोधी समितियों (एडीसी) आदि को मजबूत करना है। उन्होंने इसे हमारा व्यक्तिगत मिशन होने दें क्योंकि भविष्य में हमारे अपने बच्चे बुरी संगति के कारण पीड़ित हो सकते हैं और परिवार के लिए अनकहा दुख ला सकते है।

हम तेलंगाना में सत्ता में आएंगे : माणिकराव ठाकरे

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी के राज्य प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने आज विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में सत्ता में आएगी। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से शनिवार को चेवेल्ला में होने वाली एससी एसटी घोषणा सभा को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बैठक में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने चेवेल्ला में कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी मैदान का निरीक्षण करने के बाद सीएलपी नेता के साथ मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणी की, जहां सार्वजनिक बैठक होनी है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने लोगों से किया अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ दल के नेता एससी और एसटी के साथ घटिया व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस पार्टी अपने सभी वादे पूरे करेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य के लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

मछली प्रसादम् वितरण करने वाले बत्तिनी परिवार के मुखिया हरिनाथ गौड़ का निधन

वर्ष 1845 में एक संत ने बत्तिनी परिवार के वीरन्ना गौड़ को दिया था फार्मूला

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल अस्थमा के मरीजों को मछली की दवा देने के लिए मशहूर हैदराबाद के बत्तिनी परिवार के मुखिया बत्तिनी हरिनाथ गौड़ का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। हरिनाथ गौड़ ने बुधवार रात कवाड़ीगुडा में अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी सुनीत्रा देवी, दो बेटियां और दो बेटे हैं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया जाएगा। वह देश भर के अस्थमा रोगियों को मुफ्त मछली की दवा वितरित करने वाले गौड़ों की चौथी पीढ़ी के अंतिम सदस्य थे। हरिनाथ गौड़ अपने बड़े भाइयों के निधन के बाद पिछले तीन दशकों से इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। बत्तिनी गौड़ परिवार पिछले 178 वर्षों से मछली की दवा मुफ्त में वितरित करने का दावा करता है। हर्बल औषधि का गुप्त फार्मूला उनके पूर्वज को 1845 में एक संत ने यह शपथ लेने के बाद दिया था कि इसे निःशुल्क दिया जाएगा। बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्य 'मृगसिरा कार्ति' पर (जून के पहले सप्ताह के दौरान) 'आश्चर्यजनक औषधि' देते हैं। जो मानसून की शुरुआत का संकेत देता है। परिवार द्वारा तैयार पीले रंग का हर्बल पेस्ट जीवित 'मुरल' फिंगरलिंग के मुंह में रखा जाता है, जिसे बाद में रोगी के गले से गुजारा जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर इसे लगातार तीन वर्षों तक लिया जाए तो यह बहुत जरूरी राहत प्रदान करता है। शाकाहारियों के लिए, परिवार गुड़ के साथ दवा देता है। देश के विभिन्न हिस्सों से अस्थमा के मरीज मछली की दवा लेने के लिए हैदराबाद आते हैं। हालाँकि,

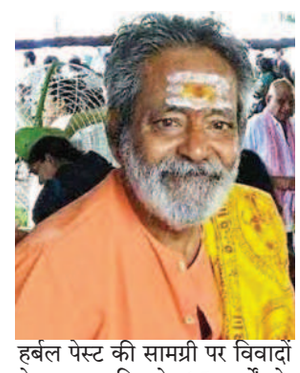

हर्बल पेस्ट की सामग्री पर विवादों के कारण पिछले 15 वर्षों के दौरान इस दवा ने अपनी लोकप्रियता खो दी है। लोगों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने के लिए काम कर रहे कुछ समूहों ने मछली की दवा को धोखाधड़ी करार दिया है। उन्होंने यह दावा करते हुए अदालत का दरवाजा भी खटखटाया कि चूंकि हर्बल पेस्ट में भारी धातुएं होती हैं, इसलिए यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। लेकिन गौड़ परिवार का दावा है कि अदालत के आदेशों के अनुसार प्रयोगशालाओं में किए गए परीक्षणों से पता चला कि हर्बल पेस्ट सुरक्षित है। चुनौती के बाद तर्कवादियों, गौड़ परिवार ने इसे 'मछली प्रसादम' कहना शुरू कर दिया। विवादों के बावजूद, लोग अपनी सांस संबंधी समस्याओं से राहत पाने की उम्मीद में हर साल कार्यक्रम स्थल पर आते रहते हैं। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में संख्या कम हो गई है। परिवार ने दावा किया कि 1845 में उनके पूर्वज वीरन्ना गौड़ एक ताड़ी व्यापारी थे। उनके दान कार्य से प्रभावित एक संत ने अस्थमा को ठीक करने के लिए जड़ी-बूटियों का एक गुप्त फार्मूला साझा किया। उन्होंने पुराने शहर के दूध बाउली में कुएं और वीरन्ना गौड़ के घर को आशीर्वाद दिया। वीरन्ना गौड़ ने बाद में गुप्त सूत्र अपने बेटे शिव राम गौड़ को दिया, जिन्होंने बाद में इसे अपने बेटे शंकर गौड़ के साथ साझा किया। परिवार ने अपने पैतृक घर पर 'चमत्कारी औषधि' का वितरण जारी रखा। शंकर गौड़ ने यह रहस्य हरिनाथ गौड़ सहित अपने पुत्रों को बता दिया। 1980 के दशक में इसे काफी लोकप्रियता मिली। देश के विभिन्न हिस्सों से और यहां तक कि विदेशों से भी हजारों लोग दवा के लिए घर के आसपास गलियों में कतार में खड़े होते थे। हरिनाथ गौड़ ने अपने भाइयों सोमलिंगम गौड़, शिराम गौड़, विश्वनाथ गौड़ और उमा महेश्वर गौड़ के साथ इस परंपरा को जारी रखा। वर्ष 1990 के दशक के दौरान, चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तत्कालीन टीडीपी सरकार ने इस आयोजन को संरक्षण देना शुरू किया। लगातार सरकारों के अनुरोध के बावजूद, परिवार ने आयोजन स्थल को किसी खुली जगह पर स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया और कहा कि दवा अपनी प्रभावशीलता खो देगी। हालाँकि, 1998 में पुराने शहर में सांप्रदायिक हिंसा के बाद, नायडू गौड़ परिवार को इस कार्यक्रम को शहर के मध्य में नामपल्ली में विशाल प्रदर्शनी मैदान में स्थानांतरित करने के लिए मनाने में सफल रहे। तब से, परिवार ने वहां वार्षिक कार्यक्रम जारी रखा है। कोविड-19 महामारी के कारण तीन साल के अंतराल के बाद, यह आयोजन जून 2023 में आयोजित किया गया था। हरिनाथ गौड़ ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने परंपरा को जारी रखने के लिए परिवार की पांचवीं और छठी पीढ़ी को तैयार किया। हरिनाथ गौड़ और उनके चार भाइयों के सभी बच्चे हर्बल दवा तैयार करने में हिस्सा लेते हैं।

जीएम ने किया सिकंदराबाद-लिंगमपल्ली एमएमटीएस ट्रेन सेवा का निरीक्षण

यात्रियों से की बातचीत, सुझावों को लागू करने का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद-लिंगमपल्ली एमएमटीएस ट्रेन सेवाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य रेलवे अधिकारी भी थे।

सिकंदराबाद से लिंगमपल्ली तक ट्रेन नंबर 47160 एमएमटीएस सेवा पर अपना निरीक्षण शुरू करते हुए, अरुण कुमार जैन ने ट्रेन के प्रत्येक कोच में यात्रा की और रेल उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत की, जिनमें से अधिकांश सेवाओं के नियमित संरक्षक थे। महाप्रबंधक ने एमएमटीएस सेवाओं की दक्षता के बारे में पूछताछ की और यात्रियों से फीडबैक लिया और सुविधाओं में और सुधार के लिए उनके सुझाव मांगे। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों द्वारा दिए गए सुझाव एमएमटीएस सेवाओं की बेहतरी के लिए कदम उठाने में उपयोगी होंगे।

बाद में महाप्रबंधक ने लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म, कैटरिंग स्टॉल, वेटिंग हॉल, सर्कुलेटिंग एरिया, बुकिंग कार्यालय, पार्किंग क्षेत्र आदि सहित पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की भी जांच की। सिकंदराबाद मंडल के अधिकारियों ने महाप्रबंधक को उन्नयन कार्यों के हिस्से के रूप में किए जा रहे विभिन्न सुधारों के बारे में जानकारी दी।

वापसी दिशा में, महाप्रबंधक ने ट्रेन संख्या 47188 लिंगमपल्ली-सिकंदराबाद एमएमटीएस सेवा से यात्रा की। उन्होंने वापसी यात्रा के दौरान एक बार फिर एमएमटीएस यात्रियों से बातचीत की और सेवाओं के बारे में पूछताछ की और सुविधाओं में सुधार के लिए सुझाव लिए।

एचसी ने गदवाल से बीआरएस विधायक का चुनाव रद्द किया

डीके अरुणा को विधायक घोषित किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी को एक चौंकाने वाले फैसले में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज भारत के चुनाव आयोग के साथ गलत हलफनामा दाखिल करने के लिए गदवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी का चुनाव रद्द कर दिया। इसमें उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी डीके अरुणा को गदवाल का निर्वाचित विधायक घोषित किया गया। झूठा हलफनामा दाखिल करने के लिए कृष्ण मोहन रेड्डी पर 2.5 लाख का जुर्माना भी लगाया। इसने उनसे मामले की लागत के भुगतान के लिए डीके अरुणा को 50,000 रुपये देने को कहा है। एचसी ने डीके अरुणा द्वारा दायर एक याचिका का जवाब देते हुए यह फैसला सुनाया, जिसमें एचसी से वर्ष 2018 में झूठा हलफनामा दायर करने के लिए कृष्ण मोहन रेड्डी का चुनाव रद्द करने का आग्रह किया गया था। अदालत ने चार साल की सुनवाई के बाद आदेश पारित किया।

2018 के विधानसभा चुनाव में जहां कृष्ण मोहन रेड्डी को 100415 वोट मिले, वहीं डीके अरुणा को 72155 वोट मिले और वह दूसरे स्थान पर रहीं।

कृषि मंत्री निरंजन रेड्डी अमेरिका में फार्म प्रोग्रेस शो में भाग लेंगे

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों की एक टीम के साथ, कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी छह दिवसीय यात्रा पर 27 अगस्त को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रवाना होंगे। मंत्री 29 से 31 अगस्त तक इलिनोइस राज्य में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फार्म प्रोग्रेस शो में भाग लेंगे।

वह अमेरिका के प्रमुख कृषि राज्यों आयोवा और उत्तरी कैरोलिना की क्षेत्रीय यात्रा भी करेंगे। वह अमेरिकी संघीय कृषि विभाग के सचिव और अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उनकी टीम कृषि, खाद्य उद्योग और कृषि मशीनीकरण में ड्रोन और आधुनिक तकनीक के उपयोग का अध्ययन करेगी। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर मंत्री और उनकी टीम को 28 अगस्त से 3 सितंबर तक अमेरिका दौरे की सुविधा दी है।

6,500 शिक्षक पदों की भर्ती के लिए अधिसूचना जल्द : सबिता

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है क्योंकि राज्य सरकार ने अगले दो दिनों में 6,500 शिक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करने का फैसला किया है। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इसका खुलासा करते हुए कहा कि कुल 6,500 शिक्षक पदों के लिए अधिसूचना जारी की जाएगी, जिसमें 5,089 पद स्कूलों में भरे गए हैं और शेष 1,523 विशेष-योग्य व्यक्तियों के लिए हैं। उन्होंने आगे बताया कि शिक्षकों की भर्ती टीएसपीएससी के बजाय डीएससी के माध्यम से आयोजित की जाएगी और इस संबंध में अधिसूचना और प्रक्रियाओं को दो दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित जिला कलेक्टर शिक्षकों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करेंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही गुरुकुलों में कुल 11,714 पदों और 5,310 शिक्षक पदों पर भर्ती कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, तेलंगाना में इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेज स्तर पर 3,140 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

सिखवाल ब्राह्मण समाज नागौरपट्टी क्षेत्रीय द्वारा श्रावण की सैर आयोजित

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल ब्राह्मण समाज नागोर पट्टी क्षेत्रीय द्वारा शादनगर रोड स्थित नाइन टेंपल पर अध्यक्ष अनिल जायलवाल की अध्यक्षता भव्य रूप से श्राषण की सैल का आयोजन रखा गया। आयोजन स्थल पर क्रिकेट बासकिट बाल, म्युजिक चेयर, अंताशी, ड्रा एवं तम्बोला कार्यकम रखे गये। जिसका आनन्द जीभर महिलाह व पुरुष वर्ग ने लिया। सभी खेलों के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष अनिल जायलवाल, राजेंद्र ओझा, अजय पंडित, जगमोहन तिवारी, राधेश्याम नागला तिवारी, संतोष व्यास, अमर जायलवाल, किशन तिवारी, दीपक पंडित,संतोष पंडित, संदीप पंडित, नवीन पंडित, महेंद्र ओझा, विनोद ओझा, गोपाल कृष्ण तिवारी, अजय व्यास, दिलीप जायलवाल, संदीप ओझा, पप्पू ओझा, आनंद ओझा, विनोद तिवारी, मनोज तिवारी का विशेष योगदान रहा। संदीप जायलवाल,अध्यक्ष अनिल जायलवाल ने पधारे हुए समाज बंधुओं का आभार प्रकट किया।

वार्ड स्तर पर स्वच्छता की कार्ययोजना बनायी जाए : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर वार्ड स्तर की स्वच्छता पर एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। गुरुवार को सिकंदराबाद जोनल क्षेत्र में एसएनडीपी और मल्टीपर्पज फंक्शन हॉल के काम का निरीक्षण करने के बाद, आयुक्त ने सिकंदराबाद जोनल कार्यालय में अतिरिक्त स्वच्छता आयुक्त, जोनल कमिश्नर, डीसी और एएमएचओ के साथ स्वच्छता की समीक्षा की। इस मौके पर आयुक्त ने कहा कि वार्ड स्तरीय स्वच्छता योजना में कचरा संग्रहण, निर्माण अपशिष्ट, सफाई, उठाव एवं परिवहन के अलावा बुनियादी स्तर से लेकर डंप यार्ड तक जो भी उपाय किये जाने हैं। उन्हें वार्ड स्तरीय योजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा घर-घर जाकर स्वच्छ ऑटो दिवस व अन्य विषयों पर संग्रह करने की योजना बनायी गयी है। इससे पहले, आयुक्त ने एसएनडीपी के माध्यम से कराची बेकरी में मंत्री रोड पर पूर्ण पुलों का निरीक्षण किया। इसी प्रकार धनियाला गुट्टा ग्रेव यार्ड, पाटी गद्दा मल्टीपर्पज फंक्शन हॉल, बंसीलाल पेट बावड़ी का निरीक्षण किया गया। आयुक्त के साथ, अतिरिक्त आयुक्त स्वच्छता उपेन्द्र रेड्डी, सिकंदराबाद जोनल आयुक्त रवि किरण, उपायुक्त, एएमओ और अन्य ने भाग लिया।

पोस्को मामले में वकील व बेटा दोषी करार

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न मामले में एक वकील और उसके बेटे को दोषी ठहराया और उन्हें जेल भेज दिया। भरत कुमार रेड्डी (29) एलएलबी छात्र और उनके पिता, वकील एम. सुधाकर रेड्डी (59) चैतन्यपुरी में ग्रीन हिल्स कॉलोनी में रहते थे। साल 2016 में सुधाकर रेड्डी ने लगभग 16 साल की एक नाबालिग लड़की को घरेलू नौकरानी के रूप में काम पर रखा था। लड़की उसके घर पर काम करती थी और रहती थी। भरत कुमार अपने पेंटहाउस में लड़की का नियमित रूप से यौन उत्पीड़न कर रहे थे, जबकि सुधाकर रेड्डी ने भी लड़की के साथ अभद्र व्यवहार किया। राचकोंडा पुलिस ने कहा कि परिवार कम वेतन भी दे रहा था और पीड़िता का शोषण कर रहा था। पीड़िता ने स्थानीय एनजीओ के माध्यम से चैतन्यपुरी पुलिस से संपर्क किया, जिसने एक शिकायत के बाद आईपीसी, पोस्को अधिनियम और बंधी हुई श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और सुधाकर रेड्डी और भरत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को सुनवाई के बाद अदालत ने भरत रेड्डी को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उस पर 2.69 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सुधाकर रेड्डी को सात साल की जेल की सजा सुनाई गई और उन पर 2.59 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। कोर्ट ने पीड़िता को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया।

दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर ऑटो रिक्शा पलटने से तीन लोग घायल हो गए

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर एक ऑटो-रिक्शा पलट जाने से तीन लोग घायल हो गए। तेज़ गति से आ रहे ऑटो रिक्शा चालक ने अपने सामने एक स्कूटर से टकराने से बचने की कोशिश की और अपने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और वह पलट गया। हादसे में दो यात्री और चालक घायल हो गए। राहगीर लोग और माधापुर पुलिस उन्हें बचाने के लिए दौड़े और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों को अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। यह घटना केबल ब्रिज पर लगे निगरानी कैमरों में कैद हो गई।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

बी. आव्दीका

माता : बी. मोनिका

पिता : बी. महेश

ओम प्रकाश राजभर ने चांद की जगह धरती पर करा दी चंद्रयान 3 की लैंडिंग! सोशल मीडिया पर मजे ले रहे यूजर्स

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर अक्सर अपने बड़बोलेपन और बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया है कि सोशल मीडिया पर अब उनका ही मजाक बनना शुरू हो गया है। बुधवार को जब चंद्रयान 3 की चांद पर सफल लैंडिंग के लिए हर कोई पूजा और प्रार्थना कर रहा था और अपनी शुभकामनाएं दे रहा था, उस वक्त चंद्रयान 3 को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कुछ ऐसा कह दिया कि हर किसी ने अपना माथा पकड़ लिया। दरअसल एक निजी चैनल ने ओम प्रकाश राजभर से चंद्रयान 3 की चांद पर सफल लैंडिंग को लेकर सवाल कर दिया लेकिन ओम प्रकाश राजभर ने बिना सोचे-समझे ही बोलना शुरू कर दिया और चांद की जगह धरती पर ही चंद्रयान की लैंडिंग करा दी राजभर इतना भावनाओं में बह गए कि चंद्रयान की जमीन पर लैंडिंग के लिए उन्होंने वैज्ञानिकों को भी बधाई देनी शुरू कर दी। राजभर ने जमीन पर कराई चंद्रयान 3 की लैंडिंग

लव जिहाद! शादीशुदा हिंदू महिला को प्यार के जाल में फंसाया, फिर कराया धर्म परिवर्तन

संभल, 24 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में लव जिहाद का एक मामला सामने आया है जहां पर एक विवाहित हिंदू महिला को दूसरे समुदाय का युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। महिला का ब्रेन वॉश कर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस ने फिलहाल महिला को ढूंढ निकाला है और परिजनों के मुताबिक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है और महिला के बयान दर्ज करके वापस घर भेजा है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला चंदोसी कोतवाली क्षेत्र का है। आरोपी का नाम गुल मोहम्मद बताया जा रहा है। दरअसल संभल जिले के चंदौसी थाना इलाके में रहने वाली विवाहिता महिला 6 दिन पहले अपने 4 साल के बच्चे को छोड़कर अचानक लापता हो गई। जिसके बाद 19 अगस्त की शाम के वक्त पति थाने पहुंचकर पुलिस को इस बात की जानकारी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि वह मुरादाबाद थाना में नाढेर इलाके के लालपुर हमीरपुर गांव में गुल मोहम्मद नाम के शख्स के घर पर रह रही है।

ललन सिंह ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हरिवंश को नहीं रखने पर क्या कहा; अंदर की हरेक बात

पटना, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) की जंबो राष्ट्रीय कार्यकारिणी बुधवार को जारी हुई। पूरे 98 नाम थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष से भी ऊपर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का। जदयू की इस सूची को देखकर मीडिया ही नहीं, पार्टी में भी कई तरह की बातें आयीं। कहा गया कि राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश नारायण सिंह की छुट्टी कर दी गई। इसमें कितनी हकीकत है। छुट्टी कहना कितना उचित, इसकी भी। क्योंकि, इस सूची में नाम नहीं था। तो, क्या पहली सूची में यह नाम था? फिर जदयू के कई राष्ट्रीय नेताओं से बात की गई। जो बातें निकलीं, वह बेहद अनूठी है। और, सबसे अंत में बात जब राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से हुई तो उन्होंने सारी दलीलों से अलग ही बात कर दी। आइए, जानते हैं क्या-क्यों और कैसे हुआ?

उपेंद्र कुशवाहा प्रकरण की तरह पेपर से बाहर

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी को किनारे रखकर जब उपेंद्र कुशवाहा जदयू में शामिल हुए तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष घोषित किया। जब राजद-जदयू गठबंधन के बाद कुशवाहा और ललन सिंह में टकराव होने लगा तो एक समय अचानक राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि संसदीय बोर्ड अध्यक्ष जैसा कोई पद ही अस्तित्व में नहीं है। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हरिवंश को बाहर किए जाने की खबरों में भी उसी तरह की हकीकत है। पटना से लेकर दिल्ली तक जदयू के कई नेताओं से बुधवार को जारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पहले की सूची मांगी तो जवाब मिला कि किसी के पास नहीं है। बताया गया कि जदयू कार्यकारिणी में किसी पदधारक के रूप में अरसे से हरिवंश को बुलाया नहीं गया है।

इसकी सच्चाई जानने के लिए राज्यसभा को उप सभापति को कई बार कॉल किया गया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। वैसे, लगभग यही हुआ था उपेंद्र कुशवाहा के समय। संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष घोषित हुए, कागज पर भी आए और जब हटाया गया तो पिछला कोई कागज नहीं था। ऐसे में राष्ट्रीय कार्यकारिणी से बाहर करने की जगह जदयू नेता भी यही कह रहे कि नहीं रखा गया।

हरिवंश को नहीं रखने की दलील खुद ही बेकार

जदयू के कई नेताओं ने बातचीत के दरम्यान कहा कि हरिवंश चूंकि संवैधानिक पद पर हैं, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नहीं रखा गया। यह किसी छोटे नेता का नहीं, बल्कि जदयू के चार बड़े नेताओं की कही हुई बात है। इन नेताओं के पास इस सवाल का जवाब नहीं कि बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी भी संवैधानिक पद पर रहते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। अगर विधायक के रूप में वह संवैधानिक पद पर रहते हुए कार्यकारिणी सदस्य बन सकते हैं तो तकनीकी रूप से हरिवंश नारायण सिंह को नहीं रखने की यह दलील स्वीकार करने लायक नहीं है।

परिस्थितियां छिपी नहीं, सब आइने की तरह साफ

ऐसे में जब पार्टी के अंदर के संदेशों को समझने की कोशिश की गई तो यह साफ हुआ कि नए संसद के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने से लेकर पिछले दिनों व्हिप के उल्लंघन का रास्ता निकालने तक के हरिवंश के निर्णयों का खामियाजा के रूप में इसकी व्याख्या की जा रही है।

पार्टी के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी ने नाम नहीं छापने की गुजारिश के साथ कहा- "परिस्थितयां किसी से छिपी नहीं हैं, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नहीं रखने का मतलब समझना मुश्किल नहीं। सब आइने की तरह साफ है और पार्टी के अंदर यह संदेश भी साफ-साफ दिया गया है कि लाइन से हटना उचित नहीं।"

मगर, अध्यक्ष ललन सिंह ने क्या कहा- यह जानिए

हर तरफ से इस मामले में चल रही बातों को समझने और बयानों के बाद 'अमर उजाला' ने यही सवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से पूछा। उन्होंने सारी बात सुनने के बाद सीधे कहा- "मीडिया ने खुद क्यों नहीं बना ली जदयू की कार्यकारिणी? मीडिया नहीं बता सकता कि किसे रखना है और किसे नहीं।" राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इसके बाद कॉल काट दिया, जिसके कारण दो सवाल रह गए- 1। जदयू के लोग उनके संवैधानिक पद पर रहने की बात क्यों कह रहे? 2। जब पार्टी उन्हें किनारे कर रही है तो राज्यसभा में उन्हें बनाए रखने को लेकर क्या स्टैंड है?

शर्मसार; नवजात को प्लास्टिक से गर्दन कसकर फेंका

गया, 24 अगस्त (एजेंसियां)। गया शहर से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गश्ती कर रही डायल 112 की टीम को सूचना मिली की शांति नगर मोहल्ले में एक नवजात शिशु का शव कचरा में फेंका हुआ मिला। बताया जा रहा है कि रास्ते से जा रही दो छात्राओं ने रामपुर अंतर्गत डायल 112 की टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम घटनास्थल शांति नगर को पहुंची तो देखा कि एक नवजात शिशु के सर को प्लास्टिक से ढक कर गले से फंदा बनाकर बांध दिया गया था। जब उसे बरामद किया गया तो नवजात सुगबुगाहट करने लगा। तब नवजात के सिर के ऊपर से गर्दन पर बंधे प्लास्टिक को हटाया गया, बच्चा जीवित था । नवजात की स्थिति ठीक नहीं थी, गर्दन पर प्लास्टिक का फंदा लगाने से गहरे जख्म गए थे। जिसके कारण वह रो भी नहीं पा रहा था। फिलहाल डायल 112 की टीम नवजात शिशु के आनन-फानन में अस्पताल को ले गई जहां उसका इलाज के दौरान मौत हो गयी।

'अच्छा हुआ ये बुलडोजर से स्टेशन नहीं गये थे'

यूपी के मंत्री की गाड़ी प्लेटफॉर्म तक पहुंचने पर अखिलेश ने कसा तंज

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की कार लखनऊ के चारबाग स्टेशन के भीतर तक चली गई। अब इस मामले ने सियासी रंग लेना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर इशारों ही इशारों में योगी सरकार पर तंज कस दिया है। उन्होंने चुटीले अंदाज में लिखा कि अच्छा हुआ ये बुलडोजर से स्टेशन नहीं गये थे। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश में 'बुलडोजर' को योगी सरकार की कार्यशैली का प्रतीक माना जाता है।

क्या है पूरा मामला

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह को बुधवार को ट्रेन नंबर 13005 हावड़ा-अमृतसर पंजाब मेल से लखनऊ से बरेली जाना था। पंजाब मेल चारबाग स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर आती है। ऐसे में मंत्री धर्मपाल सिंह को मुख्य पोर्टिको आकर अधिक पैदल न चलना पड़े, उनकी कार को रेलवे न्यायालय के सामने दिव्यांग के बने रैंप पर चढ़ाते हुए सीधे प्लेटफार्म नंबर एक से सटे एस्केलेटर तक ले जाया गया। यात्रियों के बीच मंत्री की कार पहुंचने से कुछ देर तक अफरातफरी मची रही। मंत्री की कार को उनके रवाना होने के बाद तक रोके रखा गया।

नियमों की अनदेखी

नियम के तहत केवल पैदल यात्री ही रैंप होते हुए एस्केलेटर का उपयोग कर सकते हैं। मंत्री की अगुवानी के लिए जीआरपी ने नियमों को तोड़ दिया। जीआरपी इंस्पेक्टर संजय खरवार ने कहा कि मंत्री धर्मपाल सिंह ऐन वक्त पर स्टेशन पहुंचे। ऐसे में ट्रेन छूटने का समय हो रहा था। इस कारण उनकी कार को रैंप से होकर एस्केलेटर तक जाने की व्यवस्था की गई।

नोएडा में फर्जी कॉल सेंटर के जरिए ठगी करने वाले 86 युवक युवती गिरफ्तार

नोएडा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड करने वालों के लिए नोएडा अब एक गढ़ बनता जा रहा है।यहां फर्जी कॉल सेंटर बना कर लोगों के साथ लाखों करोड़ों रुपए की ठगी की जा रही है। इन सभी फर्जी कॉल सेंटर में साइबर ठगी के अलग-अलग औजार का इस्तेमाल कर लोगों के साथ ठगी की जा रही है। नोएडा के थाना फेस 1 पुलिस ने ऐसे ही एक फर्जी कॉल सेंटर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 86 लड़के लड़कियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 150 कंप्यूटर, एक बड़ा सर्वर, 20 लाख रूपए कैश, लक्जरी गाड़ी और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, इससे नोएडा में अब तक सबसे बड़े फर्जी कॉल सेंटर पर की गई करवाई माना जा रहा है। पकड़े गए लोगो से पता चला है कि ये लोग गिफ्ट कार्ड, क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से पैसे लेते थे।

यूपी में गुंडा एक्ट के दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

31 अक्टूबर तक गाइडलाइंस जारी करने का आदेश

प्रयागराज, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में गुंडा एक्ट के दुरुपयोग पर चिंता जताई हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 31अक्टूबर तक गुंडा एक्ट की गाइडलाइंस जारी करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि गुंडा एक्ट की कार्यवाही में पूरे प्रदेश में एकरूपता का सभी जिलों के डीएम कड़ाई से पालन करें। कोर्ट ने कहा है कि यूपी गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही में एकरूपता नहीं है। केवल एक आपराधिक केस पर इस एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि प्रदेश में गुंडा एक्ट की कार्रवाई में एकरुपता का सभी जिलों को डीएम को कड़ाई से पालन करना है, यूपी गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही में एकरूपता नहीं है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि लोक शांति के लिए खतरा बने समाज में भय फैलाने वाले आदतन अपराधी को गुंडा एक्ट की नोटिस दिया जाना चाहिए, केवल एक आपराधिक केस पर गुंडा एक्ट की कार्यवाही नहीं की जा सकती है, इस एक्ट के तहत व्यक्ति को नगर सीमा से बाहर करने का उपबंध है। इसके बावजूद एक आपराधिक केस पर ही गुंडा एक्ट की नोटिस देकर दुरुपयोग किया जा रहा है, जिस वजह से ऐसे मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हाईकोर्ट ने दिया आदेश

कोर्ट ने गुंडा एक्ट के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए महानिबंधक को इस आदेश की कॉपी प्रदेश के सभी कार्यपालक अधिकारियों को भेजने का निर्देश दिया है। याची के खिलाफ ए डी एम वित्त एवं राजस्व अलीगढ़ की गुंडा एक्ट के तहत याची को जारी नोटिस रद्द कर दी है। अलीगढ़ के गावर्धन की याचिका को स्वीकार करते हुए ये आदेश दिया है। जस्टिस राहुल चतुर्वेदी और जस्टिस मोहम्मद अजहर हुसैन इदरीसी की खंडपीठ ने आदेश दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को इस एक्ट के तहत दी गई असाधारण और असामान्य शक्तियों का प्रयोग करने से पहले पूरी सावधानी बरतनी चाहिए, लेकिन अधिकारी अपनी सनक और मनमर्जी से इन असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं

नक्सलियों की योजना विफल

बड़े हमले की कर रहे थे तैयारी, जंगल से एसएलआर व कारतूस बरामद

औरंगाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जिला पुलिस और नक्सल अभियान के सुरक्षाबलों ने बुधवार को मदनपुर थाना क्षेत्र के दक्षिणी इलाके के जंगल से एक एसएलआर रायफल, 102 कारतूस और दो मैगजीन बरामद किया है। सुरक्षाबलों ने पचरुखिया, गरीभा डोभा, बंदी, सहिया पहाड़, कसमरथान और दोमुहान के जंगल क्षेत्र में स्थित भाकपा माओवादी नक्सलियों के ठिकाने से बरामद किया है। एसपी स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि सूचना मिली कि नक्सली मदनपुर थाना क्षेत्र के पचरुखिया एवं इसके आसपास क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। नक्सलियों की योजना नक्सल अभियान की टीम पर हमला करने की थी। सूचना पर जिला पुलिस, कोबरा, सीआरपीएफ और एसटीएफ की सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम बनाकर जंगल में छापेमारी कराई गई। छापेमारी के दौरान एक एसएलआर, एसएलआर की 102 कारतूस और एसएलआर की दो मैगजीन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि हथियार व कारतूस की बरामदगी कर नक्सलियों की योजना को विफल कर दिया गया है। हथियार व कारतूस की बरामदगी के बाद भी नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी है। बता दें कि इसके पहले भी नक्सल अभियान की टीम ने भारी मात्रा में आईडी, नक्सलियों के हथियार, कारतूस और विस्फोटक सामग्री को बरामद किया है।

कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा, निचले इलाकों में घुसा पानी, हालात पर प्रशासन की नजर

कानपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एक तरफ पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है, जिसकी वजह से गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है तो वहीं अब इसका असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा नदी के किनारे बसे इलाकों में कई घरों में पानी घुस गया है, जिसकी वजह से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में पानी घुसने के बाद यहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से लगातार गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर से बढ़ गया है। जिसकी वजह से कानपुर के निचले इलाकों में पानी भर गया है। लोगों को इसी पानी में घुसकर आना-जाना पड़ रहा है। गंगा नदी के तेज बहाव की वजह से जगह-जगह कटान भी हो रहा है। गंगा के बढ़े जलस्तर पर प्रशासन ने भी अपनी पूरी नजर बनाए हुई है। हालात को देखते हुए कानपुर के डीएम विशाख अय्यर ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। डीएम विशाख अय्यर ने बताया कि हम लोग लगातार गंगा के पानी को मॉनिटर कर रहे हैं, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग की तरफ से भी निगरानी रखी जा रही है। जलस्तर जहां-जहां बढ़ रहा है या फिर रास्ते में कटाव हो रहा है वहां पर आवागमन के लिए नाव या ट्रैक्टर की व्यवस्था की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र जहां पर पानी आ गया है वहां पर खाने-पीने की व्यवस्था की जा सके। सामान लेने के लिए लोगों को एक मजरे से दूसरे मजरे में न आना पड़े। राशन का इंतजाम उसी मजरे में कराया जा रहा है। डीएम ने कहा, गंगा बैराज के नजदीक एक मजरे में 10-15 घरों में पानी घुस गया है जिसके बाद यहां रहने वाले परिवारों का प्राथमिक स्कूल में रुकने का इंतजाम किया गया है।

'कमरे में बुलाकर गलत तरीके से छूते हैं'

गाजियाबाद में 50 से ज्यादा छात्राओं ने प्रिंसिपल पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

गाजियाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद में एक ही स्कूल की 50 से ज्यादा छात्राओं ने अपने प्रिंसिपल पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी तरफ प्रिंसिपल ने कुछ पेरेंट्स पर उनके ऑफिस में आकर मारपीट करने और सर फोड़ने तक की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों का मामला दर्ज किया है और जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, वेव सिटी थाना क्षेत्र के शाहपुर बम्हैटा गांव में किसान आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल है। कक्षा 7, 8, 9 और 10वीं की छात्राओं ने सामूहिक रूप से पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि प्रिंसिपल डॉक्टर राजीव पांडे उनके साथ अश्लील हरकतें करते हैं। अपने कमरे में बुलाकर गलत तरीके से छूते हैं। एक छात्रा ने बताया, "21 अगस्त को प्रिंसिपल ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और मेरे साथ बदतमीजी की। मैं रोती हुई कमरे से बाहर निकली और दूसरी छात्राओं को इस बारे में बताया। तब पता चला कि प्रिंसिपल ऐसी हरकतें ज्यादातर छात्राओं से करते हैं।" दूसरी तरफ, प्रिंसिपल ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया है कि कई ग्रामीण उनके दफ्तर में घुस आए और उनके साथ मारपीट की, उनका सिर फोड़ दिया। इस मामले को लेकर गाजियाबाद की एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध आरोप लगाते हुए थाना वेव सिटी में शिकायत की है।

पिता स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंके जाने पर बेटी संघमित्रा मौर्य ने दी प्रतिक्रिया, आडवाणी का जिक्र कर कही ये बात

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पिछले दिनों उस वक्त सुर्खियों में आ गए थे, जब ओबीसी सम्मेलन के दौरान एक शख्स ने उन पर जूता फेंक दिया। हालांकि इस घटना के बाद आरोपी युवक को उनके समर्थकों ने वहीं पकड़ लिया और जमकर धुलाई कर दी। इस घटना पर उनकी बेटी और बदायूं से बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने इस घटना को राजनीतिक स्टंट बताया और कई पुरानी घटनाओं तक का जिक्र कर दिया। संघमित्रा मौर्य ने कहा कि इस तरह की घटनाएं राजनीतिक स्टंट होती है। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते हमें लगा है कि इस हद तक गिरना गलता है। उन्होंने कहा कि किसी पर जूता फेंकना, स्याही फेंकना लोग इसका राजनीतिक स्टंट के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ताकि वो ऐसा करके फेमस हो और खुद को स्थापित कर सकेंगे। मैं इस तरह की घटनाओं का विरोध करती हूं। ये कोई नई घटना नहीं है। इस तरह की हरकतें पहले भी होती रही हैं।

संघमित्रा ने याद दिलाई ये घटनाएं

संघमित्रा मौर्य ने इससे पहले हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि साल 2008 में भी बुश के ऊपर जूता फेंका गया और उसके बाद जूता फेंकने वाला जैदी हीरो बना था और चुनाव लड़ा। 2009 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम के ऊपर जूता फेंका गया। वो फेमस हुए, चुनाव लड़े और विधायक बन गए। यही नहीं उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी का भी जिक्र किया और कहा कि हमारी पार्टी के भीष्म पितामह कहे जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी के साथ भी ऐसी घटना हो गई थी, इससे कोई अछूता नही हैं। ऐसे बड़े लोगों को इसलिए चुना जाता है ताकि वो खुद को चमका सकें। दरअसल सोमवार को सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर उस वक्त जूता फेंका गया था जब वो ओबीसी सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। हालांकि ये जूता उन्हें नहीं लगा था। आरोपी युवक वकील की ड्रेस में आया था, जिसके बाद मौर्य के समर्थकों ने उसे पकड़ लिया और उसकी बुरी तरह पिटाई कर डाली थी।

'बाहरियों' को भारी पड़ रही बिहार शिक्षक भर्ती, रात भर जंक्शन पर पढ़ती रहीं लड़कियां

पटना, 24 अगस्त (एजेंसियां)। अगर हमारे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी 'शक्तिशाली' होते तो हमें नीतीश कुमार के वैशाली ना आना पड़ता। हम बेरोजगारी का दर्द झेल रहे हैं सर, बिहार क्या किसी राज्य में नौकरी मिलेगी तो चले जाएंगे। हमें टिकट नहीं मिला,जनरल बोगी में काफी भीड़ थी, गैरकानूनी रूप से एसी बोगी में चढ़ गए, टीटी ने तीन बार उतार दिया फिर भी उसी में धक्का खाते हुए पटना पहुंचे हैं । यह कहना है उत्तर प्रदेश के उन अभ्यर्थियों का, जो शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने बिहार पहुंचे और पटना जंक्शन पर ही अपनी रात बिताई बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा मे करीब 1 लाख 70 हजार से ज्यादा सीटों पर 9 लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे है। बिहार के साथ-साथ कई अलग-अलग राज्यों के अभ्यर्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। दरअसल बिहार सरकार ने शिक्षक भर्ती में दूसरे राज्यों के उम्मीदवारों को भी शामिल करने की घोषणा काफी पहले ही कर दी थी। बुधवार रात उत्तर प्रदेश से लाखों की संख्या में अभ्यर्थी पटना पहुंचे। इन अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र बिहार के अलग-अलग जिलों में है। हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों ने पटना जंक्शन पर ही रात बिताई। आज तक की टीम जब ग्राउंड रिपोर्ट के दौरान आधी रात को पटना जंक्शन पहुंची तो यहां का नजारा काफी अलग था। पूरा पटना जंक्शन अभ्यर्थियों से पटा हुआ था। जिसे जंक्शन पर जहां जगह मिल रही थी, वहीं अभ्यर्थी पॉलिथीन बिछाकर उसी के ऊपर सोते दिख रहे थे। इस दौरान आज तक ने देखा कि कुछ लड़कियां किताबें खोलकर आधी रात को पटना जंक्शन पर ही पढाई कर रही थी।

एक दिन की एसएचओ: कुर्सी पर बैठते ही 10वीं की छात्रा का ताबड़तोड़ एक्शन, थाने में पड़े पेंडिंग केस निपटा डाले

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बांदा में योगी सरकार की प्रमुख योजना मिशन शक्ति के तहत एक 10 वीं की छात्रा को थाना का एक दिन का एसएचओ बनाया गया। जहां छात्रा में बैठते ही ताबड़तोड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया। जनसुनवाई के दौरान मामलों को गंभीरता से सुनकर सीधे एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। छात्रा ने बताया कि मुझे एक दिन का एसएचओ बनाया गया है। मुझे अच्छा लगा है, मैं भी भविष्य में मेहनत करके पुलिस अफसर बनूंगी। दरअसल। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर मिशन शक्ति का अभियान चलाया जा रहा है। बांदा के भी सभी थानों में महिलाओं को जागरूक करने के लिए चौपाल कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यहां डमी कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को मुश्किल समय में बचाव के तरीके भी बताए जा रहे हैं। इसी क्रम में बांदा के एसपी अंकुर अग्रवाल ने पैलानी थाना में एक हाई स्कूल की छात्रा को एक दिन का एसएचओ बनाया। छात्रा शिवानी ने कुर्सी पर बैठते ही जनसुनवाई की और एक महिला की मारपीट के मामले को सुनकर तत्काल एफआईआर दर्ज के आदेश दिए। साथ ही पुलिस टीम को मौके पर भेजकर कार्रवाई करने के आदेश भी दिए। एक ग्राम प्रधान ने अपने शस्त्र के लाइसेंस में रिपोर्ट लगवाने की शिकायत की, जिस पर एसएचओ छात्रा ने मुंशी को बुलाकर तत्काल रिपोर्ट लगाने के निर्देश दिए। एक फरियादी ने अपना चरित्र प्रमाण पेंडिंग होने की शिकायत की। उस पर भी तत्काल प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश दिए। वहीं, अन्य फरियादियों की समस्या सुनकर तत्काल निराकरण करने के आदेश दिए। छात्रा ने जनसुनवाई के बाद थाना कैम्पस का निरीक्षण किया और जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

सरकारी स्कूल की छत गिरने के मामले में भाजपा नेता अनमोल रतन पर केस दर्ज, एक टीचर की हुई थी मौत

लुधियाना (पंजाब), 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुल्लांपुर में सरकारी स्कूल की छत गिरने से एक टीचर की मौत और तीन टीचर्स के घायल होने के मामले में पुलिस ने ठेकेदार और भाजपा नेता जगरांव निवासी अनमोल रतन पर केस दर्ज कर लिया है। उस पर धारा 304 के तहत केस दर्ज किया गया है। अनमोल रतन के पिता काला कतियाल जगरांव में भाजपा के काउंसलर थे। खुद अनमोल रतन के पास भाजपा में कई पद रह चुके हैं। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गौरतलब है कि बुधवार को सरकारी स्कूल में कुछ टीचर स्कूल के कमरे में बैठे हुए थे। तभी दूसरी मंजिल से लैंटर के गिरने की वजह से छत गिर गई। इससे तीन टीचर बुरी तरह से घायल हो गए जबकि शिक्षिका रविंद्रपाल कौर की मौत हो गई थी।

बहुत खतरनाक है यह बीमारी, कोरोना को भी किया फेल

95 फीसदी मरीजों का टेस्ट आ रहा पॉजिटिव

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना महामारी अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। अभी भी दुनिया के कई देशों में कोरोना के अलग-अलग वेरिएंट के मरीज सामने आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस जैसी महामारी के बाद अब मौसमी बीमारियां खासकर इन्फ्लुएंजा और उसके अलग-अलग वेरिएंट भी तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहे हैं। बरसात के मौसम में इन्फ्लुएंजा एच3एन2 के मामले खूब बढ़ रहे हैं। इन्फ्लुएंजा ए सबटाइप एच3एन2(एच3एन2) के मामलों ने हाल के दो वायरस-एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) और एसएआरएस-सीओवी2 को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अब इन्फ्लुएंजा बी सबटाइप विक्टोरिया के मामले देशभर में सामने आने लगे हैं, जिससे इसके मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। महाराष्ट्र में इन्फ्लुएंजा एच3एन2 के टेस्ट को लिए गए नमूनों में 95 फीसदी पॉजिटिव निकल रहे हैं जोकि बेहद चिंता का विषय बने हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयोगशालाओं और अस्पतालों से एकत्र किए गए डेटा से पता चलता है कि राज्य के

अधिकांश अस्पतालों में भर्ती मरीजों में एच3एन2 सामान्य प्रकार का है। शनिवार तक महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में फ्लू के करीब 100 मरीज भर्ती थे। डॉक्टरों का कहना है कि हालांकि अब तक रिपोर्ट की गई मौतें असाधारण रूप से अधिक नहीं हैं। लेकिन मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में फ्लू का पॉजिटिविटी रेट जुलाई में 19 फीसदी तक पहुंच गया था जोकि अप्रैल और मई माह में क्रमशः 6% था। महाराष्ट्र के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक जनवरी से अब तक लैब में इन्फ्लूएंजा के 1,540 मामलों की पुष्टि हुई है जिनमें से करीब 900 मामले एच3एन2 हैं।

राज्य में एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के मामलों में पॉजिटिविटी रेट 19 फीसदी होने पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में इन्फ्लूएंजा समूह की प्रमुख डॉ। वर्षा पोतदार ने कहा कि इस मौसम में यह निर्विवाद रूप से प्रमुख वायरस प्रकार है। एनआईवी देश के 32-लैब नेटवर्क का हिस्सा है जो इन्फ्लूएंजा वायरस पर नज़र रखता है और उनका अध्ययन करता है। उनके अनुसार, एच3एन2 के उच्च प्रसार को जनसंख्या की प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा पहले ही कोविड-19 के संपर्क में आ चुका है और उन्हें इसके खिलाफ टीका लगाया गया है, जबकि एच1एन1 पिछले साल प्रसारित हो रहा था। इन्फ्लूएंजा वायरस को ए (एच1एन1, एच3एन2), बी (सबलाइनेज यामागाटा, विक्टोरिया), सी और डी में अलग किया जा सकता है। जबकि इन्फ्लूएंजा ए और बी दोनों का प्रकोप और मौसमी महामारी के लिए जिम्मेदार हैं, इन्फ्लूएंजा ए वायरस केवल महामारी क्षमता वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2020 में कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से दुनिया भर में इन्फ्लूएंजा वायरस के प्रसार में बदलाव आया है। मुंबई के केईएम अस्पताल में, जहां माइक्रोबायोलॉजी विभाग इन्फ्लूएंजा नमूनों का परीक्षण कर रहा है। इन सभी नमूनों की जांच में 95 फीसदी तक मामले एच3एन2 और 5 फीसदी सबलाइनेज विक्टोरिया के लिए पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ। प्रियंका प्रसाद ने कहा कि एच3एन2 का पता पिछले नवंबर में शुरू हुआ, जबकि विक्टोरिया सबटाइप का पता इस साल फरवरी से मालूम पड़ा है। उन्होंने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि कोविड-19 पॉजिटिव नमूने अपेक्षाकृत कम हैं। साथ ही एच1एन1 के मामले भी कम हैं।

दिल्ली से भोपाल जा रही ट्रेन पर ग्वालियर में हुई पत्थरबाजी, टूटे कई खिड़कियों के कांच

भोपाल, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रिय राजधानी दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर बुधवार को पत्थरबाजी का मामला सामने आया है। पत्थरबाजी ग्वालियर के समीप सिथोली एवं संदलपुर के बीच हुई। इस के चलते किसी यात्री को चोट तो नहीं आई मगर कई खिड़कियों का कांच पूरी तरह से टूट गया। बता दें, इससे पहले भोपाल से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन पर भी पत्थरबाजी की घटना हुई थी। प्राप्त खबर के मुताबिक, नई दिल्ली से रानी कमलापति के लिए रवाना हुई शताब्दी एक्सप्रेस जब ग्वालियर से क्रॉस हुई तो संदलपुर एवं सिथोली के बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने इस पर पत्थरबाजी आरम्भ कर दी। इसके चलते ट्रेन के सी-9 कोच का एक कांच पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कोच सी-9 में 28 एवं 29 नंबर की सीट के पास का शीशा चकनाचूर हो गया। गनीमत रही कि किसी भी यात्री को चोट नहीं लगी। रेलवे झांसी मंडल के पीआरओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि इस घटना में किसी को भी कोई चोट नहीं आई है। ट्रेन का जो शीशा क्षतिग्रस्त हुआ था उसे झांसी स्टेशन पर बदलवाकर ट्रेन को रवाना कर दिया गया था। पत्थरबाजी करने वालों के बारे में छानबीन की जा रही है। तेज गति ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटना कोई पहली घटना नहीं है। अभी कुछ दिन पहले ही ग्वालियर रेलवे स्टेशन के समीप से ही कुछ नाबालिगों को पकड़ा गया था जो उधर से गुजरने वाली ट्रेनों पर पत्थर फेंका करते थे तथा रेलवे ट्रैक पर पत्थर रखा करते थे।

जम्मू में उमस छुड़ा रही पसीने, 27 तक जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार

जम्मू, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू में गुरुवार को हल्के बादल छाए हुए हैं। लेकिन गर्मी और उमस बनी हुई है। इससे पहले बुधवार को दिनभर की तपिश झेलने के बाद शहरवासियों को शाम को हुई बारिश ने राहत दी। यहां दिन में आर्द्रता का प्रतिशत 82 तक पहुंचने से उमस से जनजीवन पर असर पड़ रहा है। संभाग के अन्य हिस्सों में भी बारिश हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 27 अगस्त तक जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जम्मू में दिन की शुरुआत हल्के बादलों के साथ हुई। एक समय लग रहा था कि इंद्रदेव मेहरबान होंगे। मगर शाम तक लोगों को तपिश के साथ भारी उमस ने परेशान किया। उमस से पसीने छूट रहे हैं। तपिश बढ़ने का असर बाजार पर भी दिख रहा है। लोग जरूरी खरीदारी के लिए अब शाम को बाहर निकल रहे हैं। इस बीच शाम को अचानक काली घटाएं छा गईं और शहर के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हुई। इससे लोगों को कुछ राहत मिली। जम्मू में दिन का तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री चढ़कर 34.6 और बीती रात का न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिला राजोरी और पुंछ में बारिश हुई। लेह में बीती रात का न्यूनतम तापमान 13।6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीनगर ने अगस्त की गर्मी का दो साल का रिकॉर्ड तोड़ा, जम्मू जितना पारा

राजधानी श्रीनगर ने पिछले दो साल की अगस्त की गर्मी का रिकार्ड तोड़ दिया है। बुधवार को श्रीनगर में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.4 डिग्री चढ़कर 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां 14 अगस्त 2022 को अधिकतम तापमान 33.3, 24 अगस्त 2021 में 33.2 और 17 अगस्त 2020 में 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बुधवार को श्रीनगर और जम्मू का तापमान भी एक जैसा रहा। जम्मू में दिन का पारा 34.6 डिग्री सेल्सियस था। कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पिछले लंबे अंतराल से मौसम साफ रहने के कारण तपिश के साथ उमस हावी है।

टैगोरनगर स्कूल में रेपिस्ट टीचर! डेढ़ महीने में चार छात्राओं को बनाया हवस का शिकार

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के एक स्कूल में डेढ़ महीने पहले आए स्पोर्ट्स टीचर ने चार छात्राओं के साथ रेप को अंजाम दिया है। पीडित छात्राओं की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करते हुए उसे अरेस्ट कर लिया है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने ना केवल इन वारदातों को कबूल किया है, बल्कि उसने बताया है कि पहले वाले स्कूल में भी उसने इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला मुंबई में विक्रोली स्थित टैगोर नगर के स्कूल का है। पुलिस के मुताबिक दो दिन पहले छात्राओं के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दी थी। इस शिकायत के आधार पर आरोपी टीचर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने पहले तो पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जब सख्ती किया तो आरोपी टूट गया। इसके बाद आरोपी ने इन चार छात्राओं के साथ रेप की बात को तो कबूल किया है। साथ ही, उसने बताया कि वह इससे पहले जिस स्कूल में था, वहां भी उसने कई लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

फिलहाल पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले महीने छह जुलाई को ही इस स्कूल में ज्वाइन किया था। इसके बाद आरोपी ने एक एक कर चार लड़कियों को शिकार बना लिया। इन्हीं में से एक लड़की ने अपनी आपबीती परिजनों को बताई। फिर परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ यह कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी टीचर आदतन अपराधी है और उसने इस तरह की वारदात कई अन्य लड़कियों के साथ भी अंजाम दिया है।

किसी भी हाल में अब बीजेपी से नहीं होगा समझौता, पार्टी बैठक में बोले उद्धव ठाकरे

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों खूब घमासान देखने को मिल रहा है। उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री पर शिवसेना(यूबीटी) की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में शिवसेना (यूबीटी) के सभी पूर्व पार्षद मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा, बीजेपी ने मुझे दो बार धोखा दिया है एक 2014 और दूसरा 2019 में। ऐसे में फिर एक बार उनपर भरोसा करने का कोई सवाल ही नहीं है। इस बार बीजेपी से कोई समझौता नहीं होगा। मैं सिर्फ अपने लिए लड़ नहीं रहा हूं, मैं इंडिया बचाने के लिए, लोगों को बचाने के लिए लड़ रहा हूं। जो लड़ना चाहते है, जो किसी भी हाल में झुकेंगे नहीं। वही मेरे साथ रहे और जो जाना चाहते है खुशी से चले जाएं।

मैं जिद्दी हूं, लडूंगा

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि जब मैं बीमार था तब भी उनसे लड़ा, अब तो मैं ठीक हूं और दोगुना जोश से लडूंगा। इस बार एनडीए खिलाफ लड़ेंगे। अब किसी भी हाल में बीजेपी से समझौता नहीं होगा। 2024 की लड़ाई निर्णायक है। अगर वो फिर चुनकर आए तो फिर कभी चुनाव नहीं होंगे। इस बार के बीएमसी चुनाव में लड़ाई सिर्फ शिवसेना और बीजेपी में ही होगी। तैयार रहो इस लड़ाई के लिए। कई संकट आए और गए लेकिन मैं आज भी डटकर खड़ा हूं, हम फिर सत्ता में आएंगें। मैं जिद्दी हूं, लडूंगा और फिर वापस (सत्ता में) आएंगे।

जिसके दिल में पाप है, उसके साथ कैसे रहूं

इसी बैठक के दौरान उद्धव ठाकरे ने पिछले साल पार्टी में हुई बगावत की घटना का भी जिक्र किया। शिंदे सेना पर निशाना साधते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, मैने उनको सब कुछ दिया था। फिर भी वह चले गए। दादा भूसे ने तो कसम खाई थी। फिर भी वो चले गए तो अब किस पर भरोसा रखा जाए। उस वक्त मैं मुख्यमंत्री था। जब सब विधायक जा रहें थे। तब मैं चाहता तो उनको पकड़ कर रोक सकता था, लेकिन जो जाना चाहते है उन्हे रोककर क्या फायदा। जिसके दिल में पाप है उसके साथ मैं कैसे रहूं।

दिल्ली में होना है जी-20 सम्मलेन

पुलिस का दावा-बेहद कड़ी है सुरक्षा व्यवस्था चोरों ने खोली पोल और उखाड़ ले गए एटीएम

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में अगले महीने जी-20 की बैठक होने वाली है। इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए दुनियाभर के शीर्ष नेता दिल्ली आएंगे। सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली पुलिस ने अभी से ही तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऐसा दावा पुलिस कर रही है, लेकिन पुलिस के इस दावे की पोल गुरुवार सुबह चोरों ने खोल दी। उन्होंने उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके में नकदी से भरे एक एटीएम को उखाड़ कर ले गए। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 3।10 बजे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई के कमांड रूम से इलाके के खेड़ा खुर्द में एटीएम तोड़ने और चोरी के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पता चला कि एटीएम का मुख्य गेट टूटा हुआ है और मशीन को जमीन से उखाड़ कर ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि नरेला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 457, 380, 427, 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹बैंक के अनुसार, आखिरी रिफिल 19 अगस्त को की गई थी और मशीन में नकदी 1,40,300 रुपये की नकदी थी।₹ अब पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बता दें कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि 8-10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी), एम्बुलेंस और अग्निशमन रोबोट जैसे उन्नत अग्निशमन तंत्र की तैनाती सहित सुरक्षा उपायों को लागू किया गया है।

नूंह हिंसा के एक और आरोपी की पुलिस से मुठभेड़

ओसामा को लगी गोली, नल्हड़ में लगाई थी आग

नूंह, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा की नूंह पुलिस की एक और बड़ी कामयाबी मिली है। नूंह हिंसा में शामिल एक और आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, निरीक्षक विमल, प्रबंधक थाना साइबर क्राइम नूंह के नेतृत्व में गठित टीम ने नूंह हिंसा में संलिप्त आरोपी ओसामा उर्फ पहलवान निवासी फिरोजपुर नमक (नूंह) को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया है। इलाज के लिए आरोपी को नल्हड़ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी नल्हड़ आगजनी में वांछित था। आरोपी के पास से एक अवैध देशी कट्टा, एक खाली रौंद और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने उजीना नहर नाले के पास से मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांव फिरोजपुर नमक से आली मेव जा रहा था।

हिंसा से जुड़े 5 और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 285 पकड़े

नूंह हिंसा में शामिल दंगाइयों को गिरफ्तार करने में पुलिस की धरपकड़ लगातार जारी है। पुलिस की कई टीमें हिंसा से जुड़े आरोपियों की पहचान करने में जुटी हैं। इसी कड़ी में नूंह पुलिस ने 5 और आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। अब नूंह पुलिस ने ब्रज मंडल हिंसा मामले में 61 एफआईआर दर्ज करते हुए 285 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं साइबर क्राइम थाना पुलिस द्वारा भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने संबंध में 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज करते हुए 1 को गिरफ्तार किया है। पुलिस कप्तान का दावा है कि अब सोशल मीडिया पर निगरानी और बढ़ाई जाएगी। क्योंकि कुछ लोग अभी भी सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट डाल रहे हैं और गलत कमेंट्स कर रहे हैं। इसके लिए इस पर और ध्यान देने की जरूरत है। अब से पहले भी इसी सोशल मीडिया के कारण फसाद हुआ था। पुलिस ने इस हिंसा में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में 8 टीमों का गठन किया हुआ है। जो जगह- जगह छापा मारकर आरोपियों की पहचान कर रही हैं। इसके अलावा जिले में 3 डीएसपी स्तर के अधिकारियों की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई है, जो गहनता से मामले की जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश में जल्द हो सकता है शिवराज कैबिनेट का विस्तार

सीनियर नेताओं के बीच मंथन जारी

भोपाल, 24 अगस्त (एजेंसियां)। शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली सरकार में मंत्रिमंडल का जल्द विस्तार हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार अटकलों के बीच नरेंद्र सिंह तोमर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा सीएम शिवराज से मिलने पहुंचे हैं। फिलहाल दोनों नेता सीएम हाउस में मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन साधने की कवायद के चलते नामों पर मंथन हो रहा है। प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होनेवाले हैं। ऐसे में कैबिनेट में यह बदलाव काफी मायने रखता है। चुनाव से पहले विभिन्न समीकरणों को साधने की कोशिश की जा रही है।सत्तारूढ़ भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए अपने 39 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट पहले ही घोषित कर दी है। चुनाव कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य की कुल 230 में से 150 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। 2018 के चुनावों में भगवा पार्टी ने 109 सीटें जीती थीं, जो 116 के साधारण बहुमत से कम थीं। हाल में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया था कि आगामी विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करके सत्ता बरकरार रखेगी।

यूपी में कांग्रेस खस्ता हाल, क्या राहुल-प्रियंका अमेठी में कर पाएंगे कमाल ?

अमेठी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। 2024 के चुनाव की तेज होती आहट के बीच सबसे अधिक 80 लोकसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी की पस्त हालत कांग्रेस नेताओं को बेचैन किए हुए है। उत्तर प्रदेश के बाहर पटना और बेंगलुरु में भाजपा विरोधी दलों के जुटान में कांग्रेस के साथ खड़े होने वाले उत्तर प्रदेश में प्रभाव रखने वाले दलों के नेताओं के बोल प्रदेश में वापस होते ही बदले सुनाई देने लगते हैं। प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन को लेकर, भाजपा विरोधी कोई भी छोटा-बड़ा दल फिलहाल उत्साहित नजर नहीं आ रहा। ऐसे में उसके विकल्प क्या हैं ? ले देकर उसे राहुल-प्रियंका की लीडरशिप का आसरा है। हालांकि वे अबतक उत्तर प्रदेश में कोई करिश्मा नहीं दिखा सके हैं। लेकिन पार्टी पर उनकी पकड़ बरकरार है और उसके नेता और कार्यकर्ता उनसे नाउम्मीद नहीं हुए है। पार्टी को लगता है कि अगर राहुल फिर से अमेठी से लड़ें और प्रियंका अपने पहले चुनाव के लिए वाराणसी को चुनें तो प्रदेश में उसे नया जीवन मिल सकता है। राहुल 2019 की हार के बाद क्या फिर से अमेठी वापसी का साहस जुटा सकेंगे और प्रियंका गांधी वाड्रा वाराणसी की कठिन सीट से चुनाव लड़ने का खतरा मोल लेंगी ? किसी और ने नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकारों के सवाल पर इन मुद्दों पर बोल कर राहुल-प्रियंका के विरोधियों और खासतौर पर भाजपा नेताओं को निशाने साधने का मौका दे दिया है।

2019 की हार ने अमेठी से किया उदासीन

चुनावी नजरिए से अमेठी और रायबरेली के जमीनी हालात कांग्रेस के लिए उत्साहित करने वाले नहीं हैं। 2019 में अमेठी के साथ वायनाड से भी पर्चा भरकर राहुल गांधी ने अमेठी के वोटरों को विकल्प का संदेश दे दिया था। तब अमेठी ने स्मृति को जिताकर उन्हें अपना जवाब दिया था कि गांधी परिवार से उसका पहले जैसा लगाव नहीं रहा। इस हार के बाद राहुल सिर्फ दो मौकों पर पारिवारिक समझे जाने वाले इस क्षेत्र में आए। पहली बार हार के कुछ महीनों बाद जब उन्होंने भावुक हो रहे स्थानीय कार्यकर्ताओं से कहा था कि उन्हें समझना होगा कि अब मेरी पहली जिम्मेदारी वायनाड के प्रति है। दूसरी बार 2022 के विधानसभा चुनाव के मौके पर वे अमेठी आए। पार्टी प्रत्याशियों के लिए पदयात्रा भी की। प्रियंका ने भी क्षेत्र में चुनाव प्रचार किए। पार्टी के लिए नतीजे निराशाजनक थे। संसदीय क्षेत्र की पांच में से तीन सीटें भाजपा और दो सपा ने जीती थीं। कमजोर कांग्रेस सिर्फ एक क्षेत्र जगदीशपुर में दूसरे नंबर पर मुकाबले में थी।

रायबरेली में सोनिया की निष्क्रियता पार्टी के लिए भारी

उधर, रायबरेली जिस इकलौती सीट पर 2019 में कांग्रेस जीती वहां भी हालात पार्टी के लिए उत्साहित करने वाले नहीं हैं। खराब सेहत ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में सोनिया गांधी को उपस्थिति नगण्य कर दी है। 2014 में उनकी जीत का अंतर 3,52,713 था ,जबकि 2019 में यह घटकर 1,67,718 रह गया। अमेठी की ही तर्ज पर रायबरेली में भी 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता नहीं खुला। संसदीय क्षेत्र की पांच में चार सीट पर सपा और एक पर भाजपा काबिज है। फिलहाल लोकसभा में कांग्रेस की उपस्थिति रायबरेली के जरिए दर्ज है। भाजपा की इस पर नजर है। कोशिश उसने 2019 में भी भरपूर की थी। लेकिन तब उसकी कामयाबी सोनिया की जीत का अंतर घटाने तक सीमित रह गई थी। हार के बाद भी भाजपा रायबरेली को लेकर गंभीर है। पार्टी ने सोनिया से पराजित होने वाले अपने प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को योगी मंत्रिमंडल में जगह दी है। इसके अलावा भी केंद्र और प्रांत के मंत्री लगातार रायबरेली में सक्रियता बनाए हुए हैं।

अमेठी, रायबरेली से क्या सपा लड़ेगी ?

सिर्फ भाजपा ही नहीं बल्कि सपा भी गठबंधन की बात अंजाम पर न पहुंचने की हालत में 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी और रायबरेली में गांधी परिवार के लिए चुनौती पेश कर सकती है। 2019 तक सपा अमेठी , रायबरेली में राहुल और सोनिया के चुनावी मुकाबलों में उम्मीदवार नहीं उतारती रही है। लेकिन कुछ महीने पहले मार्च के शुरुआती हफ्ते में अमेठी की एक यात्रा में अखिलेश यादव ने लगातार वी।आई।पी। सांसद चुने जाने के बाद भी अमेठी की दुर्दशा पर तंज करते हुए कहा था कि " वहां से अब बड़े लोग नहीं बल्कि बड़े दिल वाले चुने जाएंगे । प्रदेश की सभी 80 सीटों पर सपा चुनाव लड़ेगी।" हालांकि अखिलेश के इस बयान के वक्त तक गैर भाजपा दलों के इंडिया गठबंधन ने आकार नहीं लिया था लेकिन अगर सपा अपने उम्मीदवार नहीं भी उतारती है तो क्या राहुल की अमेठी में राह आसान होगी ?

पदयात्रा के दौरान राहुल ने अमेठी के सवाल से किया था किनारा

कांग्रेस के कार्यकर्ता और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भले चाहते हों कि राहुल गांधी 2024 में राहुल फिर से चुनाव मैदान में उतरें लेकिन महत्वपूर्ण है कि खुद राहुल क्या चाहते हैं ? राहुल की कन्याकुमारी से कश्मीर की पदयात्रा के मध्य प्रदेश से गुजरते समय उनसे अमेठी से अगला चुनाव लड़ने को लेकर पत्रकारों ने सवाल किया था। राहुल ने इस सवाल को यात्रा के उद्देश्यों से भटकाने वाला बताया था। फिर जोड़ दिया था कि चुनाव में साल -डेढ़ साल है।

जश्न-ए-चांद

चंद्रयान-3 का चांद पर सफलतापूर्वक उतरना निश्चित रूप से गर्व की बात है। यह अलौकिक क्षण सभी देशवासियों के लिए बधाई देने व खुश होने का है क्योंकि चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर उतर कर इतिहास रच दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान यानी इसरो ने जिस तरह की पुख्ता तैयारी की थी, उसमें उम्मीद मजबूत दिख रही थी कि अपने देश का विज्ञान एक नया आसमान छूने जा रहा है। एक डर भी समाया था कि इस क्षेत्र में अब तक हुए प्रयोगों में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती थी। इसे देखते हुए अंतिम पल तक सभी दम साधे सफलता की राह देख रहे थे। देखा जाए तो यह स्थिति स्वाभाविक ही थी क्योंकि ऐसे अभियानों में आखिरी के कुछ पल ही सबसे महत्त्वपूर्ण होते हैं। लेकिन चौदह जुलाई को लांच हुआ चंद्रयान-3 अपनी चालीस दिनी यात्रा पूरी कर बुधवार शाम को ठीक छह बजकर चार मिनट पर चांद की सतह पर कामयाबी के साथ उतरा। इसी एक पल ने दुनिया भर में भारत का माथा गर्व से ऊंचा कर दिया। इस तरह से भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने में अपना परचम लहराया। इसके साथ ही एक बार फिर यह साबित हुआ है कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश के वैज्ञानिकों और खासतौर पर इसरो ने जिस स्तर पर जाकर काम किया है, उसने आज दुनिया भर में भारत को एक बड़ा सम्मान दिलाया है। यहां तक कि अमेरिका रूस व चीन के साथ पूरी दुनिया भारत की मुरीद हो गई है। देखा जाए तो इससे पहले भी अंतरिक्ष में अन्य तमाम उपलब्धियों के जरिए देश ने सफलता की एक लंबी श्रृंखला कायम की है, लेकिन चंद्रयान-3 के अभियान पर दुनिया भर के देशों की निगाहें जिस तरह टिकी हुई थी, उससे इसकी अहमियत की पुष्टि होती है। अब ताजा सफलता के बाद निश्चित ही अंतरिक्ष कार्यक्रम में भारत को एक नया सम्मान और बेहतर जगह मिलेगी। यह इसी से साबित हो जाता है कि चंद्रयान-3 के चांद के सतह पर उतरने के साथ ही तमाम बड़े देशों और उनके नेताओं की ओर से भारत के लिए विशेष बधाइयां भेजी जाने लगीं। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि दुनिया के कई वैसे देश, जो विज्ञान और तकनीक के मामले में दुनिया भर में अग्रणी माने जाते हैं, भारत आज उनके समानांतर खड़ा होने और कई मामलों में आगे निकल जाने का सफर तय कर चुका है। बता दें कि रूस भी चांद पर सफलता के अभियान में लगा था, लेकिन उसका 'लूना-25' चांद की सतह पर पहुंचने के कुछ क्षण पहले ही तबाह हो गया। इसे देखते हुए भारत की इस सफलता को अजेय ही माना जाएगा। वजह साफ है कि इसका लाभ दुनिया भर के तमाम देश उठा सकेंगे। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि चंद्रयान-3 का मिशन पूरी मानवता के लिए है, यह मानवतावादी विचार पर आधारित है। अंतरिक्ष को जानने-समझने के क्रम में भी हमारा विज्ञान आज नई ऊंचाइयों को हासिल कर सका है जिसकी वजह से दुनिया एक अंधेरे युग से निकल सकी है। इस क्रम में कई देशों के अभियानों के जरिए अंतरिक्ष के अनंत आकाश के बारे में समझने में मदद मिली है। अब चंद्रयान-3 इसमें नया अध्याय रचने जा रहा है। इसरो की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, चंद्रयान-3 के लिए मुख्य रूप से तीन उद्देश्य निर्धारित किए गए थे। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर की 'साफ्ट लैंडिंग' कराना, चंद्रमा की सतह कहीं जाने वाली 'रेजोलिथ' पर लैंडर को उतारना और घुमाना, लैंडर और रोवर्स से चंद्रमा की सतह पर शोध कराना। जाहिर है, कामयाबी का पहला चरण शानदार तरीके से पूरा करने के बाद अब चंद्रयान-3 के जरिए चंद्रमा के बारे में जो भी हासिल किया जा सकेगा, वह पूरी दुनिया के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। और यही भारत के लिए गर्व की बात होगी।

इसरो ने रचा इतिहास : दुनिया में बजा भारत का डंका

निरंकार सिंह

इसरो ने चांद के दक्षिणी ध्रुव के सबसे दुर्गम क्षेत्र में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को उतारकर नया इतिहास रच दिया है। अब भारत दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने अपना अंतरिक्षयान चांद की सतह के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारा है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करवाई थी लेकिन दक्षिणी ध्रुव पर नहीं। कहां जा रहा है कि दक्षिणी ध्रुव पर जाना बहुत जटिल काम था जो भारत ने कर दिखाया। कुछ ही दिन पहले रुस ने लूना-25 को दक्षिणी ध्रव पर उतरने की कोशिश की थी लेकिन उसका अंतरिक्ष यान नष्ट हो गया। ऐसे में भारत की इस सफलता से दुनिया में उसका नाम और दबदबा दोनों बढ़ा है। लैंडर विक्रम से निकला रोवर प्रज्ञान चांद की सतह की 14 दिन तक जांच- पड़ताल और प्रयोग करेगा। उसके आंकड़े ऑर्बिटल के माध्यम से इसरो को भेजेगा। चन्द्रयान-3 की सफलता तकनीकी क्षमता की दृष्टि से तो भारत की एक बड़ी सफलता है ही, लेकिन इसके और कई फायदे हैं। इसका रोवर प्रज्ञान चांद की चट्टानों को देखकर उनमें मैग्नीशियम, कैल्शियम और लोहे के अलावा कई दुर्लभ खनिजों को खोजने का प्रयास करेगा। चांद की सतह पर पानी, नमी और मिट्टी की रसायनिक जांच भी करेगा। पानी की मौजूदगी चांद पर इंसान को बसाने का द्वार भी खोलेगी। चांद पर हीलियम गैस की संभावनाएं भी तलाशी जायेंगी। इससे ऐसे बड़े खजाने की खोज हो सकती हैं जिससे अगले 500 सालों तक ऊर्जा की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है बल्कि खरबों डॉलर की कमाई भी हो सकती है। इसके एक टन की कीमत 5 अरब डालर बतायी जाती है। चन्द्रमा पर द्रव रूप में हीलियम के विशाल भंडार होने की संभावना है। चन्द्रमा से हीलियम धरती पर लायी जा सकती है। 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा से रवाना होने के बाद चंद्रयान-3 ने तीन हफ्तों में कई चरणों को पार किया। पांच अगस्त को पहली बार चांद की कक्षा में दाखिल हुआ था। भारत के चंद्रयान-3 मिशन के लिए पिछले दिनों एक बड़ी खुशखबरी आई। चंद्रयान-3 के लैंडर और प्रॉपल्शन मॉड्यूल योजना के मुताबिक, दो टुकड़ों में टूटकर अलग-अलग चांद की यात्रा कर रहे हैं। इसी के साथ चंद्रयान-3 का लैंडर अब चांद के और करीब पहुंच गया है। इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के बारे ट्वीट कर बताया कि इस बीच, प्रॉपल्शन मॉड्यूल वर्तमान कक्षा में महीनों या वर्षों तक अपनी यात्रा जारी रख सकता है। प्रॉपल्शन मॉड्यूल में पृथ्वी के वायुमंडल का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन करने और पृथ्वी पर बादलों से ध्रुवीकरण में भिन्नता को मापने के लिए स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री ऑफ हेबिटेवल प्लानेट अर्थ पेलोड लगा हुआ है। यह हमें इस बारे में जानकारी देगा कि चंद्रमा पर रहने योग्य क्षमता है या नहीं। इस पेलोड को यूआर राव सैटेलाइट सेंटर और इसरो, बेंगलुरु द्वारा आकार दिया गया है। मिशन के अगले पड़ाव में लैंडर मॉड्यूल को चांद की निचली कक्षा में पहुंचाया गया। इसरो ने लैंडर मॉड्यूल की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट में चंद्रयान-3 की यात्रा को लेकर ट्वीट भी किया। इसमें लैंडर की तरफ से प्रॉपल्शन के लिए कहा गया- ''साथ में यात्रा के लिए शुक्रिया मित्र। इसमें आगे कहा गया, ''लैंडर मॉड्यूल सफलतापूर्वक प्रॉपल्शन मॉड्यूल से अलग हो गया। अब इसे चांद की कक्षा में और नीचे उतार दिया गया है। भारत के महत्वाकांक्षी मून मिशन के तहत चंद्रयान-3 चंद्रमा के और करीब आ गया है। 16 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 चांद की 153 किमी गुणे 163 किमी की कक्षा में पहुंच गया। यानी अब चंद्रमा की सतह से चंद्रयान-3 की दूरी करीब 150 किलोमीटर रह गई है। इसके साथ ही मिशन की कामयाबी का अंतिम चरण शुरू हुआ। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर चंद्रयान-3 के सफर को लेकर यह जानकारी दी। इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 के चंद्रमा तक पहुंचने की सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं। हमारी आशा के मुताबिक चंद्रमा की 153 किलोमीटर गुणे 163 किलोमीटर की कक्षा में चंद्रयान-3 स्थापित हो गया। चंद्रमा की सीमा में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो गई। 17 अगस्त को प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर अलग हो गये हैं। मालूम हो, इसरो ने 14 जुलाई को प्रक्षेपण के बाद से तीन सप्ताह में चंद्रयान-3 को चंद्रमा की पांच से अधिक कक्षाओं में चरणबद्ध तरीके से स्थापित करने में सफलता हासिल की। 01 अगस्त को यान को पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा की ओर सफलतापूर्वक भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 तीन लाख किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हुए चांद के करीब पहुंचा है और 23 अगस्त को उसका लैंडर विक्रम रोवर प्रज्ञान सहित चांद पर उतर गयां। इस तरह से इसरो ने अंतरिक्ष में एक और इतिहास रच कर दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। भारत के इस महत्वाकांक्षी मिशन में केवल 615 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जो देश के अंदर एक छोटा सा फ्लाईओवर निर्माण के खर्च के बराबर है। इतनी कम राशि में हमारा मिशन चांद के उस हिस्से पर पहुंचा, जहां दुनिया का कोई देश आज तक नहीं पहुंचा है। वैज्ञानिकों का दावा है कि वहां बर्फ जमी है और चंद्रयान-3 का मकसद वहां ऑक्सीजन और पानी की खोज है।

यही मकसद रूस के लूना-25 का भी था। लेकिन वह चांद पर साफट लैंडिग नही कर सका। 47 साल बाद रूस ने अपना मून मिशन दोबारा बनाया था। जबकि भारत ने चंद वर्षों में इसे सफलता तक पहुंचा दिया है। इसलिए चंद्रयान-3 मिशन अधिक महत्वाकांक्षी है।चंद्रयान-3 मिशन में लैंडर, रोवर और प्रॉपल्शन मॉड्यूल शामिल हैं। लैंडर और रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरें और 14 दिनों तक वहां प्रयोग करेंगे। वहीं प्रॉपल्शन मॉड्लूय चांद की कक्षा में ही रहकर चांद की सतह से आने वाले रेडिएशंस का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो चांद की सतह पर पानी का पता लगाएगा और यह भी जानेगा कि चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं। इसरो की अनुसंधान यात्रा 21 नवम्बर 1963 को केरल में तिरूअनंतपुरम के करीब थुंबा से पहले रॉकेट के लॉन्च के साथ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ। यह रोचक बात है कि उस रॉकेट को लान्च पैड तक एक साइकिल से ले जाया गया था और उसे एक चर्च से लॉन्च किया गया। पूरी कहानी कुछ इस तरह है। नारियल के पेड़ों के बीच स्टेशन का पहला लॉन्च पैड था। एक स्थानीय कैथोलिक चर्च को वैज्ञानिकों के लिए मुख्य दफ्तर में बदला गया। बिशप हाउस को वर्कशॉप बना दिया गया। मवेशियों के रहने की जगह को प्रयोगशाला बनाया गया जहां अब्दुल कलाम आजाद जैसे युवा वैज्ञानिकों ने काम किया। इसके बाद रॉकेट को लॉन्च पैड तक साइकिल पर ले जाया गया। थोड़े समय बाद दूसरा रॉकेट लॉन्च किया गया। वह पहले वाले से थोड़ा भारी था। उसे बैलगाड़ी पार ले जाया गया था। 15 अगस्त 1969 को डा. विक्रम साराभाई ने इसरो की स्थापना की थी। इसका मकसद अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में काम करना था। एसएलवी-3 भारत का पहला स्वदेशी सैटलाइट लॉन्च व्हीकल था। डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इस परियोजना के निदेशक थे। पिछले 40 सालों में इसरो का खर्च नासा के एक साल के बजट के आधे से भी कम रहा। चन्द्रमा पर इसरो के पहले मिशन चन्द्रयान-प्रथम पर करीब 390 करोड़ रूपये खर्च हुए जो नासा द्वारा इसी तरह के मिशन पर होने वाले खर्च के मुकाबले 8-9 गुना कम है।

अंतरिक्ष अनुसंधान तथा उपग्रह तकनीक के क्षेत्र में भारत का प्रवेश 19 अप्रैल 1975 को आर्यभट्ट नामक उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ हुआ।

जंगल राज की ओर कदम बढ़ा रहा है बिहार !

मनोज कुमार अग्रवाल

बिहार में नीतीश सरकार के राज में बेखौफ अपराधी सरेआम खूंरेजी कर अपने खतरनाक मनसूबों को अंजाम दे रहे है। अररिया जिले में पत्रकार विमल कुमार की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है और देश का ध्यान बिहार में बिगड़ रही कानून व्यवस्था की ओर खींच रहा है यह मामला अभी शांत नहीं हुआ और रविवार को हत्या के दो मामले सामने आए हैं। डबल मर्डर से एक बार फिर सनसनी फैल गई है। बेगूसराय में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं दूसरा मामला मोतिहारी में सामने आया है, जिसमें एक ठेकेदार को गोलियों से भून डाला। बिहार में रविवार को डबल मर्डर का मामला सामने आया है। बेगूसराय के बछवारा क्षेत्र के फतेहा पंचायत में एक टीचर की हत्या कर दी गई। यह घटना फतेहा रेवले स्टेशन के पास हुई है। बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश के चलते अपराधियों ने 70 साल के रिटायर्ड टीचर को गोली मार दी गई। मृतक जवाहर राय फतेहा गांव के रहने वाले थे। अपराधियों ने फरवरी 2021 उनके बेटे की भी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक चश्मदीद गवाह थे। दूसरी घटना प्रदेश के मोतिहारी जिले से सामने आ आई है। यहां सब्जी खरीदने गए ठेकेदार की भी गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने चकिया थाना चौक पर अंजाम दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार ठेकेदार राजीव कुमार सब्जी खरीद रहे थे, तब बदमाशों ने उनके सीने में दो गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को 3 खाली खोले मिले है। क्या यह सब अपराध रोजमर्रा के सामान्य अपराध क्रम बतौर माने जा सकते हैं अथवा यह बिहार में एक बार फिर जंगल राज की ओर कदम बढ़ाने के संकेत हैं।दरअसल आमतौर पर रंजिश, लेनदेन, प्रेम संबंध, अवैध सम्बन्ध आदि के चलते हत्या की वारदातें होती हैं लेकिन जब आए दिन सिलसिलेवार ढंग से ऐसे हत्याकांड को अंजाम देने का सिलसिला शुरू हो जाए तो यह चिंता जनक बन जाता है इसे कानून-व्यवस्था की बड़ी नाकामी माना जाता है । बिहार में वैसे तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुशासन की छवि बनाने के लिए प्रयत्नशील रहे लेकिन बार बार राजनीतिक मित्रता के बदलाव से उनकी प्रशासन पर कमान ढीली पड़ गई। सच्चाई यह है कि बिहार एक बार फिर हिंसा और अराजकता के रास्ते पर मालूम पड़ता है। बिहार की ताज़ा अपराधिक वारदातें ईशारा करती हैं कि वहां अराजक तत्व बेलगाम होने के लिए मचल रहे हैं हिंसा का सिलसिला अब भी थमा नहीं है। बार बार के राजनीतिक परिवर्तन के चलते सरकार के हाथ से कानून व्यवस्था की लगाम कहीं न कहीं ढीली हो चुकी है। इसका ताजा उदाहरण अररिया में एक पत्रकार की हत्या है। चार लोगों ने अलसुबह एक पत्रकार का दरवाजे पर दस्तक दी पत्रकार आंखों को मलते बाहर आया तो हमलावर दरिंदों ने दरवाजा खोलते ही गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। अगर अपराधियों में कानून-व्यवस्था का तनिक भी भय रहा होता, तो वह एक राष्ट्रीय अखबार के संवाददाता बतौर कार्यरत पत्रकार की सरेआम हत्या कर देने का दुस्साहस नहीं कर पाते हालांकि ताज़ा अपडेट के मुताबिक पुलिस ने उन सभी आरोपियों को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि इस हत्या के पीछे दो और लोगों का भी हाथ था, जो पहले से जेल में बंद हैं। गिरफ्तार एक आरोपी भवेश नशीले पदार्थो के अवैध कारोबार के लिए पुलिस और अवैध धंधेबाजो के बीच दलाली करने वाला बताया जा रहा है पुलिस के कई थाना प्रभारी उसके दोस्त बताए गए हैं वह उनके तबादले पर स्वागत और बिदाई कार्यक्रम आयोजित कराता रहा है जिस पत्रकार की हत्या की गई वह नशे के कारोबार के खिलाफ खबर लिखता था इसलिए भी बदमाशों की आंखों का कांटा बना था मृतक के पिता ने प्राथमिकी में लिखवाया है कि चार साल पहले उनके बड़े बेटे को भी इन्हीं लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। रंजिश पुरानी है। उस हत्या का एकमात्र चश्मदीद उसका छोटा भाई यानी पत्रकार ही था और उस पर अपना बयान बदलने का लगातार दबाव बन रहा था। वह अपने बयान से नहीं मुकरा, तो उसे रास्ते से ही हटा दिया गया। इस घटना से आपराधिक वृत्ति के लोगों की दबंगई का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि जब चश्मदीद पर बयान से मुकरने का दबाव बनाया जा रहा था, तो उसकी जानकारी पुलिस को नहीं रही होगी। मगर पुलिस ने उसकी सुरक्षा का कोई इंतजाम क्यों नहीं किया, यह हैरानी की बात है। कानून के मुताबिक अगर किसी गवाह को डरा-धमका कर बयान बदलने पर मजबूर किया जाता है, तो उसकी सुरक्षा के इंतजाम करना पुलिस का काम है। मगर वहां पुलिस तो शायद इस सबसे बेखबर थी कि कोई बड़ी घटना हो सकती है। बिहार में किस तरह अपराधी जेलों में रहते हुए भी संगठित अपराधों को अंजाम देते हैं रंगदारी वसूली करते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। ऐसे हालात में उनसे भला किस प्रकार के पुलिस या कानून से भय या फिर कानून के पालन की उम्मीद की जा सकती है? यह ठीक है कि कुछ साल पहले जिस तरह बदमाश दिन-दहाड़े रंगदारी वसूलते, अपहरण कर फिरौती मांगते और मामूली बातों पर गोली दाग दिया करते थे, उसमें कुछ कमी आई है, मगर कानून-व्यवस्था का जैसा भय होना चाहिए, वह बिहार में कहीं नहीं है। हाल में जिस पत्रकार की हत्या कर दी गई, वह निश्चित रूप से अपने प्रति खतरे से बाखबर होगा और पुलिस वाले भी इस पत्रकार की जान के लिए खतरे से वाकिफ रहे होंगे। जरूर उसे अपने ऊपर हमले की आशंका रही होगी। इस सबके बावजूद उसकी सुरक्षा नहीं हो सकी।

देश के ज्यादातर प्रदेशों में पुलिस और अपराधियों की सांठगांठ रहती है बिहार में पुलिस पर इस तरह के इल्ज़ाम आम हैं। । इसलिए यह मान लेने का समुचित आधार है कि कि बदमाशों ने पत्रकार की हत्या सोच समझ कर एक नियोजित साजिश के तहत कर दी क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा था कि उनका कानून बाल बांका नही कर पाएगा। यही एक वजह है जो जंगल राज कायम करने की पहल करती है । इस तरह के एक के बाद एक नृशंस हत्या की घटनाओं के बाद बिहार मे कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए जाना लाजिमी है । कुछ लोग इसे नितीश कुमार के भाजपा से पाला बदल कर विपक्षी दलों के साथ सुर मिलाने और सरकार चलाने की वजह से तूल देने की बात कह रहे हैं लेकिन ऐसा मानना प्रत्यक्ष व परोक्ष दोनों तरह से कानून व्यवस्था की बिगड़ती हालत से आंख बंद करना होगा।

महानगरों की ट्रैफिक समस्या का समाधान

रजनीश कपूर

देश के महानगरों में ट्रैफिक जाम होना एक आज आम बात हो गयी है। अक्सर ऐसे जामों में फँस कर आप सभी ने अपना बहुमूल्य समय और ईंधन ज़रूर गँवाया होगा। देश में बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ-साथ जिस कदर वाहनों की संख्या भी तेज़ी से बढ़ रही है, ट्रैफ़िक जाम तो बढ़ेंगे ही। यातायात पुलिस हो या सड़कों पर चलने वाले आम नागरिक सभी इस समस्या से परेशान हैं। ट्रैफ़िक की इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए जनता और पुलिस को एक दूसरे का सहयोग करना होगा और जाम से निजात पाने के नए विकल्प ढूँढने होंगे। पिछले दिनों अख़बार में दिल्ली यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त एस एस यादव का एक बयान छपा था। जिसमें श्री यादव ने दिल्ली पुलिस के ट्रैफ़िक स्टाफ़ को एक नए अन्दाज़ में अपनी ज़िम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया। ग़ौरतलब है कि दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के पास यह शिकायत आ रही थी कि दिल्ली के ट्रैफ़िक पुलिसकर्मी बड़ी-बड़ी लक्ज़री गाड़ियों के चालकों से ग़ैर-क़ानूनी ढंग से चालान के बदले मोटी रक़म वसूल रहे थे। दिल्ली के सभी 15 ज़िलों को निर्देशित करते हुए श्री यादव ने यह बात स्पष्ट कर दी कि यदि किसी भी सिपाही को ऐसी ग़ैर-क़ानूनी वसूली का दोषी पाया जाएगा तो संबंधित ट्रैफ़िक इंस्पेक्टर सहित एसीपी व डीसीपी से भी इसका स्पष्टीकरण माँगा जाएगा। इसकी रोकथाम के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किए गए। इन निरीक्षणों में यह बात भी सामने आई कि ट्रैफ़िक पुलिसकर्मी बड़ी-बड़ी गाड़ियों को रोक कर चेक करने की मंशा से अचानक उनके आगे आ जाते हैं और उन गाड़ियाँ को रुकवाते हैं। अचानक ऐसा करने से न सिर्फ़ दुर्घटना की संभावना बड़ जाती है, बल्कि जाम भी लग जाते हैं। इसलिए श्री यादव की ओर से यह एक अच्छी पहल है। परंतु ऐसे औचक निरीक्षण केवल चालान दस्ते पर ही सीमित न हों। ट्रैफ़िक कंट्रोल रूम में बैठने वाले टेलीफोन ऑपरेटर का भी औचक निरीक्षण होना चाहिए। दिन भर के भीड़-भाड़ वाले समय में उन्हें सबसे अधिक फ़ोन कॉल किन-किन इलाक़ों से आए? क्या उन इलाक़ों से ऐसी कॉल रोज़ाना आतीं हैं? क्या इन कॉलों को संबंधित इलाक़े के अधिकारियों को भेज कर ही ज़िम्मेदारी समाप्त हो जाती है? ग़ौरतलब है कि, आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में गूगल मैप्स की मदद से हम कहीं भी जाने से पहले पूरा मार्ग देख कर यह जान लेते हैं, कि कितना समय लगेगा, जाम है या नहीं। उसी आधार पर वैकल्पिक मार्ग का चयन कर लेते हैं। ठीक उसी तरह क्या ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी कंट्रोल रूम में बैठ कर, गूगल मैप के ज़रिये जाम लगे इलाक़ों की सूचना संबंधित इलाक़े के पुलिस अफ़सरों नहीं दे सकते? यदि ऐसी सूचना संबंधित अधिकारियों को मिल जाए तो उन्हें भी पता चल जाएगा कि उन पर निगरानी रखी जा रही है। उन्हें मौक़े पर पहुँच कर जाम को खुलवाना पड़ेगा। देश भर की ट्रैफ़िक पुलिस को इस सुझाव पर गौर करना चाहिए। दिल्ली या अन्य महानगरों में लगने वाले जाम का कारण क्या होता है, इस पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है। आमतौर पर देखा गया है कि सड़कों पर लगने वाले जाम के पीछे बाज़ारों के सामने ग़लत पार्किंग करना। उल्टी दिशा से ट्रैफ़िक का आना। ग़लत लेन में वाहन चलाना। ट्रैफ़िक सिग्नल का सही से काम न करना। भीड़-भाड़ वाले समय में ट्रैफ़िक पुलिसकर्मियों का नदारद रहना। बस स्टैंड या मेट्रो स्टेशन पर ऑटो व रिक्शा की भीड़ लगना। सड़कों का रख-रखाव न होना, जैसे कई कारण हैं। यह बात तो समझ आती है कि हर राज्य के पास ट्रैफ़िक व्यवस्था को संभलने के लिए पर्याप्त स्टाफ़ नहीं है। परंतु इसका मतलब ये नहीं है कि स्टाफ़ की कमी के चलते जाम को बढ़ने दिया जाए। सीमित साधनों से भी असीमित काम किए जा सकते हैं अगर मंशा ठीक हो। हर वो बाज़ार जो मेन रोड को जाम कर सकते हैं, वहाँ पर ट्रैफ़िक पुलिस विभाग को सिविल डिफेंस के जवानों की मदद लेनी चाहिए। जो इस बात को सुनिश्चित करें कि जो भी वाहन ग़लत पार्किंग कर रहा हो वे उसे टोकें, चाहे मेगा माइक की मदद से या सीटी बजा कर। जैसे ही वाहन चालक को सिटी या माइक की आवाज़ सुनाई देगी वो चौकन्ना हो जाएगा। इसके बावजूद भी यदि वो अपना वाहन ग़लत ढंग से पार्क करता है तो उसकी फ़ोटो खींच कर उसे चालान विभाग में भेजा जाए। इसके अलावा जहां पर भी संभव हो वहाँ पुलिस की क्रेन नियमित रूप से चक्कर लगाए। जैसा कि एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पर होता है। गाड़ी उठाए जाने के डर से कोई भी अपना वाहन ग़लत ढंग से पार्क नहीं करेगा। इसी तरह अधिक भीड़ वाले समय पर ट्रैफ़िक सिग्नल का नियंत्रण किसी सिपाही के द्वारा हो तो बेहतर होगा।

इसका उदाहरण तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में देखा गया।

ऐ चांद....! हमें उन में तुम्हीं भाए बहुत

सुनील कुमार महला

अकबर इलाहाबादी जी ने बड़े ही खूबसूरत शब्दों में बयां किया है - 'लोग कहते हैं बदलता है ज़माना सब को।मर्द वो हैं जो ज़माने को बदल देते हैं।।' भारत ने अंतरिक्ष में इतिहास रच जमाने को बदल दिया है, तिरंगा चांद की धरती पर, चांद पर लहरा दिया है। सच तो यह है कि चंद्रयान-3 मिशन ने इतिहास रचते हुए भारत को अंतरिक्ष के क्षेत्र में सिरमौर देशों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया और अब भारत की नजरें चांद के बाद सूरज की ओर हैं। इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है कि अब भारत आने वाले समय में अंतरिक्ष के क्षेत्र में और भी अधिक सफलताएं हासिल करेगा। सच तो यह है कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद अब भारत के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में नये द्वार खुल गये हैं और भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि यूं ही भारत विश्व गुरु नहीं कहलाता है। ऋषि मुनियों,साधु संतों का यह देश, सोने की चिड़िया कहलाने वाला यह देश आज किसी भी क्षेत्र में दुनिया के किसी भी देश से कमतर नहीं है। आज भारत लगभग लगभग क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनता चला जा रहा है। अंतरिक्ष में तो भारत ने नई ताबीर लिख ही दी है और बरसों पहले मोहम्मद रफी साहब का गाया यह गीत आज साकार हो चला है कि -'री ढैय्या री ढैय्या री ढैय्या,देखो रे देखो लोग अजूबा, ये बीसवीं सदी का,देखो रे देखो लोग अजूबा, ये बीसवीं सदी का,आसमान के चाँद तो छूने,निकला चाँद ज़मीन का,रे लोगो ये चंदा रूस का,न ये जापान का, न ये अमरीकन प्यारे, ये तो है हिंदुस्तान का, न ये चंदा रूस का,न ये जापान का, न ये अमरीकन प्यारे,ये तो है हिंदुस्तान का...।' यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के समस्त वैज्ञानिकों की प्रतिभा, कड़ी मेहनत और समर्पण ही रहा कि हम चांद की सतह को फतेह कर पाए। विज्ञान और वैज्ञानिकों की तपस्या की बदौलत ही हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान से लैस एलएम की सॉफ्ट लैंडिंग को संभव बना पाए। यहां जिगर मुरादाबादी जी का एक शेर याद आ रहा है जिन्होंने खूबसूरत शब्दों में यह लिखा है कि -'हम को मिटा सके ये ज़माने में दम नहीं।हम से ज़माना ख़ुद है ज़माने से हम नहीं।' हाल फिलहाल, चंद्रयान-3 मिशन की ऐतिहासिक सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बहुत-बहुत बधाइयां और शुभकामनाएं ! हम आज गौरवान्वित हैं कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हम सिरमौर देशों की श्रेणी में शुमार हैं।भारत की यह सफलता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार तो खोलेगी ही, इसके साथ ही मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। बुधवार शाम यानी कि 23 अगस्त 2023 को जब सॉफ्ट लैंडिंग होने वाली थी, इसरो के यूट्यूब चैनल पर 42 लाख से ज्यादा लोग इसे लाइव देख रहे थे। इसरो ने लैंडिंग का लाइव प्रसारण किया, स्कूली बच्चों, समस्त देशवासियों ने इसे लाइव देखा, एक अलग ही नजारा,अलग ही माहौल भारत में नजर आया। सबको चंद्रयान-3 मिशन की लैंडिंग को लेकर बहुत उत्सुकता व जोश था। विभिन्न चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए करोड़ों लोग इस क्षण के साक्षी बने। इसरो ने हमारा सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। जानकारी देना चाहूंगा कि पहले इसरो को भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) के नाम से जाना जाता था, जिसे डॉ. विक्रम ए. साराभाई की दूरदर्शिता पर 1962 में भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था।

आज आप हैं, कल कोई और होगा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

“बेटा! इतनी भी बेरहमी मत दिखाओ। मैं तुम्हारी माँ न सही माँ की उम्र की हूँ। लिहाजा थोड़ा-बहुत ख्याल कर मुख्यमंत्री से मिलने दो न!” एक माँ जो एक सांसद को मुख्यमंत्री बनाने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वाले बेटे की अर्जी लिए मुख्यमंत्री के जनदरबार में पहुँची थी।“तुम्हें क्या लगता है कि मुख्यमंत्री को कोई काम-धंधा नहीं है। तुम्हारे जैसे छत्तीस आते हैं। सबका ख्याल रखते बैठेंगे तो उनका क्या मान रह जाएगा। वे तो उन्हीं को पूछते हैं जिनसे उनका मतलब होता है। बिना मतलब के तो वे सांस भी नहीं लेते। भलाई इसी में है कि यहाँ से चले जाओ। वरना धक्के मारकर खदेड़ना पड़ेगा।“ जनदरबार में तैनात पुलिस कर्मचारी इतने अहंकारी हो चले थे कि माँ की उम्र वाली औरत की छाती पर धक्का देने लगे। दिवंगत की माँ अपने बेटे के बारे में जोर-जोर से कहने लगी – “मेरे बेटे को आप पहचानते होंगे! मुख्यमंत्री का कट्टर समर्थक था। कट्टर इतना कि उनके सीएम बनने पर भंडारा किया था। फलाने दिन झंडोत्सव मनाने की परमिशन नहीं मिली तो उसने जबरन रैली निकाली। प्रशासन ने मना कर दिया। क्योंकि हालात बेहतर नहीं थे। इसके बाद भी महंगा पेट्रोल भरवाकर सौ से अधिक बाइकों की झंडोत्सव यात्रा निकाली । विरोधियों की गलियों में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान झड़प हो गई। गोलियां चली। एक गोली मेरे बेटे को आकर लगी और मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। विरोधियों की दुकानें जलाई गई। प्रशासन को तीन दिन तक इंटरनेट बंद करना पड़ा। कई दिग्गज नेता मेरे बेटे की अंतिम यात्रा में पहुंचे। परिवार को आर्थिक मदद, बेटी को नौकरी, चौक पर मूर्ति लगवाने का वादा किया। बेटी को नौकरी मिली लेकिन छह महीने बाद ही उस पद को खत्म करके उसे निकाल दिया। चौक पर मूर्ति लगी लेकिन आज भी ढकी हुई है। किसी नेता को फुर्सत नहीं कि उसका उद्घाटन कर सके। मेरा परिवार कोर्ट-कचेहरी के चक्कर में फंसा हुआ है। जो उस वक्त मेरे बेटे के अमर रहने के नारे लगा रहे थे अब वे भूल गए। मैं जब भी यहाँ आती हूँ मुझे बेइज्जत करके भगा दिया जाता है। पड़ोसी ताना मारते हैं कि बेटा मुख्यमंत्री का समर्थक था, तो अब कोई पूछता क्यों नहीं यह सब बातें इसलिए बता रही हूं क्योंकि हर छह महीने में दंगो की भेंट ऐसे ही मामूली परिवारों के लोग चढ़ते हैं। इनकी लाशों पर सियासत होती है। खूब वादे होते हैं लेकिन हकीकत में कुछ नहीं बदलता। सलाह सिर्फ इतनी है कि जब आप नहीं थे तब भी धर्म था, जब आप नहीं रहेंगे तब भी धर्म रहेगा। आपके बचाने से बचेगा नहीं, किसी के चाहने से खत्म नहीं होगा। आप बस अपना ख्याल रखिए।

सावन में लक्ष्मी पूजा का विधान

सावन शुक्ल पक्ष के शुक्रवार को होती है वरलक्ष्मी पूजा इससे मिल जाता है अष्टलक्ष्मी पूजन का फल

सावन महीने में शिवजी के अलावा भगवान विष्णु और लक्ष्मी पूजा करने का भी विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के जानकारों का कहना है कि सावन महीने में देवी के वरलक्ष्मी रूप की पूजा करने से अष्टलक्ष्मी पूजन का फल मिल जाता है। इस दिन व्रत करने और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से दरिद्रता दूर होने और सुख-समृद्धि बढ़ने की मान्यता है। ये व्रत महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में खासतौर से किया जाता है। उत्तर भारत और देश में अन्य जगहों पर आमतौर से सावन महीने में देवी लक्ष्मी पूजा नहीं की जाती है।

देवी के वरलक्ष्मी रूप की पूजा

सावन महीने के शुक्ल पक्ष के शुक्रवार को देवी के वरलक्ष्मी रूप की पूजा करने को विशेष शुभ फलदायी माना गया है। इस दिन सुबह जल्दी और शाम को प्रदोष काल में यानी सूर्यास्त के वक्त लक्ष्मी की पूजा करने का विधान बताया है। इस दिन क्षीर सागर में कमल के फूल पर सफेद कपड़ों में हाथ में कमल का फूल धारण किए बैठी देवी वरलक्ष्मी के ऐसे रूप की पूजा करना चाहिए। ऐसा करने से स्थिर लक्ष्मी और अचल संपत्ति प्राप्त होती है। इस तरह लक्ष्मीजी की पूजा करने वाले को जीवनभर पैसों और सुख की कमी नहीं रहती है।

कमल के फूलों से लक्ष्मी पूजा

डॉ. मिश्र बताते हैं कि सावन महीने के शुक्ल पक्ष में केसर, चंदन, अक्षत और कमल के फूलों से देवी लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही गाय के घी का दीपक लगाना चाहिए। लक्ष्मीजी के साथ भगवान विष्णु की पूजा भी करनी चाहिए। ऐसा करने से हर तरह की परेशानियां दूर होने लगती हैं। सुख और समृद्धि बढ़ती है। महिलाओं का सौभाग्य भी बढ़ता है।

जरुरतमंद लोगों को दान

देवी लक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए सावन महीने के शुक्रवार को गुड़, तिल, चावल, खीर, केसर, हल्दी, नमक और जरुरतमंद लोगों को कपड़ों का दान करना चाहिए। इस दिन अन्नदान करने का भी बहुत महत्व बताया है। इन चीजों का दान करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है। साथ ही गाय की विशेष पूजा करने से भी देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मनोकामना के हिसाब से करें

मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप जानें माता के 8 स्वरूप

माता लक्ष्मी से धन, ऐश्वर्या या सेहत और संतान की कामना करना चाहते हैं तो आपको ये बता दें कि माता के 8 रुपों की पूजा की जाती है। धैर्य लक्ष्मी से जीवन में ठहराव आता है तो गज लक्ष्मी से मिलती है सेहत आज आपको जीवन के हर सुख को पाने के लिए माता लक्ष्मी के किस मंत्र का जाप करना चाहिए ये जान लें। मान्यता है कि जो भी इस मंत्र को सिद्ध करके हर जिन इस मंत्र की एक माला जाप करता है उसे मनचाह फल मिलता है। तो आप अब कर सिर्फ माता लक्ष्मी का बीज मंत्र ही जप रहे थे तो आपको बता दें कि आप अपने कार्यों या मनोकामना के हिसाब से भी मंत्र का जाप कर सकते हैं।

1 श्री आदि लक्ष्मी – ये जीवन की शुरुआत और उम्र को दर्शाती हैं। जब आप नया घर लेते हैं या नए कारोबार की शुरुआत करते हैं तब पंडित या घर में जो भी विद्वान होता है ये मंत्र लिखता है। तो आप जब भी जीवन में कुछ नयी शुरुआत करने के बारे में सोचे इस मंत्र का जाप करें।
इनका मूल मंत्र है - ॐ श्रीं।

2 श्री धान्य लक्ष्मी – ये जीवन में धन और धान्य को दर्शाती हैं। अगर आप चाहते हैं कि जीवन में कभी आर्थिक तंगी ना आए और आपके घर की बरकत बनी रहे तो आप इस मंत्र का जाप करें।
इनका मूल मंत्र है - ॐ श्रीं क्लीं।

3 श्री धैर्य लक्ष्मी – ये जीवन में कॉन्फिडेंस और धैर्य को दर्शाती हैं। अगर आप कोई काम करने में घबराते हैं और या कोई काम जल्दबाज़ी में गड़बड़ी से करते हैं तो आपको खुद को सामान्य करने के लिए इस मंत्र का जाप करना चाहिए।
इनका मूल मंत्र है - ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं।

4 श्री गज लक्ष्मी – ये जीवन में सेहत और शक्ति को दर्शाती हैं। जब जीवन में आपको शारिरिक कष्ट हो रहा हो तो आपको इस मंत्र का जाप करना चाहिए।
इनका मूलमू मंत्रमं है - ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं।

5 श्री संतान लक्ष्मी – ये जीवन में परिवार और संतान को दर्शाती हैं। जिन लोगों की संतान नहीं है या संतान है लेकिन किसी ना किसी वजह से परेशान है तो आप अपनी संतान की सफलता के लिए उसे सही दिशा में लाने के लिए इस मंत्र का जाप करना चाहिए।
इनका मूल मंत्र है - ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं।

6 श्री विजय लक्ष्मी या वीर लक्ष्मी – ये जीवन में जीत और वर्चस्व को दर्शाती हैं। जब आप किसी बिज़नेस डील, नौकरी के इंटरव्यू या फिर किसी ऐसे काम के लिए जा रहे हैं जहां आप चाहते हैं कि आपकी जीत हो उस स्थिति में आपको इस मंत्र का जाप करना चाहिए।
इनका मूल मंत्र है - ॐ क्लीं ॐ।

7 श्री विद्या लक्ष्मी – ये जीवन में बुद्धि और ज्ञान को दर्शाती हैं। अगर आप चाहते हैं पढ़ाई में फोकस हो आपको उससे संपूर्ण लाभ मिले तो इस मंत्र का जाप कर सकते हैं।
इनका मूल मंत्र है - ॐ ऐं ॐ।

8 श्री ऐश्वर्य लक्ष्मी – ये जीवन में प्यार और भोग-विलास को दर्शाती हैं। ज्यादातर लोग दांपत्य जीवन में सुख बनाए रखने के लिए इस मंत्र का जाप करते हैं। इनका मूल मंत्र है – ॐ श्रीं श्रीं ।

उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें धातु की चीजें

घर के सदस्यों को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

वास्तु में शास्त्र में हर एक चीज को रखने के लिए एक सही दिशा निर्धारित होती है, जिससे उस चीज के और उस दिशा के शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार धातु की चीजों को रखने के लिये भी एक सही दिशा निर्धारित है। आपको बता दें कि वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में धातु की चीजें रखने के लिए सबसे सही दिशा पश्चिम और वायव्य कोण, यानि उत्तर-पश्चिम दिशा है। इन दोनों ही दिशाओं में धातु की कोई चीज रखना शुभ फलदायी होता है। वास्तु के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम दिशा में धातु की चीजें रखने से पिता को लाभ मिलता है। उनका दिमाग स्वस्थ रहता है। आपको मानसिक रूप से किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। साथ ही आपकी बौद्धिक क्षमता में बढ़ोतरी होती है। वहीं पश्चिम दिशा में धातु की चीज़ें रखने से सबसे अधिक फायदा घर की छोटी बेटी को होता है। इससे उनका हर्ष तत्व मजबूत होता है और उनकी खुशी बनी रहती है। साथ ही मुंह से जुड़ी परेशानियां नहीं होती और चेहरे का निखार बना रहता है।

इस मंदिर के हनुमान जी 5 एकड़ जमीन के हैं मालिक

दिलचस्प है इसके पीछे की कहानी

छत्तीसगढ़ में एक ऐसा गांव जहां हनुमान जी के नाम से पांच एकड़ से ज्यादा जमीन है। हमेशा सुनने को मिलता है कि जमीन मंदिर ट्रस्ट के नाम से होती है, लेकिन यहां ऐसा नहीं है। यहां हनुमानजी के नाम ही है 5 एकड़ जमीन। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के चपलीपानी में हनुमान जी के मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां भक्तों की भीड़ लगी रहती है। सड़क न होने से लोगों को परेशानी होती है। दर्शन करने के लिए भक्त पैदल आते है। आप को बता दे कि मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले से 55 किलोमीटर दूर मनेंद्रगढ़ विकास खण्ड के ग्राम पंचायत सोनहरी के आश्रित ग्राम चपलीपानी मे हनुमान जी के नाम से पांच एकड़ सत्ताईस डिसमिल जमीन है। जो तहसील रिकार्ड में दर्ज है। बताया जाता है कि 1962 में यहां फलाहारी बाबा रहकर तपस्या करते थे। जो हनुमान जी के बड़े भक्त थे।

मंदिर तक जाने का नहीं है रास्ता

21 जनवरी 2003 को जब यहां राजस्व विभाग के अधिकारी पहुंच। यहां तक अधिकारियों को पहुंचने में काफी वक्त लग गया। यहां पर उन्हें फलाहारी बाबा मिले, वन विभाग के अधिकारियों ने बाबा से पूछताछ की तो बाबा ने बताया कि वह जंगल मे अकेले रहते है और हनुमान जी की सेवा करते हैं। इसके बाद अधिकारी बोले कि हम आपके नाम यह जमीन कर देते हैं। यहां अपना आश्रम और मंदिर बना लीजिएगा। फलाहारी बाबा बोले कि अगर आपको जमीन देनी है तो हनुमान जी के नाम दीजिये। मुझे कोई इसकी मोहमाया नहीं है। तब से आज तक इस क्षेत्र में जहां मंदिर बना है।

भक्तों की मंदिर में लगी रहती है भीड़

वहां की पांच एकड़ सत्ताईस डिसमिल जमीन हनुमान जी के नाम से है। यह गांव सोनहरी पंचायत में आता है और यही से जटाशंकर धाम जाने का रास्ता है। यहां अभी शिवप्रसाद नाम के बाबा जी रहते है। भगवान के दर्शन करने जो भक्त जाते है वह रात के समय यही रुक कर विश्राम करते है। सावन में यहां भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

जानिए क्यों समय समय पर घर में करवानी चाहिए कथा और पूजा पाठ

हमारे तेज़-तर्रार आधुनिक जीवन में, जहाँ समय एक बहुमूल्य वस्तु है, शांति और आध्यात्मिकता के क्षण ढूँढना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यहीं पर घर पर कथा और पूजा करने की प्रथा चलन में आती है। जबकि मंदिरों और धार्मिक समारोहों का अपना महत्व है, आपके घर के आराम के भीतर कथा और पूजा में शामिल होने की परंपरा को अपनाने के लिए आकर्षक कारण भी हैं। इस लेख में, हम इस अभ्यास के लाभों और महत्व का पता लगाएंगे, और आपको उन कारणों के बारे में मार्गदर्शन करेंगे कि क्यों कथा और पूजा आपके घरेलू दिनचर्या का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

कथा और पूजा का महत्व ।

कथा, पवित्र कहानियों का पाठ और पूजा, एक उच्च शक्ति के प्रति समर्पण व्यक्त करने का कार्य, कई आध्यात्मिक परंपराओं में अत्यधिक महत्व रखते हैं। ये प्रथाएं हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती हैं, हमारी मान्यताओं और मूल्यों की गहरी समझ प्रदान करती हैं। घर पर कथा और पूजा करने से व्यक्तियों को अपनी आस्था और विरासत से सीधा संबंध बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

घर पर एक पवित्र स्थान बनाना

अपने घर के एक कोने को आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने से एक पवित्र स्थान बनता है जो परमात्मा की निरंतर याद दिलाता है। इस स्थान को मूर्तियों, मोमबत्तियों और सार्थक प्रतीकों से सजाया जा सकता है जो भक्ति के माहौल को बढ़ाते हैं। इस क्षेत्र

में नियमित रूप से कथा और पूजा में शामिल होने से आध्यात्मिक क्षेत्र के साथ आपका बंधन मजबूत होता है।

लचीलापन और सुविधा

मंदिर के निश्चित कार्यक्रम के विपरीत, घर पर कथा और पूजा करने से आपको सबसे उपयुक्त समय चुनने की सुविधा मिलती है। यह सुविधा सुनिश्चित करती है कि आपकी आध्यात्मिक साधना आपकी दैनिक प्रतिबद्धताओं से टकराए नहीं, जिससे एक सुसंगत दिनचर्या बनाए रखना आसान हो जाता है।

वैयक्तिकृत अनुष्ठान

घर पर, आपको अपनी पसंद के अनुसार अपनी कथा और पूजा अनुष्ठानों को तैयार करने की स्वतंत्रता है। यह वैयक्तिकरण प्रथाओं के साथ गहरा संबंध बनाने में सक्षम बनाता है, प्रामाणिकता और वास्तविक भक्ति की भावना को बढ़ावा देता है।

अपनेपन की भावना को बढ़ावा देना

अपने घर की कथा और पूजा सत्र में परिवार के सदस्यों को शामिल करने से एकजुटता की भावना पैदा होती है। आध्यात्मिकता के ये साझा क्षण पारिवारिक बंधनों को मजबूत करते हैं और एकता की भावना पैदा करते हैं, जिससे अनुभव अधिक समृद्ध होता है।

अगली पीढ़ी को मूल्य सिखाना

घरेलू कथा और पूजा सत्र में बच्चों को शामिल करने से मूल्यवान जीवन की सीख और नैतिक मूल्य मिलते हैं। यह परंपराओं और शिक्षाओं को आगे बढ़ाने का एक अवसर है, यह सुनिश्चित करते हुए कि आपके विश्वास का सार पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया जाए।

पारिवारिक बंधनों को मजबूत करना

कथा और पूजा व्यक्तिगत अभ्यास तक सीमित नहीं हैं; उन्हें सामूहिक रूप से निष्पादित किया जा सकता है। इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ आने से खुले संचार, सहानुभूति और एक मजबूत भावनात्मक संबंध को बढ़ावा मिलता है।

दिमागीपन और आंतरिक शांति की खेती

आपके घर का शांत वातावरण ध्यान और चिंतन के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है। नियमित कथा और पूजा सत्र आपको बाहरी दुनिया की अराजकता से अलग होने में मदद करते हैं, दिमागीपन और आंतरिक शांति को बढ़ावा देते हैं।

प्रकृति की लय के साथ सामंजस्य स्थापित करना

घर पर कथा और पूजा करने से आपको अपनी दिनचर्या को दिन की प्राकृतिक लय के साथ संरेखित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सूर्योदय और सूर्यास्त अनुष्ठान आपको ब्रह्मांड और उसके चक्रीय पैटर्न से जुड़ने की अनुमति देते हैं।

25 फीसदी फॉलोअर्स भी फिल्म देखने आ जाएं, तो फिल्म हिट हो जाएगी : अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे भले ही अब तक पांच-छह फिल्में कर चुकी हों, लेकिन वह आम दर्शकों तक अपनी पहचान अब भी नहीं बना पाई हैं। वह कहती है कि जब वह मथुरा में फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' की शूटिंग कर रही थी तो उन्हें आम पब्लिक ने पहचाना ही नहीं और इसी वजह से उन्होंने मथुरा की सड़कों और बाजारों में खूब मौज मस्ती की। अनन्या पांडे की फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' शुक्रवार यानी आज रिलीज हो रही है। फिल्म में उन्हें इस सीरीज की पिछली फिल्म नुसरत भरुचा को हटाकर लिया गया है।

मुझे पता था कि फिल्म में मेरा सामना पूजा से होने वाला है। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी थी। पहले भी मैंने दो हीरोइन वाली फिल्में की हैं। लेकिन, पूजा फिल्म में ऐसी दिखेगी मुझे यह पता नहीं था। मुझे लगता है कि फिल्म में आयुष्मान खुराना के पूजा के किरदार को देखकर दर्शक भी काफी आश्चर्यचकित हो जाएंगे। फिल्म के ट्रेलर में भी पूजा को आपने का फी ग्लैमरस अंदाज में देखा है। फिल्म में पूजा के किरदार को लेकर आयुष्मान खुराना ने बहुत तैयारी की है। जिस तरह से उन्होंने किरदार को लेकर तैयारी की, उसे देखकर मैं काफी प्रभावित हुई। फिल्म में मेरा मथुरा की साधारण सी लड़की का किरदार है, जो ब्रज भाषा में बात करती है।

ब्रज भाषा के लिए हमारे साथ सेट पर यश चतुर्वेदी मेरे डायलॉग कोच थे। उनके साथ शूटिंग पर काफी वक्त बिताया और उनसे ब्रज भाषा सीखने में काफी मदद मिली। मथुरा में जहां फिल्म की शूटिंग चल रही थी, वहां वैनिटी वैन खड़ी करने की जगह नहीं थी तो हमें मेकअप करने के लिए एक छोटा सा कमरा मिला था। इसका फायदा मैंने खूब उठाया बाजार में जाकर चुनरी खरीदती थी। वहां के सारे मंदिरों में गई।

मथुरा का खाना मुझे बहुत अच्छा लगा खासकर भिंडी की सब्जी को तो बिलकुल भी नहीं भूल सकती, एक दम तीखी होती थी। मथुरा के पेड़े का तो जवाब ही नहीं, आयुष्मान खुराना मेरे लिए गुड़ के बने पेड़े लाते थे। वहां के लोगों में बहुत मिठास और प्यार है। एक बार मैं जा रही थी तो पीछे से किसी ने आवाज दी, पांडे जी की बेटी।

पापा की पहली फिल्म मैंने पहली फिल्म 'आंखें' देखी थी। गोविंदा जी के साथ पापा ने इस फिल्म में काम किया था। यह मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उसके बाद मैंने पापा की 'विश्वात्मा', 'तेजाब', जैसी फिल्में हाल ही में देखी है।

परेश सर तो कॉमेडी फिल्मों के लीजेंड हैं। सेट पर उनके परफॉर्म को देखकर ही बहुत कुछ सीखने को मिल जाता है। फिल्म में चाहे परेश सर हो, अनु कपूर, राजपाल यादव, मनोज जोशी या फिर सीमा पाहवा मैडम सबके साथ काम करके बहुत कुछ सीखने को मिला।

यह मेरे करियर की पहली फिल्म है, इसलिए यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। फिल्म की शूटिंग के दौरान करण सर (करण जौहर) ने हम सबको बहुत ही प्यार से ट्रीट किया। जब मुझे यह फिल्म मिली थी, तब मैं 18-19 साल की थी और मुझे अहसास ही नहीं हुआ कि मुझे कोई बड़ी फिल्म मिली है। जब फिल्म रिलीज हुई और खुद को पर्दे पर देखा तब मुझे अहसास हुआ कि मैंने इतनी बड़ी फिल्म में काम किया है।

पूजा हेगड़े के हाथ से फिसली बड़ी फिल्म अब उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगी यह अभिनेत्री

पवन कल्याण की आगामी फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में रही है। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग रोक दी गई थी। अब इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। पहले इस फिल्म में अभिनेता के अपोजिट पूजा हेगड़े को कास्ट किया गया था, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो गई हैं।

फिल्म में पूजा हेगड़े की जगह अब श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में मौका दिया गया है। उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग पांच सितंबर को फिर से शुरू होगी। शूटिंग शेड्यूल के संबंध में एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में श्रीलीला के शामिल होने की पुष्टि की गई।

बता दें कि पवन कल्याण के आगामी चुनावों के प्रचार में व्यस्त होने के कारण 'उस्ताद भगत सिंह' की शूटिंग रोक दी गई थी। अब अभिनेता टीम में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जानकारी के मुताबिक 'उस्ताद भगत सिंह' की टीम एक बड़े शेड्यूल की तैयारी कर रही है, जो पांच सितंबर से शुरू होगा।

पवन कल्याण और कई अन्य लोग इस शेड्यूल में हिस्सा लेंगे। कला निर्देशक आनंद साई और उनकी टीम ने इस आगामी फिल्म के लिए एक विशाल सेट बनाया है। फिल्म में दोनों सितारों के अलावा आशुतोष राणा, नवाब शाह, केजीएफ फेम अविनाश, गौतमी, नर्रा श्रीनु, नागा महेश और टेम्पर वामसी बाकी कलाकार हैं।

'उस्ताद भगत सिंह' हरीश शंकर द्वारा लिखित और निर्देशित है। 'गब्बर सिंह' के लिए उन्होंने दूसरी बार निर्माता नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। वहीं, छायाकार अयानंका बोस और एडिटर छोटा के प्रसाद भी तकनीकी दल का हिस्सा हैं।

'खलनायक 2' में नहीं दिखेंगे संजय दत्त! फिल्म के सीक्वल पर आया सुभाष घई का बड़ा बयान

वर्ष 1993 में जब सुभाष घई के निर्देशन में बनी फिल्म 'खलनायक' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तो यह उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी फिल्म बनकर उभरी थी। हालही में इस ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खलनायक' ने 6 अगस्त को 30 साल पूरे कर लिए हैं। माधुरी दीक्षित, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ स्टारर यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। इसी बीच सुभाष घई ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल 'खलनायक-2' को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है।

डायरेक्टर सुभाष घई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'जैसा कि मीडिया के एक वर्ग में रिपोर्ट किया गया है, मैं स्पष्ट कर दूं कि मुक्ता आर्ट्स ने खलनायक 2 के लिए किसी भी अभिनेता को साइन नहीं किया है, हालांकि हम पिछले 3 साल से इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं', बिना किसी जल्दबाजी के।

तो वहीं, इस फिल्में के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए निर्माता 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए फिल्म को फिर से रिलीज करने के लिए तैयार हैं। एक मीडिया संस्थान से बातचीत के दौरान फिल्म डायरेक्टर सुभाष घई ने खुलासा किया कि 4 सितंबर को फिल्म का प्रीमियर भी आयोजित किया जाएगा। दर्शकों को आज भी फिल्म का लोकप्रिय गाना 'चोली के पीछे क्या है' याद है। माधुरी दीक्षित की शानदार अदाएं और गाने की आकर्षक बीट्स आज भी प्रशंसकों के बीच वही उत्साह जगाती है।

बता दें कि, 'खलनायक' में संजय दत्त ने अपनी जबर्दस्त एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। एक्टर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लियो' की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें थलपति विजय भी मुख्य किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन शंकर ने किया है।

20 साल बाद अक्षय-रवीना की जोड़ी की वापसी : वेलकम-3 में साथ काम करेंगे

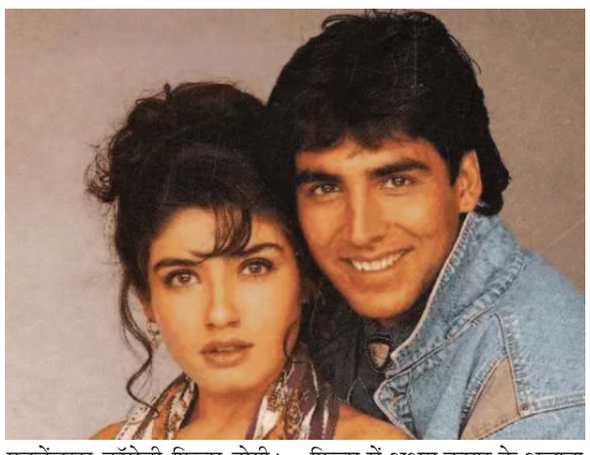

अक्षय कुमार और रवीना टंडन फिर से स्क्रीन शेयर करेंगे। यह जोड़ी 20 साल बाद बड़े पर्दे पर दोबारा देखने को मिलेगी। अक्षय और रवीना फिल्म वेलकम-3 में साथ काम करेंगे। एक वक्त पर अक्षय और रवीना को बॉलीवुड की हिट जोड़ी माना जाता था। दोनों ने एक साथ मोहरा, खिलाड़ियों का खिलाड़ी और बारूद जैसी हिट फिल्मों में काम किया था। एक समय पर इनके अफेयर की खबरें थीं। बात सगाई तक भी जा पहुंची थी। हालांकि किसी वजह से दोनों अलग हो गए। 2004 के बाद दोनों ने साथ में कभी फिल्में नहीं कीं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक- अक्षय कुमार और रवीना टंडन ने वेलकम-3 में साथ काम करने के लिए हाथ मिला लिया है। उन्हें दोबारा साथ आने में 20 साल लग गए। वेलकम-3 के मेकर्स ने इसे मुमकिन बना दिया है। वेलकम के तीसरे पार्ट का नाम वेलकम टू जंगल होगा। यह एक एडवेंचरस कॉमेडी फिल्म होगी। फिल्म प्रोग्रेस में है, जल्द ही शूटिंग शुरू हो जाएगी। अक्षय और रवीना भी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं। दोनों को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई है।

इस फिल्म को फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म क्रिसमस 2024 को रिलीज होगी। वेलकम 3 लार्जर देन लाइफ फिल्म होने जा रही है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा संजय दत्त और परेश रावल भी नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने वेलकम के पहले पार्ट में काम किया था। वेलकम 2 में उन्हें रिप्लेस कर जॉन अब्राहम को कास्ट किया था। हालांकि ये फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ और किरदार जैसे सुनील शेट्टी, जैकलीन फर्नांडीज और दिशा पाटनी भी फिल्म के साथ जुड़ चुकी हैं। अब रवीना के आने से फिल्म की स्टारकास्ट काफी बड़ी हो गई है। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म कैसी निकलती है।

रवीना टंडन और अक्षय कुमार की जोड़ी को एक समय खूब पसंद किया जाता था। मोहरा के गाने 'टिप टिप बरसा पानी' में दोनों के आइकॉनिक केमिस्ट्री को कौन भूल सकता है। इसी फिल्म के बाद दोनों की सगाई की खबरें सामने आई थीं। हालांकि किसी कारण ये सगाई टूट गई और दोनों के रास्ते अलग हो गए। 2001 में अक्षय ने राजेश खन्ना की बेटी और एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना से शादी कर ली वहीं रवीना ने भी 2004 में बिजनेसमैन अनिल थडानी के साथ सात फेरे लिए थे।

दोनों ने अंतिम बार 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'पुलिस फोर्स' में काम किया था। इसके बाद सीधे 20 साल बाद 2024 में दोनों रुपहले पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

कौन हैं 'जवान' की हीरोइन लहर खान, पिता की मौत से टूटीं एक्ट्रेस ने छोड़ दी थी फिल्म इंडस्ट्री

शाहरुख खान की 'जवान' अनाउंसमेंट के वक्त से ही चर्चा में बनी हुई है। फैंस बड़ी बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। 'जवान' में शाहरुख के अलावा नयनतारा और विजय सेतुपति भी हैं। लेकिन एक और एक्ट्रेस की चर्चा हो रही है, जो इस फिल्म में नजर आएंगी, और वह हैं लहर खान। लहर हमेशा से ही शाहरुख खान की फैन रही हैं, और बचपन से उनके गानों पर डांस करके बड़ी हुईं। और अब वह एक्टर के साथ 'जवान' में काम कर रही हैं। ए क पर्सनल ट्रैजेडी के कारण लहर खान ने फिल्म इंडस्ट्री लगभग छोड़ दी थी, लेकिन शाहरुख ने उन्हें 'जवान' में मौका दिया। लहर खान कौन हैं और वह किस बुरे दौर से गुजरीं, आइए बताते हैं।

एक्ट्रेस नहीं बनना था एनिमल साइंटिस्ट

लहर खान दिल्ली में पली-बढ़ीं। वह कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं, बल्कि उनका सपना एक एनिमल साइंटिस्ट बनने का था। हालांकि दिल्ली में अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई चली गईं, जहां उन्होंने फिल्ममेकिंग में ग्रैजुएशन किया। लहर खान कमाल की डांसर हैं, और वह 'बुगी बुगी' व 'डांस इंडिया डांस' जैसे रियलिटी शोज कर चुकी हैं। उन्होंने बाद में रियलिटी शो 'किड्स धूम' जीता था।

लहर खान 11 साल की उम्र में एक शॉर्ट फिल्म 'डेस्टिनी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें पहली फिल्म 'जलपरी' मिली। साल 2015 में लहर खान ने राधिका आप्टे स्टारर 'पार्च्ड' में काम किया। लहर खान फिर पापा से परमिशन लेकर मम्मी के साथ मुंबई आ गईं और फिल्मी दुनिया में राह तलाशने लगीं। पिछले साल उन्होंने 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट 1' और वेब सीरीज 'दहनः राकन का रहस्य' की। इस सीरीज के बाद लहर को महसूस हुआ कि उन्हें एक्टिंग में ही करियर बनाना है।

सबकुछ अच्छा चल रहा था। लेकिन 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लहर खान के पिता की मौत हो गई। लहर बुरी तरह टूट गई थीं। दरअसल लहर खान के पैरेंट्स उनकी दादी को मिलने लखनऊ गए थे। तभी कोरोना के कारण लॉकडाउन लग गया, और वो वहीं फंस गए। वहीं पर लहर के पिता को कोरोना हो गया, और वह बच नहीं पाए।

लहर खान पिता की मौत के बाद इस कदर टूट गईं कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला कर लिया। लेकिन पिता की मौत के दो महीने बाद लहर खान को 'जवान' के लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का फोन आया और बताया कि उन्हें सिलेक्ट कर लिया गया है। हालांकि लहर ने 'जवान' को रिजेक्ट करने का फैसला कर लिया था। उनका कहना था कि जब जिंदगी में उनका सबसे बड़ा इमोशनल सपोर्ट ही नहीं है तो फिल्म करके क्या करेंगी। लेकिन मां के समझाने पर वह मान गईं और 'जवान' का हिस्सा बनीं।

कांतारा का 125 करोड़ में बनेगा प्रीक्वल 16 करोड़ में बना था पहला पार्ट

कांतारा के मेकर्स अब फिल्म के प्रीक्वल पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार फिल्ममेकर्स ने कांतारा 2 नाम से बन रही प्रीक्वल का बजट पहली फिल्म के मुकाबले 7 गुना बढ़ा दिया है। इससे फिल्म के प्रोडक्शन में मदद मिलेगी। फिल्म का बजट 125 करोड़ होने का अनुमान है।

पंजुर्ली दैव की कहानी पर होगा कांतारा 2 का फोकस

ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में बनी फिल्म कांतारा का बजट सिर्फ 16 करोड़ का था। इसका मतलब मेकर्स ने बजट में करीब 681.25% का इजाफा किया है।फिल्म में बॉक्स-ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 398 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म के प्रीक्वल में पंजुर्ली दैव की कहानी पर फोकस किया जाएगा।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्म बनी कांतारा

KGF-2 का रिकॉर्ड तोड़कर कांतारा अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्म भी बन चुकी है। फिल्म ने सिर्फ कर्नाटक में करीब 173 करोड़ रुपए कमाए थे जबकि KGF-2 ने राज्य में 161 करोड़ की कमाई की थी। इस बार कांतारा 2 की सेटिंग मैंगलोर में होगी।

पिछली बार फिल्म की सेटिंग कुंडापुरा की थी। कुंडापुरा डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी का होमटाउन भी है। इस साल नवंबर से फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और अगले साल फिल्म रिलीज होगी। हालांकि, अभी तक फिल्ममेकर्स ने इस बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दी है।

बीते दिनों फिल्म के अगले इंस्टालमेंट पर बात करते हुए डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने कहा था- लोगों ने कांतारा को बहुत प्यार दिया। इसके लिए हम शुक्रगुजार हैं। मैं आपको ये बताना चाहूंगा कि आपने अभी फिल्म का पार्ट 2 देखा है, फिल्म का पार्ट 1 देखना अभी बाकी है।

आदिवासियों के पंजुर्ली और गुलिया दैवों पर बेस्ड है फिल्म

फिल्म में पंजुर्ली और गुलिया नाम के दो दैवों का जिक्र किया गया है। फिल्म में कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों में मनाए जानी वाली भूत कोला की परंपरा का भी जिक्र है। गांव के लोगों द्वारा दैव की पूजा की जाती है। पूजा के दौरान गांव का ही व्यक्ति दैव की वेश-भूषा धारण करता है और नृत्य करने लगता है। नृत्य करने वाले व्यक्ति को ही दैव नर्तक कहते हैं। माना जाता है कि नृत्य करने के दौरान व्यक्ति के अंदर देवता आ जाते हैं। इस दौरान दैव नर्तक जो भी बात कहता है वो गांव वालों के लिए वो भगवान का आदेश माना जाता है कांतारा मूवी की कहानी भी इसी प्रथा से प्रेरित है। फिल्म में कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों में दैव कोला की प्रथा को भी दर्शाया गया है।

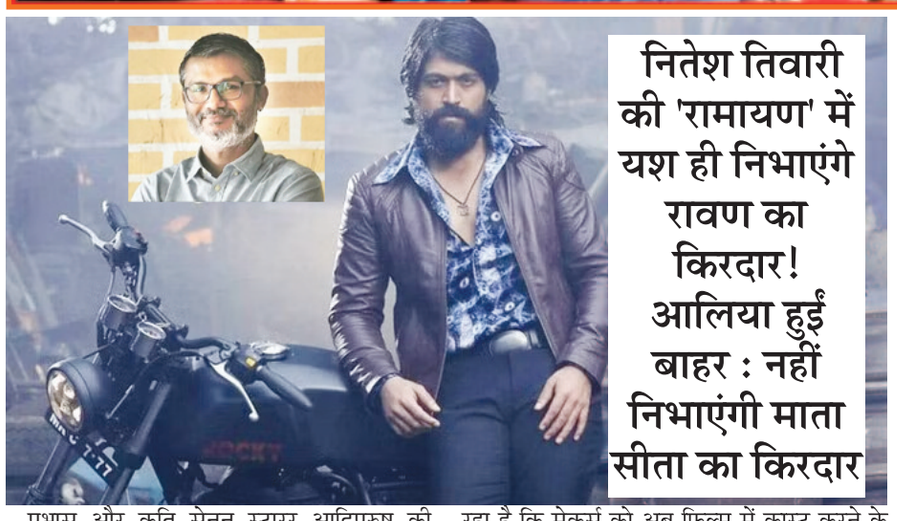

नितेश तिवारी की 'रामायण' में यश ही निभाएंगे रावण का किरदार! आलिया हुईं बाहर : नहीं निभाएंगी माता सीता का किरदार

प्रभास और कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष की असफलता के बाद अब बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर नितेश तिवारी ने रामायण बनाने का फैसला किया है। पिछले काफी वक्त से खबरें आ रही थीं कि फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाएंगे और सीता के रोल में आलिया भट्ट नजर आएंगी। हालांकि, नए अपडेट्स के मुताबिक आलिया अब फिल्म में सीता का किरदार नहीं निभाएंगी। अब वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

सीता के रोल में नहीं दिखेंगी आलिया

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया फिल्म से बाहर हो गई हैं, जबकि रणबीर कपूर फिल्म में राम का रोल निभाने वाले हैं। दरअसल मेकर्स का मानना है कि इस फिल्म को दर्शकों के बीच पेश करने के लिए इसकी अच्छी कास्टिंग बहुत जरूरी है। मेकर्स को लग रहा है कि आलिया भट्ट सीता के किरदार में फिट नहीं हो रही हैं, जिस कारण उन्हें यह रोल नहीं दिया जा रहा है।

बिजी शेड्यूल के चलते फिल्म से बाहर हुईं आलिया

कई रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि मेकर्स जल्द से जल्द फिल्म पर काम शुरू करना चाहते हैं। लेकिन डेट्स इशू होने की वजह से आलिया भट्ट इस प्रोजेक्ट से बाहर हुई हैं। हालांकि, कास्ट को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। कहा जा रहा है कि मेकर्स को अब फिल्म में कास्ट करने के लिए एक नई सीता की तलाश है। अब देखना यह है कि आलिया भट्ट के बाहर होने के बाद ये फिल्म किस एक्ट्रेस की झोली में गिरती है।

मेकर्स ने लिए KGF स्टार यश के लुक टेस्ट, कास्टिंग पर चल रहा काम

आलिया और रणबीर के अलावा फिल्म में KGF स्टार यश का नाम भी जोड़ा जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक्टर फिल्म में रावण का किरदार निभाएंगे। इसके लिए मेकर्स ने यश के कई लुक टेस्ट भी लिए हैं, अभी उनका लुक फाइनल होना बाकी है। बता दें कि अभी तक यश को इस रोल के लिए फाइनल नहीं किया गया है। बीते दिनों यह भी खबरें थीं की यश फिल्म का हिस्सा नहीं है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स कास्ट को फाइनल करने में किसी भी तरह की जल्दी नहीं करना चाहते। फिल्म अभी अपने शुरुआती स्टेज में हैं।

नितेश ने फिल्म को लेकर की थी बात

जुलाई में बवाल के प्रमोशन के दौरान, जब डायरेक्टर नितेश तिवारी ने अपकमिंग फिल्म की कास्ट को लेकर सवाल किया गया था, तब उन्होंने रणबीर, आलिया और यश को कास्ट करने की न तो पुष्टि की और न ही इससे इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि बहुत जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट की जाएगी।

इमरजेंसी के लिए करण जौहर की एक्साइटमेंट देखकर डरीं कंगना

बोलीं- पिछली बार वो एक्साइटेड हुए थे तो मेरी फिल्म 'मणिकर्णिका' फ्लॉप हुई थी

करण जौहर ने हाल ही में कंगना रनोट की अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' पर बात की थी। एक इवेंट में करण ने कहा था कि वो इस फिल्म को देखने के लिए एक्साइटेड हैं। अब कंगना रनोट ने करण के इस कमेंट पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वो करण को उनकी फिल्म के लिए एक्साइटेड देखकर डरी हुई हैं।

फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल ने सोशल मीडिया पर करण जौहर के इस बयान से जुड़ी एक लिंक शेयर करते हुए सवाल किया था। बंसल ने लिखा था, 'वाकई? क्या करण का मन बदल गया है?'

बदनामी कैंपेन शुरू हो गया था

इसी ट्वीट पर जवाब देते हुए कंगना ने ट्वीट किया। कंगना ने लिखा, 'हा.. हा.. पिछली बार जब उन्होंने कहा था कि वो मेरी फिल्म 'मणिकर्णिका' देखने के लिए एक्साइटेड हैं तो मेरे और मेरी फिल्म के खिलाफ बदनामी का कैंपेन शुरू हो गया था।

मेरे एक्टर्स ने मेरे ऊपर कीचड़ उछाला था

मेरी फिल्म में काम करने वाले लगभग सभी मेन एक्टर्स को मेरे ऊपर कीचड़ उछालने के लिए पैसे दिए गए थे। इसके बाद अचानक से मेरी जिंदगी का सबसे सक्सेसफुल वीकेंड, सबसे बुरे एक्सपीरियंस में बदल गया था।

हा.. हा.. अब मैं डरी हुई हूं.. बहुत ज्यादा.. क्योंकि वो फिर से एक्साइटेड है।'

'कॉफी विद करण- 5' से शुरू हुआ था विवाद

कंगना और करण के बीच विवाद 'कॉफी विद करण- 5' से शुरू हुआ था। शो में कंगना ने करण को नेपोटिज्म पर टारगेट किया था। इसके बाद से लेकर अब तक दोनों कई बार पब्लिक प्लेटफॉर्म पर एक दूसरे के खिलाफ बोल चुके हैं।

इन दिनों इमरजेंसी की शूटिंग में हैं बिजी

कंगना इन दिनों अपनी अगली फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग में बिजी हैं। कंगना इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाने के साथ ही इसे डायरेक्ट भी कर रही हैं। फिल्म में उनके अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमण समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

मीका सिंह को हुआ 15 करोड़ रुपए का नुकसान : बोले- गले से आवाज नहीं निकल रही थी, खराब तबीयत के चलते पोस्टपोन किए शोज

बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह पिछले कुछ वक्त से बीमार चल रहे हैं। मीका सिंह ने खुद बताया कि उन्हें गले में इंफेक्शन हो गया है, ऐसे में वह कॉन्सर्ट में परफॉर्म नहीं कर पा रहे हैं। सिंगर ने बताया कि अचानक तबीयत बिगड़ने के चलते उन्हें अपने कॉन्सर्ट पोस्टपोन करने पड़े, जिसकी वजह से उन्हें 15 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। दरअसल, मीका इन दिनों वर्ल्ड टूर पर थे। सिंगर ने बताया कि बिजी शेड्यूल के चलते उन्होंने अपने शरीर को बिल्कुल

आराम नहीं दिया, जिस कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई।

मीका ने अपनी सेहत के बारे में बात करते हुए कहा- 'मेरे 24 साल के करियर में ऐसा पहली बार हुआ है। मुझे मेरे शोज पोस्टपोन करने पड़े, क्योंकि मेरी तबीयत ठीक नहीं थी। मैं यूं तो हमेशा से ही अपनी सेहत को लेकर बहुत सतर्क रहता हूं। लेकिन बीते दिनों मैंने यूएस में बैक-टू-बैक शोज किए। बिल्कुल भी आराम नहीं किया। नतीजा ये हुआ कि मेरी तबीयत बिगड़ने लगी।'

खराब तबीयत के चलते इंडिया नहीं आ पाए मीका

मीका ने बताया कि वह अमेरिका के डालास में परफॉर्म कर रेह थे। उस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टर ने उन्हें मना किया है वह अब न तो अगले शोज के लिए 25 घंटे का ट्रेवल करके ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। ना ही वह ठीक होने तक इंडिया आ सकते हैं।

मीका ने बताया कि इसी कारण से वह भारत नहीं लौट पा रहे हैं। मीका ने बताया कि शो टालने करने के चलते उन्हें 15 करोड़ का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा- 'मुझे कई लोगों के पैसे लौटाने पड़े हैं। हमारे बैक टू बैक शोज थे, लेकिन मुझे खुशी है कि सभी ने मेरा सपोर्ट किया और फैंस ने भी मेरी प्रॉब्लम को समझा।'

मीका ने बताया कि उनकी तबीयत पहले से काफी बेहतर है। उन्होंने कहा- 'मैं इस हफ्ते से अपना काम और रिकॉर्डिंग शुरू करने का प्लान बना रहा हूं। मेरे पास कुछ रिकॉर्डिंग प्रोजेक्ट्स हैं, जिनके जरिए मैं अपने नुकसान की भरपाई कर लूंगा। उसके बाद, मैं बाली, सिंगापुर, मलेशिया, जकार्ता जैसी जगहों पर भी परफॉर्म करूंगा।'

ओएमजी 2 की सफलता पर ट्विंकल खन्ना ने अक्षय कुमार को दी बधाई, पति के लिए लिखा प्यार भरा संदेश

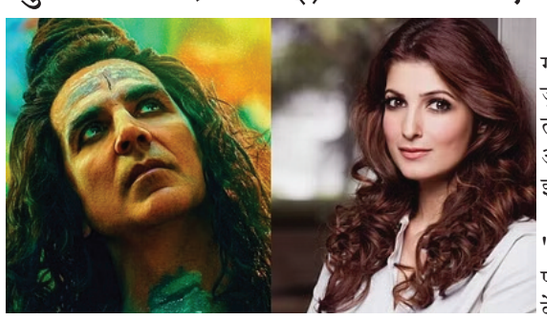

अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम स्टारर फिल्म 'ओएमजी 2' की जुगलबंदी देख काफी खुश हैं, वहीं दूसरी तरफ खिलाड़ी कुमार की पत्नी और अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना भी अपने पति की इस उपलब्धि से खिल उठी हैं।

अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में 'ओएमजी 2' की सफलता के लिए अपने पति अक्षय कुमार को बधाई दी। ऐसा करने के लिए अभिनेत्री ने उनके लिए एक प्यार भरा संदेश साझा किया। इसके साथ ही ट्विंकल खन्ना ने अक्षय को शिक्षा व्यवस्था पर असर डालने के लिए भी बधाई दी। ट्विंकल ने इंस्टाग्राम पर अपने पति के लिए एक नोट लिखा और फिल्म के कलेक्शन वाला पोस्टर भी साझा किया। ट्विंकल खन्ना ने लिखा, 'बधाई हो मिस्टर के! तुम पर गर्व। ओएमजी 2 एक ऐसी फिल्म है जो सिस्टम को बदलने में मदद करती है और बॉक्स ऑफिस को भी हिला देती है।' अमित राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज होने के 13 दिन बाद 123.72 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। ऐसे ट्विंकल खन्ना भी अपने पति और उनकी फिल्म की सफलता से काफी खुश हैं। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर फैंस भी अपने पसंदीदा स्टार को बधाई दे रहे हैं।

अब चंद्रयान-3 पर फिल्म बनाएंगे मिशन मंगल के डायरेक्टर

कहा- सेम टीम के साथ बनाऊंगा फिल्म; अक्षय होंगे या नहीं इसकी पुष्टि नहीं

मिशन मंगल बनाने वाले डायरेक्टर जगन शक्ति 'चंद्रयान 3' पर भी फिल्म बनाएंगे। जगन शक्ति का यह फैसला तब किया है जब बुधवार को चंद्रयान-3 ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। जगन शक्ति इस ऐतिहासिक क्षण को भुनाना चाहते हैं। जगन शक्ति ने दैनिक भास्कर के सामने कन्फर्म किया है कि वो मिशन मंगल वाली टीम के साथ ही इस फिल्म को बनाएंगे। हालांकि फिल्म

में अक्षय कुमार होंगे या नहीं, उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की है।

मौके को भुनाना चाहते हैं जगन शक्ति

डायरेक्टर जगन शक्ति ने कहा- हम इस मौके को जाने नहीं देंगे। मैं अब इस विषय पर कुछ विचार कर रहा हूं। इसके लिए अपनी बड़ी बहन से कुछ इनपुट ले रहा हूं। मेरी बहन ISRO में सीनियर साइंटिस्ट हैं। उम्मीद करता हूं कि मिशन मंगल की टीम के साथ ही चंद्रयान-3 पर फिल्म बनाऊं।

जगन शक्ति ने मिशन मंगल की मेकिंग में ISRO के कई वैज्ञानिकों से मदद लिया था। फिल्म से जुड़ी रिसर्च टीम ने वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काफी डिटेल्स निकाली थी।

राइटिंग टीम के मुताबिक, स्पेस पर बनी हॉलीवुड फिल्में जैसे इंटरस्टेलर और ग्रैविटी में ऑडियंस को जो बातें बताई गई थीं, ठीक उसी तरह मिशन मंगल में भी उन्हीं जानकारियों को बताने की कोशिश की गई थी। हॉलीवुड में स्पेस जॉनर की फिल्मों का बजट अमूमन 500 करोड़ से ज्यादा होता है। फिल्म ग्रैविटी का बजट 800 करोड़ से ज्यादा था। इंटरस्टेलर को बनाने में 1300 करोड़ रुपए की लागत आई थी। जैसे मंगलयान को बनाने में कम खर्च आया था, ठीक उसी तरह फिल्म बनाने में भी 32 करोड़ रुपए के आस-पास का खर्च आया था। हालांकि फिल्म में हैवी विजुअल इफेक्ट्स का इस्तेमाल किया गया था।

इसके बावजूद फिल्म का बजट मामूली ही था। इसके पीछे की वजह भी दिलचस्प है। दरअसल फिल्म में उन लोगों से काम लिया गया जो इंडस्ट्री में नए थे साथ ही उनका काम अच्छा था। उनकी कंपनी भी नई थी, उन्होंने फिल्म के लिए VFX और स्पेशल इफेक्ट सस्ते में दे दिया।

चिरंजीवी- जिन्हें कहा जाता है बिगर दैन बच्चन : अमिताभ से ज्यादा फीस लेते थे

साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी ने पिछले सप्ताह अपना 68वां बर्थडे मनाया है। 150 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रहे चिरंजीवी 1650 करोड़ के मालिक हैं। एक्टिंग के अलावा उनका राजनीतिक सफर भी सफल रहा। 24 साल की उम्र में उन्होंने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में ऐसी जगह बना ली कि उनसे जुड़ी छोटी-छोटी बातें भी ट्रेडमार्क बन गईं। फैंस के बीच उनका क्रेज ऐसा कि टिकट के लिए मारामारी हो जाती और लोग खुद की जान जोखिम में डाल देते। चिरंजीवी को बिगर दैन बच्चन का टैग भी मिला।

चिरंजीवी की जिंदगी के दिलचस्प किस्से

16 साल की उम्र में मां ने चिरंजीवी को जन्म दिया

22 अगस्त 1955 को आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले में कोनिडेला शिव शंकर वरप्रसाद राव का जन्म हुआ, जिन्हें बाद में मेगास्टार चिरंजीवी नाम से पहचान मिली। उनके पिता कोनिडेला वेंकट राव पेशे से कॉन्स्टेबल थे और मां हाउस वाइफ। चिरंजीवी का जब जन्म हुआ था तो उनकी मां की उम्र महज 16 साल थी। चिरंजीवी ने एक इंटरव्यू में बताया है कि जब कभी उनके पिता मां को डांट देते थे, तो मां उन्हें सीने से लगा कर रोतीं और मन की सारी बातें उनसे शेयर करती थीं।

फेल होने पर पेरेंट्स से पड़ी डांट

जब पिता ने उनका रिजल्ट

देखा तो उन पर बहुत गुस्सा हुए। मां ने भी फटकार लगाई। इधर चिरंजीवी परेशान कि फर्स्ट क्लास आने के बाद भी परिवार वाले उन्हें डांट क्यों रहे हैं। तब मां ने उन्हें बताया कि सब सब्जेक्ट को मिलाकर उन्हें बस एक ही नंबर मिला है और वो फेल हैं।

पिता ने भी की थी 2 फिल्मों में एक्टिंग

माना जाता रहा है कि चिरंजीवी अपने परिवार के पहले सदस्य हैं, जिन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। हालांकि ऐसा नहीं है। चिरंजीवी के पिता भले ही पुलिस विभाग में थे, लेकिन एक्टिंग का शौक उन्हें भी था। उनका रुझान हमेशा से ही फिल्मों में था। वो कई थिएटर प्ले का हिस्सा भी रहे। बाद में लंबे संघर्ष के बाद एक दोस्त की मदद से उनका ये सपना पूरा हुआ। 60 के दशक की दो फिल्मों में उन्हें छोटे रोल निभाने का मौका मिला। उनके लिए मात्र इतनी उपलब्धि जीवन भर की खुशी देने के लिए काफी थी।

चिरंजीवी जब बड़े हुए तो उन्होंने अपने पिता को ये बताया कि वो एक्टर बनना चाहते हैं। पिता को इंडस्ट्री का स्ट्रगल पता था। वो चिरंजीवी से पूछ बैठे कि अगर वो कामयाब नहीं हुए तो फिर क्या करेंगे।

जवाब में उन्होंने कहा कि वो एक साल एक्टिंग स्कूल की तैयारी में लगाएंगे और एक साल फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल करेंगे। अगर इन 2 साल में वो सफल नहीं हुए तो किसी दूसरी फील्ड में ट्राई करेंगे, लेकिन वक्त जाया नहीं करेंगे। इस बात पर पिता ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में काम करने की परमिशन दे दी।

1983 की फिल्म कैदी से मिली बड़ी पहचान

1983 में रिलीज हुई फिल्म कैदी ने चिरंजीवी को रातों-रात एक बड़ा सुपरस्टार बना दिया। फिल्म की सफलता के बाद उनकी बात करने की शैली, बिहेवियर, यहां तक की भौहें फड़कने जैसी छोटी-छोटी बातें भी ट्रेडमार्क बन गईं। तब से चिरंजीवी को मेगास्टार चिरंजीवी का टैग मिला।

सुरेखा को चिरंजीवी की आंखें बहुत पसंद आई थीं। जब चिरंजीवी की मुलाकात सुरेखा से हुई तो उन्हें बात करने का कोई आइडिया नहीं था। उन्हें पता था कि सुरेखा ने BA किया है, तो वो उनसे पढ़ाई से जुड़ा सवाल पूछ बैठे। कुछ मुलाकात के बाद वो भी सुरेखा को पसंद करने लगे और 20 फरवरी 1980 को उनकी शादी हो गई।

हेलन को देख डांस सीखा

साउथ में चिरंजीवी का डांस बहुत पसंद किया जाता है। आपको बता दें कि उन्होंने ये डांस मशहूर डांसर और एक्ट्रेस हेलन से सीखा है। जब उन्होंने पहली बार हेलन को पिया तू अब तो आजा गाने पर डांस करता देखा, तब से वो उन्हीं को देख डांस सीखने लगे। घरवाले भी इस पर उनकी हौसला अफजाई करते थे।

फिल्म के टिकट के लिए 4 लोगों की मौत हुई

चिरंजीवी की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जब उनकी कोई भी नई फिल्म आती है, तो उसकी रिलीज के एक दिन पहले टिकट के लिए भगदड़ मच जाती है। 2003 में जब उनकी फिल्म टैगोर रिलीज हुई थी, तब फिल्म के टिकट के लिए भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 4 लोग की मौत हो गई थी। किस्सा ये भी है कि एक बार एक फैन चिरंजीवी को पास आकर छूने की कोशिश कर रहा था, तभी करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

टिकट न मिलने पर एक फैन ने गला काट लिया

मौका था जब 10 साल बाद चिरंजीवी अपनी 150वीं फिल्म से कमबैक कर रहे थे। फिल्म का नाम खिलाड़ी नंबर 150 था। इसके टिकट के लिए हर जगह मारामारी थी। फैंस लंबे अरसे से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। फिल्म को लेकर इतना क्रेज था कि फैंस दो दिन पहले से ही थिएटर के बाहर टिकट के लिए खड़े थे। शुरुआती दिनों के सभी टिकट पहले से ही बुक हो गए थे। कई लोगों को पहले दिन पहले शो के टिकट नहीं मिले। इससे दुखी होकर एक शख्स ने अपना गला काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

चिरंजीवी की पुरानी फिल्मों से प्रोड्यूसर घाटे से उबरते

जब किसी प्रोड्यूसर की माली हालत ठीक नहीं होती है, तो चिरंजीवी की टीम उन्हें उनकी पुरानी फिल्मों के रील्स फ्री में दे देती है। फिर प्रोड्यूसर उस फिल्म को दोबारा रिलीज करते हैं, जिसकी कमाई से उनकी माली हालत में सुधार आ सके।

जब अमिताभ बच्चन से अधिक फीस चार्ज करते थे

एक वक्त ऐसा था कि चिरंजीवी का स्टारडम अमिताभ बच्चन पर

चिरंजीवी की कुल नेटवर्थ 1650 करोड़

वो हर फिल्म में 35 करोड़ फीस चार्ज करते हैं।

हैदराबाद में वो परिवार के साथ 25,000 वर्ग फीट के सी फेसिंग बंगले में रहते हैं, जिसकी कीमत 30 करोड़ रुपए है।

चिरंजीवी रोल्स-रॉयस फैंटम (9-10.5 करोड़ रुपए), रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी (4 करोड़ रुपए), रेंज रोवर वोग (2.2 करोड़ रुपए) और टोयोटा लैंड क्रूजर (2 करोड़ रुपए) जैसी गाड़ियों के मालिक हैं।

वे पहले भारतीय फिल्म एक्टर हैं जिन्होंने अपनी खुद की वेबसाइट बनवाई है। समय-समय पर वो इस वेबसाइट के जरिए फैंस से मुखातिब होते हैं।

भी भारी पड़ा था। जहां अमिताभ अपनी फिल्मों के लिए 1 करोड़ रुपए चार्ज करते थे, वहीं चिरंजीवी अपनी फिल्मों के लिए 1.5 करोड़ रुपए फीस लेते थे। 90 के दशक में वह इंडिया की नेशनल मैगजीन्स के कवर पेज पर आने लगे थे। फिल्मफेयर और इंडिया टुडे जैसी एंटरटेनमेंट मैगजीन्स ने उन्हें बिगर दैन बच्चन का नाम दिया था। वहीं, न्यूज मैगजीन द वीक ने उन्हें द न्यू मनी मशीन का टाइटल दिया था।

एक बार चिरंजीवी की तारीफ में अमिताभ बच्चन ने कहा था, तेलुगु इंडस्ट्री देश की बाकी इंडस्ट्री की तुलना में अधिक बड़ी है। अगर चिरंजीवी तेलुगु इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं, तो वह देश में सिनेमा के राजा हैं।

चिरंजीवी का राजनीतिक सफर

फिल्मों के अलावा चिरंजीवी ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। उन्होंने 2008 में आंध्रप्रदेश में एक राजनीतिक दल प्रजा राज्यम पार्टी की शुरुआत की थी। पार्टी लॉन्च के समय उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय उनकी पार्टी का मुख्य एजेंडा है।

2009 के आम चुनाव में पार्टी ने आंध्रप्रदेश विधानसभा की 294 सीटों में से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। 6 फरवरी 2011 को चिरंजीवी की प्रजा राज्यम पार्टी का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया।

इस विलय के बाद 28 अक्टूबर 2012 को उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्हें टूरिज्म मिनिस्टर बनाया गया। 2014 को आंध्रप्रदेश के संसदीय और विधानसभा चुनावों में उन्होंने पार्टी की तरफ से प्रचार किया था। हालांकि चुनाव लड़ने से मना कर दिया था।

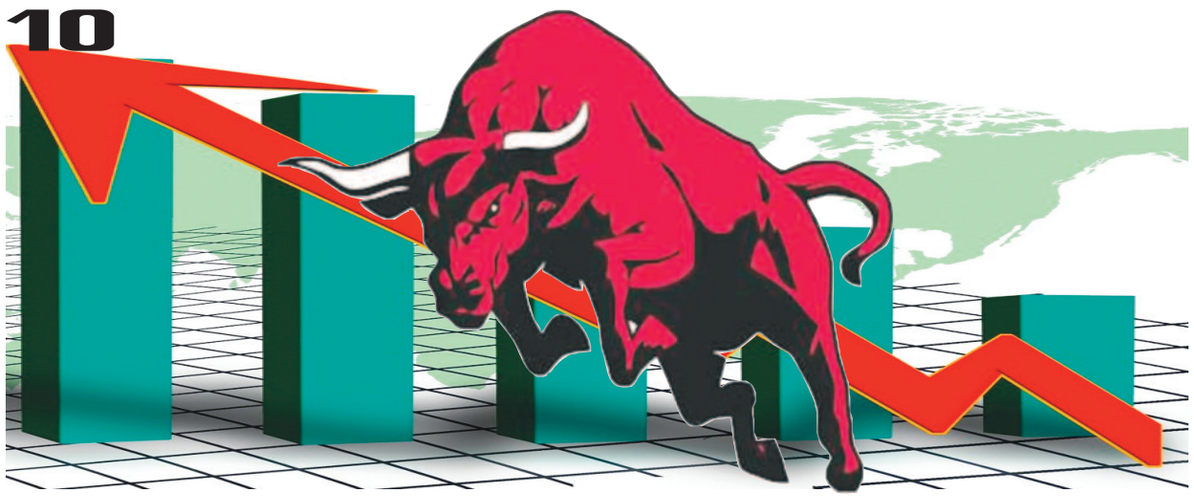

कब मिलेगा सब्जियों की बढ़ती महंगाई से छुटकारा आरबीआई गवर्नर ने दिया राहत भरा जवाब

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में आम जनता बढ़ती महंगाई के कारण परेशान है। पिछले दो महीनों में देश में टमाटर, प्याज समेत कई सब्जियों की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कब तक सब्जियों की महंगाई से राहत मिलेगी। इस सवाल का जवाब देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि सितंबर तक सब्जियों की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की जा सकती है।

महंगाई से मिलेगी राहत

एक कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सरकार ने सही वक्त पर हस्तक्षेप किया है। इस कारण देश में अनाज की कमी नहीं हुई और सप्लाई सही होने के कारण कीमत पर लगाम लगाने में मदद मिली है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हालांकि अभी भी मुद्रास्फीति दर उम्मीद से ज्यादा बनी हुई है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में ऐसे संकेत मिले हैं जिससे यह उम्मीद है कि आगे वाले दिनों में महंगाई से राहत मिलेगी।

सब्जियों के कीमत में आएगी कमी

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत में जुलाई से ही सब्जियों के दाम में लगातार बढ़त दर्ज की जा रही है। टमाटर के कारण मुद्रास्फीति दर में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन सरकार ने सही वक्त पर टमाटर के दाम को कंट्रोल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके साथ ही मंडियों में टमाटर की नई फसलें आने से इसकी कीमत में अब जबरदस्त गिरावट देखी गई है। वहीं प्याज के सप्लाई चेन को भी बेहतर रखने के लिए लगातार कई कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में हमें उम्मीद है सितंबर तक सब्जियों की महंगाई में कमी देखी जा सकती है।गौरतलब है कि जुलाई में खुदरा महंगाई दर में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह 15 महीने के उच्चतम 7.44 फीसदी तक पहुंच गई है। जुलाई में महंगाई में जबरदस्त बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण सब्जियां ही रही है। सब्जियों की महंगाई दर के आसमान पर जाने के चलते देश में रिटेल महंगाई में जबरदस्त इजाफा हुआ है।

आरबीआई उठाएगा जरूरी कदम

ध्यान देने वाली बात ये है कि आरबीआई गवर्नर को उम्मीद है कि आने वाले वक्त में सब्जियों की कीमत में गिरावट के बाद खुदरा महंगाई दर में जबरदस्त गिरावट दर्ज की जा सकती है और यह तिसरी तिमाही तक गिरकर 5.7 फीसदी पर रहने की उम्मीद है। वहीं वित्त 2024 में महंगाई दर 5.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही शक्तिकांत दास ने यह भी कहा कि सितंबर 2022 से ही आरबीआई महंगाई पर कड़ी नजर रखी है और आगे आने वाले वक्त में परिस्थितियों के अनुसार ही कदम उठाएगा।

सात साल में पहली बार चीनी निर्यात पर लग सकती है रोक, कीमत को नियंत्रित करने की है सरकार की योजना

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सात वर्षों में पहली बार चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है। यह फैसला अक्तूबर से शुरू होने वाले चीनी सीजन में हो सकता है। इस साल बारिश कम होने से गन्ने की फसल घटने का अनुमान है। इसलिए सरकार कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए यह फैसला ले सकती है। 2016 में सरकार ने चीनी निर्यात पर 20 फीसदी की कर लगा दिया था।माना जा रहा है कि वैश्विक बाजार में भारत से चीनी नहीं पहुंचने से न्यूयॉर्क और लंदन में इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही चीनी की कीमतों में तेजी है और यह कई साल की ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमतें और बढ़ने से वैश्विक खाद्य बाजार में महंगाई भी बढ़ेगी। एक सरकारी सूत्र ने कहा कि सरकार का जोर प्रमुख रूप से चीनी की जरूरतें पूरी करने पर है। अतिरिक्त गन्ने से सरकार एथेनॉल का उत्पादन करेगी। इस सीजन में 30 सितंबर तक चीनी मिलों को केवल 61 लाख टन ही चीनी निर्यात करने की अनुमति दी गई थी। पिछले साल 1.11 करोड़ टन निर्यात की मंजूरी दी गई थी। महाराष्ट्र और कर्नाटक के शीर्ष गन्ना उत्पादक जिलों में मानसून की बारिश अब तक औसत से 50% कम रही है। यह दोनों राज्य कुल चीनी उत्पादन में 50% योगदान देते हैं। इस बार देश में चीनी का उत्पादन 3.30% गिरकर 3.17 करोड़ टन रह सकता है।

चीनी की कीमतें दो वर्षों के शीर्ष पर

इस सप्ताह स्थानीय बाजार में चीनी की कीमतें लगभग दो वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। इससे सरकार को मिलों को अगस्त में अतिरिक्त 200,000 टन बेचने की अनुमति मिल गई। खुदरा महंगाई दर जुलाई में 15 महीने के उच्च स्तर 7.44% पर पहुंच गई थी।

खाद्य महंगाई 11.5 फीसदी पर पहुंच गई थी जो तीन साल का उच्च स्तर है।

चांदी की चमक पड़ी फीकी, सोना हुआ महंगा

जानिए अपने शहर में धातु की कीमत

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। चांदी खरीदारों के लिए आज यानी 24 अगस्त 2023 को अच्छा दिन है, क्योंकि मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के दाम में गिरावट हुई है. वहीं सोने के दाम में हल्की तेजी देखी जा रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोना 58850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार रहा था, जिसमें 31 रुपये की बढ़ोतरी हुई है. चांदी की बात करें तो यह धातु सितंबर वायदा के लिए 73540 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था, जिसमें 464 रुपये की गिरावट आई है. चांदी आज 73480 रुपये प्रति किलो पर ओपन हुआ था और दिन का उच्च स्तर 73900 रुपये प्रति किलो रहा है. गोल्ड की बात करें तो यह कमोडिटी मार्केट में 58750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ओपन हुआ था और 58868 रुपये दिन का उच्च स्तर रहा है.

देश के प्रमुख शहरों में सोने-चांदी के दाम

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो है चेन्नई में 24 कैरेट गोल्ड 59,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 80,000 रुपये प्रति किलो है मुंबई में 24 कैरेट सोना 59,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो है जयपुर में 24 कैरेट गोल्ड 59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो है लखनऊ में 24 कैरेट सोना 59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो है पटना में 24 कैरेट सोना 59,500 रुपये और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो बिक रहा है अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 59,500 रुपये और चांदी 76,900 रुपये प्रति किलो मिल रहा है कोलकाता में 24 कैरेट सोना 59,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 76,900 रुपये प्रति 1 किलो पर मिल रहा है

इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड और चांदी की कीमत

घरेलू बाजार की तरह ही इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी देखी जा रही है. गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मार्केट में गोल्ड 0.36 फीसदी चढ़कर 1921 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था. इसके दिन का लो लेवल 1,912.90 डॉलर और हाई लेवल 1,922.80 डॉलर प्रति औंस रहा है।

डूबने वाली है चीन की इकॉनमी !

आखिर क्या राज छिपा रहे हैं शी जिनपिंग

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्ष आजकल दक्षिण अफ्रीका में जुटे हैं। ब्रिक्स बिजनस फोरम में मोदी ने मंगलवार को जोरदार ढंग से अपनी बात रखी और कहा कि आने वाले दिनों में भारत ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बनेगा। लेकिन जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बारी आई तो उन्होंने कन्नी काट ली। जिनपिंग को देश की इकॉनमी पर बोलना था। मगर वह नहीं आए। अपनी जगह उन्होंने कॉमर्स मिनिस्टर वेंग वेनताओ को भेज दिया। वेनताओ जब जिनपिंग के नहीं आने के बारे में पूछा गया तो वह कोई जवाब नहीं दे पाए। दरअसल, चीन की इकॉनमी अभी खराब दौर से गुजर रही है और पूरी दुनिया की नजर उस पर लगी है। ऐसे में जिनपिंग का इकॉनमी के बारे में कुछ नहीं बोलना संदेह पैदा कर रहा है। आखिर चीन के राष्ट्रपति देश की इकॉनमी का कौन सा राज छिपा रहे हैं। देश की इकॉनमी के बारे में एक के बाद एक निगेटिव खबरें आ रही है। देश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है, एक्सपोर्ट लगातार गिर रहा है, विदेशी कंपनियां मुंह मोड़ रही हैं, खपत कम हो गई है, रियल एस्टेट बुरी हालत में पहुंच गया है और अमेरिका के साथ तनाव चरम पर है। दूसरी तिमाही में जीडीपी की रफ्तार उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही है। विदेशी निवेशक लगातार चीन के शेयरों में बिकवाली कर रहे हैं। पिछले 13 दिनों में विदेशी निवेशक चीन के बाजार से करीब 11 अरब डॉलर के शेयरों की बिकवाली कर चुके हैं।

क्यों सुस्ता रही है चीन की इकॉनमी

दूसरी तिमाही में चीन की इकॉनमी 6.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी लेकिन उम्मीद के कहीं कम है। पिछले दशक में चीन की सालाना एवरेज ग्रोथ सात परसेंट थी और 2000 के दशक में यह 10 परसेंट थी। देश की इकॉनमी में सुस्ती के कई कारण माने जा रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा कारण रियल एस्टेट सेक्टर का क्राइसिस है। निवेश और खपत में असंतुलन, सरकारी कर्ज में बेतहाशा बढ़ोतरी और समाज एवं बिजनस पर सरकार का कड़ा कंट्रोल भी इसके लिए जिम्मेदार है। देश का वर्कफोर्स और कंज्यूमर बेस सिकुड़ रहा है जबकि रिटायर लोगों की संख्या बढ़ रही है।

पत्रकार ही नहीं, मीडिया हाउस को भी रेवेन्यू में हिस्सेदारी देंगे एलन मस्क

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रइस एलन मस्क को तो जानते ही होंगे। वह टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं। मस्क ने गुरुवार को कहा कि समाचार संगठनों या मीडिया हाउसों को भी वह एक्स को होने वाली कमाई में हिस्सा दे सकते हैं। वह एक्स को विज्ञापन से मिलने वले रेवेन्यू में हिस्सा बांटने की बात कर रहे थे। इससे पहले एक्स अपने विज्ञापन राजस्व कार्यक्रम के माध्यम से क्रिएटर्स को भुगतान करने के बाद पत्रकारों को लुभाने की घोषणा की है।

क्या है नया प्रस्ताव

मस्क ने अब मीडिया हाउसों को पैसा बनाने के एक नये तरीके का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने पोस्ट किया, हमारा विज्ञापन राजस्व हिस्सेदारी कार्यक्रम उन संगठनों (समाचार या अन्य) पर भी लागू होता है जो भाग लेना चाहते हैं। इससे पहले, मंगलवार को ही, अरबपति ने पत्रकारों को सीधे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रकाशित करने और उच्च आय अर्जित करने के लिए आमंत्रित किया था, क्योंकि उन्होंने मंच पर साझा किए गए समाचार लेखों से हेडलाइंस और टेक्स्ट को हटाना शुरू कर दिया था।

एक्स में काफी सुधार होगा

इस समय एक्स पर, समाचार लेखों वाले पोस्ट में केवल मुख्य फोटो और यूआरएल शामिल होता है। उसके हेडिंग और टेक्स्ट को हटा दिया जाता है। लिंक भी सिर्फ लेख के मुख्य फोटो प्रदर्शित करते हैं। मस्क ने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी, यह सीधे तौर पर मेरी तरफ से आ रहा है। इससे काफी सुधार होगा। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि यदि आप एक पत्रकार हैं जो लिखने की अधिक स्वतंत्रता और अधिक आय चाहते हैं, तो सीधे इस मंच पर प्रकाशित करें!।

30,000 करोड़ स्वाहा... मुकेश अंबानी की कंपनी ने लगाया लोअर सर्किट का अनचाहा चौका

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की सोमवार को लिस्टिंग हुई थी और तबसे उसने एक बार भी तेजी का मुंह नहीं देखा है। कंपनी के शेयरों में गिरावट का दौर आज लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। बीएसई पर यह मंगलवार को यह 227.25 परसेंट पर बंद हुआ था और आज 215.90 रुपये पर खुला। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की इस कंपनी के शेयरों में चार दिन में 20 परसेंट की गिरावट आ चुकी है। चार दिन की गिरावट में कंपनी का मार्केट कैप करीब 30,000 करोड़ रुपये घट चुका है। जानकारों का कहना है कि इंडेक्स फंड्स की बिकवाली के कारण कंपनी के शेयरों में गिरावट आ रही है। कंपनी का मार्केट कैप अब 1,37,167.41 करोड़ रुपये रह गया है।

क्यों गिर रहा है शेयर

मगर इंस्टीट्यूशनल और पैसिव फंड्स की भारी बिकवाली के कारण यह लगातार चार दिन से लोअर सर्किट में फंस रहा है।

कंपनी के शेयरों को 23 अगस्त को निफ्टी और सेंसेक्स से बाहर किया जाना था लेकिन अब इन्हें 29 अगस्त को ट्रेडिंग शुरू होने से पहले रिमूव किया जाएगा। बीएसई ने एक सर्कुलर में बताया कि अगले दो दिन भी जेएफएसएल का शेयर लोअर सर्किट में फंसता है तो रिमूवल की तारीख और तीन दिन आगे खिसक जाएगी।

रिलायंस की 28 अगस्त को एजीएम होनी है जिसमें जियो फाइनेंशियल की बिजनस स्ट्रैटजी का खुलासा हो सकता है।

सालाना 14% के दर से बढ़ रही मेडिकल ट्रीटमेंट की महंगाई

5 वर्षों में दोगुना हुआ इलाज का खर्च !

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एक तो रोजमर्रा की जरुरी चीजों की बढ़ती कीमतों नै वैसे ही आम लोगों पर महंगाई के बोझ को बढ़ा रखा है। उसपर से कोविड काल के बाद से अस्पताल में इलाज कराना भी महंगा हो चुका है। पिछले पांच वर्षों में कोई भी बीमारी होने पर अस्पताल में भर्ती होने के बाद इलाज पर होने वाला खर्च दोगुनी रफ्तार के साथ बढ़ा है। संक्रमण वाली बीमारियों और सांस से जुड़े विकार के इलाज के लिए इश्योरेंस क्लेम तेजी के साथ बढ़ी है। एक तरफ महंगाई दर जहां 7 फीसदी के आसपास है मेडिकल इंफ्लेशन 14 फीसदी के रफ्तार से भी ज्यादा तेजी के साथ बढ़ रही है।

5 वर्षों में डबल हो गया इलाज पर खर्च

टीओआई की एक रिपोर्ट में पॉलिसीबाजार के डेटा के हवाले से बताया गया है कि संक्रामक रोग के इलाज के लिए 2018 में औसतन मेडिकल इश्योरेंस का क्लेम 24,569 रुपये हुआ करता था जो 2022 में बढ़कर 64,135 रुपये हो चुका है। यानि 5 वर्षों में इस बीमारी के इलाज पर आने वाला खर्च 160 फीसदी महंगा हो चुका है। मुंबई जैसे महामगरों में ये खर्च 30,000 रुपये से बढ़कर 80,000 रुपये पांच वर्षों में हो चुका है।

सालाना 18 फीसदी के दर से बढ़ रहा खर्च

सांस से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए औसत क्लेम 2022 में बढ़कर 94,245 रुपये हो चुका है जो 2018 में 48,452 रुपये हुआ करता था यानि 18 फीसदी के दर से सालाना इलाज महंगा हुआ है। जबकि मुंबई में ये खर्च 80,000 रुपये से बढ़कर 1.70 लाख रुपये हो चुका है।

कोरोना के बाद महंगा हुआ इलाज

कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद इलाज पर खर्च में बढ़ोतरी आई है खासतौर से बीमारी का ट्रीटमेंट सबसे ज्यादा महंगा हुआ है। इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली सामग्रियों पर भी खर्च बढ़ा है। पहले कुल बिल में इन सामग्रियों का हिस्सा 3 से 4 फीसदी हुआ करता था जो अब बढ़कर 15 फीसदी हो चुकी है। मेडिकल इंफ्लेशन दूसरी महंगाई से ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ रही है। 7 फीसदी महंगाई दर है लेकिन मेडिकल महंगाई उससे दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। हेल्थ इंश्योरेंस की मांग में तेजी के चलते भी इलाज महंगा हुआ है।

रिलायंस के स्टॉक में गिरावट से फिसला बाजार, लाल निशान में बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए गुरुवार का ट्रेडिंग सत्र बेहद निराशानजक रहा। सुबह बाजार शानदार तेजी के साथ खुला। बाजार में सुबह के ट्रेड के दौरान अच्छी तेजी देखी गई। पर दिन बढ़ने के साथ ही मुनाफावसूली लौटने के चलते बाजार में गिरावट आ गई। सेंसेक्स अपने हाई से 650 तो निफ्टी 200 अंकों के करीब दिन के हाई से नीचे जा फिसला। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 181 अंकों की गिरावट के साथ 65,252 अंकों पर क्लोज हुआ है। जबकि निफ्टी 57.30 अंकों की गिरावट के साथ 19,386 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, सेक्टर के स्टॉक गिरकर क्लोज हुए जबकि ऑयल एंड गैस, ऑटो, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी, मेटल्स और फार्मा स्टॉक्स गिरकर बंद हुए। मिड कैप स्टॉक्स में आज के कारोबार में जहां तेजी रही स्मॉल कैप स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 17 स्टॉक्स तेजी के साथ 33 गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेड में बाजार में मुनाफावसूली के चलते निवेशकों की संपत्ति में गिरावट देखने को मिली है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाईजेशन 308.64 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले ट्रेडिंग सत्र में 308.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों को 32,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के कारोबार में इंडसइंड बैंक 1.72 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.19 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.65 फीसदी, नेस्ले 0.39 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.33 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.28 फीसदी, एचयूएल 0.24 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.23 फीसदी, भारती एयरटेल 0.20 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि रिलायंस 1.76 फीसदी, पावर ग्रिड 1.32 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 1.19 फीसदी, लार्सन 1.10 फीसदी, एचसीएल टेक 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

देश में क्रिप्टोकरेंसी की कीमतें चढ़ीं, ग्लोबल क्रिप्टो के रेट में अभी भी जारी है गिरावट

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी के बाजार का मार्केट कैप 1.06 खरब डॉलर के पार चला गया है। हालांकिर ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी के मार्केट में आज भी गिरावट हावी है जिसके चलते इसके वॉल्यूम में 8.69 फीसदी की गिरावट पिछले 24 घंटों में देखी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट वॉल्यूम 32.44 अरब डॉलर बढ़ गया है। हालांकि कुल क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में बिटकॉइन का हिस्सा 48.3 फीसदी का हो चुका है और इथेरियम का मार्केट शेयर 18.9 फीसदी हो चुका है। भारत में तो आज क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में अच्छी तेजी देखी जा रही है और बिटकॉइन, इथेरियम, बिनान्स कॉइन, रिपल और यूएसडी कॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी के रेट्स में आज अच्छा उछाल देखा जा रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-32 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	कन्या..	07-39 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-44 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-54 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	14-08 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-15 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	18-05 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-43 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-18 बजे
		वृष--	23-04 बजे
		मिथुन..	01-04 बजे
		कर्क...	02-17 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 06-04
सूर्य अस्त- 18-32
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - 02 -02 तक उपरान्त दशमी
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 25 August
नक्षत्र - अनुराधा - 09-13 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - वैधृति - 18 - 49 - तक उप विष्कुंभ
करण- बालव - 14 -42 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:44 से 12:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	06:04 - 07:36 शुभ	रोग.	18:32 - 20:00 अशुभ
लाभ.	07:36 - 09:10 शुभ	काल.	20:00 - 21:26 अशुभ
अमृत.	09:10 - 10:44 शुभ	लाभ	21:26 - 22:52 शुभ
काल.	10:44 - 12:18 अशुभ	उत्पात	22:52 - 00:18 अशुभ
शुभ.	12:18 - 13:52 शुभ	शुभ.	00:18 - 01:44 शुभ
रोग	13:52 - 15:26 अशुभ	अमृत	01:44 - 03:10 शुभ
उत्पात	15:26 - 17:00 अशुभ	चंचल	03:10 - 04:36 शुभ
चंचल	17:00 - 18:32 शुभ	रोग	04:36 - 06:04 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर आप अत्यधिक तनाव महसूस करते हैं तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं। उनका गर्मजोशी से आलिंगन/आलिंगन या यहां तक कि एक मासूम मुस्कान आपको अपनी परेशानियों से बाहर निकाल देगी। यह एक और उच्च ऊर्जा वाला दिन है और अप्रत्याशित लाभ की संभावना है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके लिए अत्यंत खुशी और आनंद- जैसा कि आप जीवन का पूरी तरह से आनंद लेने के लिए तैयार हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर वित्त पर चर्चा कर सकते हैं और अपने भविष्य के लिए अपने धन की योजना बना सकते हैं। अगर आप अपने साझेदारों की राय को नजरअंदाज करेंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ के लिए ध्यान और योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। धन का प्रवाह पूरे दिन बना रहेगा, लेकिन दिन के अंत में आपको महसूस हो सकता है कि बहुत अधिक खर्च किया गया है। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज अतीत के ग़लत निर्णय निराशा और मानसिक उथल-पुथल का कारण बनेंगे - आप फंसे रह सकते हैं और यह तय करने में असमर्थ हो सकते हैं कि आगे क्या करना है - दूसरों से मदद लें। पैसों के निवेश और बचत को लेकर आज आपको अपने परिवार वालों से बात करने की जरूरत है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज अपने आप पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम लगती है और आपको निश्चित रूप से कुछ आराम की ज़रूरत है। जिन लोगों ने कर्ज लिया था उन्हें आज कर्ज चुकाने में परेशानी हो सकती है। घर में कुछ बदलाव आपको अत्यधिक भावुक बना देंगे।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आराम करने के लिए कुछ समय करीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसे बचाना शुरू कर देना होगा। दोस्त आपका दिन ख़ुशनुमा बना देंगे क्योंकि वे शाम के लिए कुछ रोमांचक योजना बनाएंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

हर किसी की मदद करने की आपकी इच्छा आपको थका देगी। हालाँकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप जरूरत से ज्यादा खर्च न करें और अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपका दयालु स्वभाव आज कई ख़ुशी के पल लाएगा। आज आपको यह बात समझ में आ जाएगी कि निवेश करना अक्सर आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई भी पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके ऊंचे उत्साह के बावजूद आपको किसी ऐसे व्यक्ति की कमी खलेगी जो आज आपके साथ नहीं रह सका। जो लोग शैक्षणिक या व्यावसायिक कारणों से घर से दूर रह रहे हैं, वे दोस्तों के साथ पार्टी पर अपना पैसा खर्च करेंगे। यह हावी होने या ऐसे काम करने का दिन नहीं है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

पारिवारिक समस्याओं को पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पालन-पोषण करने वाले जोड़े के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने के लिए कुछ समय एक-दूसरे के लिए बिताएं। आपके बच्चे भी घर में खुशियों और शांति के स्पंदन को महसूस करेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

भावनाएँ उफान पर होंगी - आपका व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा - तत्काल परिणाम चाहने पर निराशा आपको जकड़ सकती है। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे अपनी उंगलियों से फिसलने न दें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके पास अपने स्वास्थ्य और रूप-रंग को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। महत्वपूर्ण लोग किसी भी ऐसी चीज़ का वित्तपोषण करने के लिए तैयार होंगे, जो विशेष श्रेणी की हो। परिवार और दोस्तों के साथ आनंदमय समय बीतेगा। काफी विवादों के बावजूद आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

विज्ञान के विकास यात्रा की कहानी आसान नहीं

धरती गोल है कहने पर जिंदा जलाया, वैज्ञानिकों को जेल भेजा, अंतरिक्ष की खोज से जुड़ी दर्दनाक कहानियां

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अगर मैं आपसे कहूं कि धरती गोल है, सूर्य एक तारा है, चंद्रमा उपग्रह है और हमारी प्यारी पृथ्वी सूर्य के सौर मंडल का एक ग्रह तो आपको कैसा लगेगा। वैसे ही जैसे कोई बताए कि फेसबुक एक सोशल मीडिया है या गोरैया एक पक्षी है। विज्ञान आज इतना आगे बढ़ चुका है कि हमने धरती से लेकर अंतरिक्ष तक के ढेरों रहस्यों की खोज कर ली है। हमें पता है कि धरती पर दिन-रात क्यों होते हैं, मौसम कैसे बदलते हैं, समय की गणना कैसे की जाती है। धरती पर जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई। ऐसे असंख्य सवालों के जवाब आज हमारे पास हैं। अब हम चांद पर उतर गए हैं। चंद्र यान 3 चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुका है। लेकिन जैसे हर यात्रा की कहानी में सिर्फ मंजिल नहीं होती। एक लंबी सड़क भी होती है। वैसे ही विज्ञान की इस विकास यात्रा की कहानी भी सीधी और आसान नहीं है।

एक समय ऐसा भी था, जब सिर्फ ये कहने के लिए कि पृथ्वी गोल है, कुछ लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इसी साल जुलाई में कैथोलिक चर्च ने पूरी दुनिया से उन ऐतिहासिक अपराधों के लिए माफी मांगी है, जिसके खून से धर्म और चर्च के हाथ रंगे हैं। विज्ञान की आधुनिक उपलब्धियों को उसके सही अर्थों में समझने और उसकी महत्ता को रेखांकित करने के लिए जरूरी है कि हम एक बार उस इतिहास से भी गुजर लें, जो अनेक दर्दनाक कहानियों का गवाह रहा है।

जर्दानो ब्रूनो को शहर के बीचोंबीच जिंदा जलाया

तारीख 17 फरवरी, साल 1600। शहर रोम। उस दिन शहर में सुबह से एक उत्सव का सा माहौल था। शहर के बीचोंबीच टाइबर नदी के किनारे बने एक विशालकाय किले में वह कैद था। 8 साल चले लंबे मुकदमे के बाद चर्च ने फैसला सुनाया कि उसके विचार, उसकी लिखी किताबें बाइबिल और चर्च के खिलाफ हैं। उसके विचार चर्च के प्रति लोगों में अविश्वास पैदा कर सकते हैं और समाज में अराजकता फैला सकते हैं। चर्च ने माना कि उसका अपराध इतना बड़ा है कि इसकी सजा सिर्फ मृत्युदंड के रूप में दी जा सकती है। और वह मृत्युदंड भी उतना ही भयावह था, जो 1600 साल पहले जीजस क्राइस्ट को दिया गया था। चर्च ने उसे सामूहिक रूप से शहर के बीचोंबीच जिंदा जलाने का फरमान सुनाया।

उसका नाम था जर्दानो ब्रूनो। 1548 में इटली के नेपल्स के एक छोटे से कस्बे नोला में जन्मा एक बच्चा, जिसे इतिहास में एक महान दार्शनिक और खगोलशास्त्री के रूप में दर्ज होना था। और वह विचार जिसके लिए चर्च ने उसे मृत्युदंड दिया था, वह यह था कि अंतरिक्ष का केंद्र पृथ्वी नहीं, बल्कि सूर्य है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है और चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर। धरती चपटी नहीं है। धरती गोल है। खगोल विज्ञान की वह सारी बुनियादी प्रस्थापनाएं, जो हमारी आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों का आधार हैं।

वह किताब जो चर्च के तहखाने में 100 साल दबी रही

यही बातें ब्रूनो से 75 साल पहले निकोलाई कोपरनिकस ने भी कही थीं। मजे की बात ये है कि जिन वेधशालाओं में पहले कोपरनिकस और फिर जर्दानो ब्रूनो ने अनेकों वर्षों तक रात-रात भर जागकर अंतरिक्ष का, सूर्य, चंद्रमा, ग्रहों और तारों की गतिविधियों का अध्ययन किया, वह वेधशालाएं चर्च ने ही बनवाई थीं। लेकिन इसके पीछे चर्च की अपनी वजह थी। संसार की सभी सभ्यताओं में समय की गणना का शुरुआती तरीका चंद्रमा की घटती-बढ़ती कलाओं का अध्ययन करना ही था। बाइबिल में लिखा था कि पृथ्वी अंतरिक्ष का केंद्र है और सूर्य पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है।

पृथ्वी की केंद्रीयता का सिद्धांत पृथ्वी पर मौजूद जीवन और मनुष्यों की श्रेष्ठता के सिद्धांत से उपजा था। चर्च बुनियादी तौर पर ज्ञान की राह में रोड़ा नहीं था, लेकिन वह उतने ही ज्ञान का हिमायती था, जो उनके धर्मग्रंथ में लिखी बातों को चुनौती न दे। चर्च को वेधशालाओं और ग्रहों आदि की गति की गणना की जरूरत इसलिए पड़ी कि वह समय का बेहतर आकलन कर ईस्टर की सही तारीख बता सके, लेकिन जब कोपरनिकस ने वास्तव में अध्ययन और आकलन शुरू किया, उसे समझ में आया कि सत्य तो कुछ और ही था। चूंकि चर्च के साथ कोपरनिकस के संबंध अच्छे थे, इसलिए उन्हें कोई दंड नहीं दिया गया, लेकिन उनकी लिखी किताब आने वाले सौ सालों तक प्रतिबंधित रही। चर्च ने अंतरिक्ष विज्ञान की नई खोजों का प्रसार नहीं होने दिया। इतालवी में लिखा निकोलाई कोपरनिकस की प्रतिबंधित किताब का एक पन्ना। मूल किताब ऑस्ट्रिया की नेशनल लाइब्रेरी में आज भी मौजूद है।

चर्च की वेधशाला की लाइब्रेरी में कहीं छिपाकर रखी गई ये किताब ही एक बार जर्दानो ब्रूनो के हाथ लग गई। देर रात, जब सब सो जाते और चारों ओर घुप्प सन्नाटा पसरा होता, मोमबत्ती की रोशनी में ब्रूनो कोपरनिकस की वो किताब पढ़ते। वहीं से वह जिज्ञासा जन्मी, जो जर्दानो ब्रूनो को कोपरनिकस के सिद्धांतों को वैज्ञानिक ढंग से साबित करने तक ले गई। बरसों तक कोपरनिकस की किताब में लिखी बातों को जर्दानो ब्रूनो वेधशाला की छत पर बैठकर अपने बनाए टेलिस्कोप के सहारे जांचते रहे।

20 साल लंबे परीक्षणों का नतीजा कोपरनिकस के विचारों को आगे बढ़ा रहा था। सूर्य और पृथ्वी के साथ चंद्रमा का अध्ययन यह साबित कर रहा था कि चंद्रमा की घटती-बढ़ती कलाओं का कारण यह पृथ्वी नहीं, बल्कि सूर्य है। चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूम रहा है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूम रही है। और इन दोनों की गति चंद्रमा की कलाओं को बदल रही है। जेम्स जॉयस के 1939 में प्रकाशित उपन्यास में ब्रूनो पर चले मुकदमे और उसके मृत्युदंड का विस्तृत वर्णन है। जैसा कि जॉयस लिखते हैं, सच पूछो तो चर्च को इस बात से कोई दिक्कत नहीं थी कि अंतरिक्ष का केंद्र सूर्य हो या पृथ्वी। डर बाइबिल में लिखी बातों के गलत साबित हो जाने का था।

रोमन कैथोलिक चर्च का दुनिया के उत्तरी हिस्से में बढ़ता प्रभाव जिस तरह लोगों के बीच बाइबिल में लिखी बातों को संसार के पहले और अंतिम सत्य की तरह पेश करना था, वैज्ञानिक खोजें उस बाइबिल को ही गलत साबित कर रही थीं। चर्च के एकछत्र आधिपत्य को बनाए रखने के लिए जरूरी था कि यह बातें आम लोगों तक न पहुंचने पाएं।

गैलीलियो ने माफी मांग ली, फिर भी जिंदगी जेल में गुजारनी पड़ी

जर्दानो ब्रूनो के बाद उन्हीं वैज्ञानिक खोजों को आगे बढ़ाने वाले एक और खगोलशास्त्री गैलीलियो गैलीली भी चर्च के क्रोध और आतंक का शिकार हुआ। गैलीलियो ने ब्रूनो और कोपरनिकस की किताबें पढ़ी थीं। विवेक और तर्कबुद्धि कहती थी कि यह बातें सत्य हैं। प्रकृति में सबकुछ सापेक्षता के सिद्धांत के साथ गतिशील है। (यह आइंस्टाइन का दिया सापेक्षता का सिद्धांत नहीं था।) इसे ऐसे समझें कि हर एक बात दूसरी बात को प्रभावित कर रही है।

ग्रहों की गति समय को, समय मौसम को, मौसम धरती को, धरती जीवन को, जीवन आसपास मौजूद सारी गतियों को। यह सब आपस में एक ऐसे तार से जुड़े हुए हैं कि एक हिस्से में हुई मामूली सी हरकत भी बाकी हिस्सों की दिशा और प्रभाव को बदल सकती है। गैलीलियो ने कहा कि ईश्वर की भाषा गणित है क्योंकि गणित में हरेक जोड़-गुणा-भाग आखिरी नतीजे को बदल देता है।

गैलीलियो ने अपने हाथों से एक दूरबीन बनाई थी और उसकी मदद से तीन दशकों तक खगोलीय पिंडों का अध्ययन किया। यह अध्ययन गैलीलियो को उसी नतीजे तक ले गया, जहां कोपरनिकस और ब्रूनो पहुंचे थे। चर्च ने बहुत सालों तक उन पर मुकदमा चलाया। वे 63 साल के थे, जब चर्च ने कहा कि अगर वह सार्वजनिक रूप से माफी मांग लें तो चर्च उन्हें माफ कर देगा।

कई सालों तक जेल में भीषण यंत्रणाएं झेलने के बाद गैलीलियो में ताकत नहीं बची थी। उन्होंने माफी मांगने का फैसला किया। चर्च ने गैलीलियो को पूरी स्क्रिप्ट दी थी कि उन्हें सार्वजनिक रूप से क्या कहना है। यह कि उनके वैज्ञानिक सिद्धांत गलत हैं। पृथ्वी ही अंतरिक्ष का केंद्र है। बाइबिल में जो कुछ लिखा है, वो सही है और वो शर्मिंदा हैं अपने हर सिद्धांत के लिए। गैलीलियो ने माफी मांग ली, लेकिन चर्च ने उन्हें तब भी नहीं छोड़ा। उनकी बाकी जिंदगी जेल में ही गुजरी।

दुनिया की पहली महिला खगोलशास्त्री की हत्या

जाते हुए बस एक आखिरी जिक्र हाइपेशिया का भी। कोपरनिकस से भी 1200 साल पहले सन् 350 में अलेक्जेंड्रिया में जन्मी दुनिया की पहली महिला दार्शनिक और खगोलशास्त्री। गणितज्ञ पिता की बेटी। हाइपेशिया ने भी कहा कि अंतरिक्ष का केंद्र सूर्य नहीं, पृथ्वी है।

अलेक्जेंड्रिया, जो एक समय अपने ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत और दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी के लिए जाना जाता था, एक दिन वहां जूलियस सीजर आया और रोमन कैथोलिक चर्च भी। लाइब्रेरी जला दी गई, हाइपेशिया मार डाली गई। विरासत नष्ट कर दी गई।

लेकिन ज्ञान तो उस फीनिक्स परिंदे की तरह होता है, जो मरकर भी बार-बार जन्म लेता है। जिन्हें एक वक्त जलाया गया, मारा गया, यंत्रणाएं दी गईं, आज उन्हीं के मैमोरियल बने हैं। उनकी कुर्बानियों की याद में, उनकी प्रतिभा के सम्मान में किताबें लिखी गई हैं। उनका नाम और उनका काम आज हजारों साल बाद भी जिंदा है। वह इतिहास में अमर हैं।

कैसा लगता है साल 2023 में बैठकर इन कहानियों से गुजरना। यह इंटरनेट और एआई का दौर है। अब हम फैक्ट और साइंस की बात करते हैं। मनुष्य ने इन 600 सालों में जितना विकास किया है, सब कुछ की बुनियाद में विज्ञान है, वैज्ञानिक सोच और चिंतन है।

जिस लैपटॉप में ये आर्टिकल लिखा जा रहा है और जिस स्मार्टफोन में आप इसे पढ़ रहे हैं, सब कुछ विज्ञान की देन है। आज जीवन का कोई ऐसा कोना नहीं, जो विज्ञान से अछूता हो।

लेकिन यह जानना जरूरी है कि आज जब मनुष्य चांद तक पहुंच गया है, मंगल पर पानी की खोज कर ली है और ठीक इस वक्त जब हमारा चंद्रयान-3 अंतरिक्ष के रास्ते में है, इस सबके लिए पूरी मानवता इतिहास के महान वैज्ञानिकों की ऋणी है। वे लोग, जिन्होंने सत्ता के सामने खड़े होने का साहस दिखाया। सत्य के लिए कुर्बानियां दीं। और जीवन का यह सबसे बुनियादी सबक- सब कुछ हो चुकने के बाद जो बचा रह जाता है, वह सत्य है, वह विज्ञान है। वह हमारी मनुष्यता है।

विनोद वर्मा ने ईडी की रेड को डकैती बताया ईडी ऑफिस नहीं, सचिवालय पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन

सीएम के सलाहकार बोले- मैगजीन में छपी मनोहर कहानी को आधार मानकर छापा मारा

रायपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार और एआईसीसी के सदस्य विनोद वर्मा ने उन पर की गई ईडी की छापेमारी का आधार एक मैगजीन में छपी मनोहर कहानी को बताया है। ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मामले में गिरफ्तार आरोपी चंद्र भूषण वर्मा से अपने संबंधों को सिरे से खारिज किया। साथ ही ईडी की कार्रवाई को डकैती बताया है।

छापे के बाद मीडिया के सामने आकर विनोद वर्मा ने आरोप लगाया कि ईडी अब अफवाहों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं 1987 से पत्रकार हूं और कुछ साल पहले राजनेता बन गया। मेरे पास कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि ईडी कह रही है कि मैं 65 करोड़ रुपए की लॉन्ड्रिंग में शामिल हूं, जबकि मैंने अठन्नी भी लॉन्ड्रिंग नहीं की।

विनोद वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक मैगजीन को हाथ में रखकर कहा कि ईडी के आरोप महज कुछ साल पहले छपी एक मैगजिन के मनोहर कहानी पर आधारित हैं। मेरा एएसआई

चंद्रभूषण वर्मा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि ईडी के पास क्या सबूत है कि मैं उनसे संबंधित हूं? साथ ही, उनके पास क्या सबूत है कि हम संपर्क में थे? ये छापेमारी मेरे खिलाफ सुनी-सुनाई बातों और सिर्फ एक व्यक्ति के बयान पर आधारित है। उनके पास कोई सबूत नहीं है, वर्मा ने कहा कि उस मैगजीन के खिलाफ वे कोर्ट जाएंगे।

ढाई साल पहले एएसआई चंद्रभूषण वर्मा से मिला था- विनोद वर्मा

विनोद वर्मा के मुताबिक ढाई साल पहले उन्होंने गिरफ्तार आरोपी एएसआई चंद्रभूषण से भी मुलाकात की थी और उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर उनके नाम का दुरुपयोग किया गया तो वे कार्रवाई करेंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि उन्होंने इस ऐप के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दिसंबर 2022 में दुर्ग पुलिस को लिखा था।

ईडी की छापेमारी को डकैती करार देते हुए वर्मा ने कहा, मैंने अपनी पत्नी को मिले एक गोल्ड के गिफ्ट को छोड़कर, खरीदे गए गोल्ड के सभी बिल पेश किए। लेकिन उन्होंने फिर भी उनके घर में रखा सारा गोल्ड जब्त कर लिया कि इसका भुगतान आपने कैसे किया इसका जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने नकदी भी ले ली जो हमें मेरे बेटे की शादी के दिन उपहार के रूप में लिफाफे में मिली थी। यह एक डकैती है, एक लूट है।

पीएम मोदी और शाह पर लगाया तानाशाही का आरोप

वर्मा ने गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वे इसके पीछे हैं और चुनाव से पहले कांग्रेस को बदनाम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

अमित शाह जानते हैं कि छत्तीसगढ़ में चुनाव कौन जीतने वाला है। प्रधानमंत्री एक तानाशाह हैं और वह हर उस व्यक्ति पर बुलडोजर चला रहे हैं, जो उनके रास्ते में आता है या उनके खिलाफ बोलता है। वे हर उस व्यक्ति को चोट पहुंचाना चाहते हैं जो भूपेश बघेल के लिए काम कर रहा है। केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके या तो उन्होंने हमें धमकी दी या उन्होंने हमें सलाखों के पीछे डाल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के दौरान भी इसी तरह मुझे गिरफ्तार किया था और मुझ पर दबाव डाला था । वर्मा ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ही ऐसे ऑनलाइन सट्टेबाजी के ऐप को बढ़ावा दे रही है।

ईडी ने विनोद वर्मा पर लगाए हैं गंभीर आरोप

बुधवार को, ईडी ने दुबई से संचालित होने वाले और ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया। अरेस्ट किए गए 4 लोगों में एएसआई चंद्रभूषण वर्मा भी शामिल है, जो ईडी के मुताबिक विनोद वर्मा से संबंधित है और संबंध रखते हुए, एएसआई चंद्रभूषण ने पुलिस के कुछ पुलिस अधिकारियों और छत्तीसगढ़ में सत्ता में बैठे नेताओं को 65 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। ये भी आरोप है कि विनोद वर्मा के जरिए से एएसआई वर्मा के मुख्यमंत्री कार्यालय तक संपर्क थे।

जमीन घोटाला मामले में आज होनी थी पूछताछ, प्रवर्तन निदेशालय को भेजी चिट्ठी

रांची, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जमीन से संबंधित मामले की पूछताछ के लिए ईडी ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को आज बुलाया गया था। समन के मुताबिक 11 बजे उन्हें ईडी कार्यालय पहुंचना था, लेकिन वे नहीं पहुंचे हैं। अभी कुछ देर पहले वे धुर्वा स्थित सचिवालय पहुंचे हैं। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय को सीएमओ की ओर से चिट्ठी भेजी गयी है। चिट्ठी में क्या बातें लिखी हुई हैं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

तमाम कयासों के बीच ईडी ऑफिस के बाहर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। यहां सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के जवानों की तैनाती की गयी थी। एयरपोर्ट रोड भी पुलिस छावनी में तब्दील किया गया था। अब इन सभी को हटाया जा रहा है।

14 अगस्त को हाजिर होने के संबंध पर सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी को पत्र भेजा था। इस पत्र में उन्होंने ईड की ओर से भेजे गए नोटिस को गैर कानून बताते हुए

कहा था कि वह कानूनी सलाह ले रहे हैं इसके बाद ही आगे का कोई कदम उठाएंगे। सीएम की ओर से भेजे गए पत्र मिलने के बाद ईड ने दूसरा समन जारी किया और 24 अगस्त यानी आज ईडी ऑफिस पहुंचने को कहा है।

सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी को भेजे गए पत्र का जवाब ईडी ने दिया था। ईडी ने इस बात से इंकार किया है कि एजेंसी राजनीतिक वजहों से उन्हें समन कर रही है। ईडी ने बताया है कि जमीन घोटाले की जांच के दौरान आए तथ्यों के बाद ही उन्हें समन किया गया है। वहीं सीएम ने अपने पत्र में कहा था कि उन्होंने अपने और अपने परिजनों की संपत्ति की जानकारी 30 नवंबर 2022 को ईडी को दी थी। ईडी ने बताया है कि यह विवरण उसके पास उपलब्ध है लेकिन हालिया जांच में सोरेन परिवार की कई बेनामी संपत्तियों की जानकारी ईडी को मिली है। इस संबंध में ही उन्हें समन किया गया है।

नक्सलियों ने 7 गाड़ी में लगाई आग

अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं नक्सली, कई के साथ की मारपीट

पलामू, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू में माओवादियों ने जमकर उत्पात मचाया है। सड़क निर्माम में लगी सात गाड़ियों में आग लगा दी है। भाकपा माओवादी ने पलामू में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के उद्देश्य से इस घटना को अंजाम दिया है। सड़क निर्माण कार्य में लगे सात वाहनों को बुधवार की रात आग के हवाले कर दिया। जिससे करोड़ों का नुकसान हुआ है। आगजनी की घटना को हुसैनाबाद और छतरपुर के सीमावर्ती क्षेत्र हरदिया घाटी में अंजाम दिया गया है।

माओवादियों ने जिन गाड़ियों में आग लगाई उनमें जेसीबी, हाइवा, ट्रैक्टर, रोडरोलर जलाए हैं। जलाए गए वाहन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से छतरपुर के कालापहाड़ होते हुसैनाबाद के महुदंड के रास्ते काररबार तक बन रही सड़क निर्माण में लगे थे। रात 7.30 बजे हथियार बंद नक्सलियों का दस्ता सड़क निर्माण स्थल पर पहुंचा। घटना स्थल पर पहुंचते ही नक्सलियों ने मुंशी की तलाश की। उसके साथ मारपीट करने लगे। सड़क निर्माण में लगे वाहनों से ही डीजल निकाला और वहां खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। नक्सलियों ने इस घटना को अंजाम सुदूरवर्ती इलाके में दिया। पुलिस को घटना की जानकारी देर से मिली।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम रात में ही घटनास्थल के लिए रवाना हो गई थी। इलाके की घेराबंदी कर माओवादियों की तलाश की जा रही है। इस घटना को प्रतिबंतिधत नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के नीतीश जी के दस्ता द्वारा अंजाम देने की जानकारी मिल रही है।

नक्सली हमले पर पुलिस की तरफ से अबत क कोई बयान नहीं आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार माओवादियों का दस्ता अचानक ही पोड़दाहा के हरदिया घाटी में पहुंचा और एक के बाद एक सात वाहनों को आग के हवाले कर दिया। यह क्षेत्र पूर्व से ही माओवादियों का गढ़ रहा है। महुडंड में पुलिस पिकेट की स्थापना के बाद से क्षेत्र में नक्सली गतिविधि पर अंकुश लगा था लेकिन सड़क निर्माण कार्य में व्यवधान डालकर माओवादी ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति इलाके में दर्ज करा दी है। 14 साल पहले इसी सड़क पर माओवादियों ने लैंड माइंस विस्फोट कर नौ पुलिस जवानों को मार डाला था।

मिशन चंद्रयान 3 में भिलाई का बेटा

आईआईटी धनबाद से इंजीनियरिंग करने के बाद जॉइन किया इसरो, चंद्रयान-2 में भी काम कर चुका है भरत

भिलाई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का चंद्रयान 3 सफलता पूर्वक चंद्रमा पर उतर गया है। इस मिशन की सफलता के बाद पूर पूरा देश खुशी मना रहा है। इसी के साथ ही छत्तीसगढ़ का भिलाई शहर देश के उन शहरों में शामिल हो गया है, जहां के सपूतों ने इस मिशन में अपना सहयोग दिया है। भिलाई तीन चरोदा क्षेत्र में रहने वाले भरत कुमार ने आईआईटी धनबाद से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद इसरो ज्वाइन किया। इसके बाद उन्होंने चंद्रयान 2 और चंद्रयान तीन दोनों मिशन में अपना सहयोग दिया है।

*चंद्रयान 3 में सहयोग करने वाला वैज्ञानिक भरत कुमार
*भरत कुमार के माता पिता और बहन

भरत कुमार के पिता के चंद्रमोहन का कहना है कि भरत बचपन से ही काफी तेज था। सुबह 4 बजे पढ़ाई के लिए उठ जाता है। तीसरी से कक्षा से 12वीं तक उसने केंद्रीय स्कूल में पढ़ाई की। 10 में 93 और 12वीं में 94 प्रतिशत अंक से पास हुआ था। भरत के पिता का कहना है कि उन्होंने कभी भरत को पढ़ने के लिए नहीं टोका। दिन में स्कूल से आने के बाद वो अपनी मां के साथ दुकान में हाथ बटाता था। इसके बाद सुबह 4 बजे से उठकर खुद ही पढ़ाई करने बैठ जाता था। स्कूल में हमेशा फर्स्ट आता था। उसका सपना था कि वो बड़ा होकर वैज्ञानिक बने और उसने वो सपना आज पूरा कर दिया।

मां के साथ दुकान में हाथ बंटाकर करता था पढ़ाई

भरत इतना होनहार था कि वो पढ़ाई में अव्वल होने के साथ ही अपने माता पिता के हर सुख दुख में साथ देता। भरत की मां इडली दोसा की दुकान चलाती थी। भरत उस दुकान में जाकर बर्तन धोने या अन्य तरीके से मदद करता था। उसका बचपन से ही सपना था कि वो बड़ा होकर बड़ा साइंटिस्ट बने।

नेक दिल व्यवसायी की मदद से तय किया इसरो तक का सफर

अरुण जब 12वीं में अच्छे नंबर से पास हुआ तो उसके बारे में पेपर और टीवी में न्यूज छपी थी कि केंद्रीय विद्यालय बीएमवाई (भिलाई मार्शलिंग यार्ड) के छात्र ने फिजिक्स में 99 केमिस्ट्री में 98 और गणित में 99 अंक हासिल किए। वह आईआईटी में पढ़ना चाहता है, लेकिन इसमें गरीबी बाधा बन रही है। न्यूज पढ़कर रायपुर के रहने वाले अरुण गोयल और उनकी पत्नी वनजा चरोदा पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक 10 बाय 10 की झोपड़ी के बाहर एक लड़का बैठकर बर्तन धो रहा है। उसकी मां वहां कम करने वालों को इडली और अन्य नाश्ता दे रही थी। वनजा ने बर्तन धो रहे लड़के से पूछा यहां भरत कुमार कहां मिलेगा? जब भरत ने बोला की वो ही भरत कुमार है तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। भरत ने अपनी मार्कशीट दिखाई तो वो लोग दंग रह गए और उसकी आगे की पढ़ाई में आर्थिक मदद करने का आश्वासन दिया। अरुण गोयल की मदद से भरत ने भिलाई में ही आईआईटी की कोचिंग की और उसने धनबाद आईआईटी में एडमिशन लिया।

अवैध खनन की जांच के लिए साहिबगंज पहुंच सीबीआई

साहिबगंज, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट के आदेश के बाद आज सीबीआई की टीम अवैध खनन सहित इससे जुड़े कई मामलों की जांच के लिए सीबीआई की टीम साहिबगंज पहुंच गयी है।

जांच के बाद सीबीआई की टीम अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपेगी। न्यायाधीश संजय कुमार द्विवेदी ने विजय हांसदा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन के मामले में शिकायत करने वाले का लोकेशन बेंगलुरू और कर्नाटक में दिखाया. पुलिस ने सिर्फ एसी-एसटी एक्ट के आरोपों की जांच की। अवैध खनन की नहीं की। संकेत मिलते हैं कि पुलिस इस प्रकरण में अभियुक्तों को बचाने की कोशिश कर रही है।

इसकी जांच सीबीआइ से कराने का आदेश दिया गया। अब सीबीआई इस मामले की जांच के लिए पहुंची है। हाईकोर्ट में विजय हांसदा की याचिका (665/2922) की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सीबीआई जांच की मांग का विरोध करते हुए याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया गया था।

श्रीलंका की मदद जारी रखेगा भारत

विदेश मंत्री बोले– विकास में सहायता करेंगे, सांसदों ने आर्थिक तंगी के वक्त भारत के सपोर्ट को याद किया

कोलंबो, 24 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत श्रीलंका में चल रहे संकट के बीच उसकी हर तरफ से मदद करना जारी रखेगा। जयशंकर वीडियो लिंक के जरिए श्रीलंका-भारत पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप एसोसिएशन के सांसदों को संबोधित कर रहे थे। विदेश मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हम भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

इस दौरान श्रीलंका में भारत के डिप्लोमेट गोपाल बागले भी संसद में मौजूद थे। बागले ने कहा कि दोनों देशों के बीच फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, करेंसी सपोर्ट और लॉन्ग-टर्म इंवेस्टमेंट के क्षेत्रों में साझेदारी और बढ़ेगी। सांसदों ने पिछले साल श्रीलंका के आर्थिक संकट के समय भारत की तरफ से की गई मदद को याद किया।

श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होगा

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा था कि उनके देश का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं किया जा सकेगा। ब्रिटेन और फ्रांस के दौरे पर रवाना होने से पहले रानिल ने कहा था- इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि हम चीन से कभी मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेंगे।

चीन और श्रीलंका के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन हम ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे देश में चीन का कोई मिलिट्री बेस नहीं हैं और न होगा। हम एक न्यूट्रल देश हैं।

पिछले साल की थी 4 बिलियन डॉलर की मदद

भारत ने पिछले साल श्रीलंका को 4 बिलियन डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता दी थी। इसमें जरूरी चीजों और फ्यूल का निर्यात शामिल है। श्रीलंका में आर्थिक संकट का प्रमुख कारण फॉरेक्स रिजर्व की कमी का होना था। इसके कारण श्रीलंका की जनता पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ सड़कों पर उतर गई थी। आखिर में उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ा था।

2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने टैक्स में कटौती का लोकलुभावन दांव खेला, लेकिन इससे श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा। एक अनुमान के मुताबिक, इससे श्रीलंका की टैक्स से कमाई में 30% तक कमी आई, यानी सरकारी खजाना खाली होने लगा।

1990 में श्रीलंका की जीडीपी में टैक्स से कमाई का हिस्सा 20% था, जो 2020 में घटकर महज 10% रह गया। टैक्स में कटौती के राजपक्षे के फैसले से 2019 के मुकाबले 2020 में टैक्स कलेक्शन में भारी गिरावट आई। पिछले एक दशक के दौरान श्रीलंका की सरकारों ने जमकर कर्ज लिए, लेकिन इसका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया। 2010 के बाद से ही लगातार श्रीलंका का विदेशी कर्ज बढ़ता गया। श्रीलंका ने अपने ज्यादातर कर्ज चीन, जापान और भारत जैसे देशों से लिए हैं।

2018 से 2019 तक श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे रानिल विक्रमसिंघे ने हंबनटोटा पोर्ट को चीन को 99 साल की लीज पर दे दिया था। ऐसा चीन के लोन के पेमेंट के बदले किया गया था। ऐसी नीतियों ने उसके पतन की शुरुआत की। इसके अलावा उस पर वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलेपमेंट बैंक जैसे ऑर्गेनाइजेशन का भी पैसा बकाया है। साथ ही उसने इंटरनेशनल मार्केट से भी उधार लिया है। 2019 में एशियन डेवलेपमेंट बैंक ने श्रीलंका को एक 'जुड़वा घाटे वाली अर्थव्यवस्था' कहा था। जुड़वा घाटे का मतलब है कि राष्ट्रीय खर्च राष्ट्रीय आमदनी से अधिक होना। श्रीलंका की एक्सपोर्ट से अनुमानित आय 12 अरब डॉलर है, जबकि इम्पोर्ट से उसका खर्च करीब 22 अरब डॉलर है, यानी उसका व्यापार घाटा 10 अरब डॉलर का रहा है। श्रीलंका जरूरत की लगभग सभी चीजें जैसे-दवाएं, खाने के सामान और फ्यूल के लिए पूरी तरह इम्पोर्ट पर निर्भर है।

अमेरिका में फिर हुई गोलीबारी

कैलिफोर्निया के बार में अंधाधुंध फायरिंग में पांच की मौत

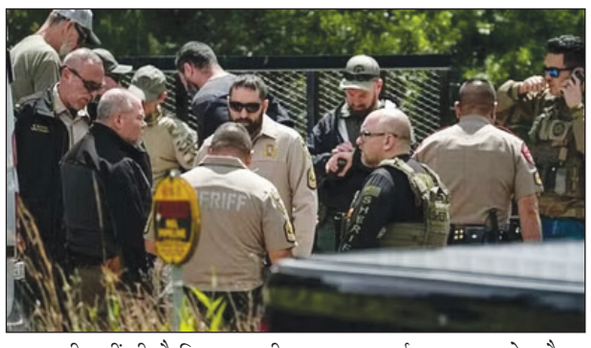

वॉशिंगटन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में गोलीबारी की खबर आई है। खबर के अनुसार, कैलिफोर्निया के बार में एक शख्स ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हुई है और छह अन्य घायल हुए हैं। गोलीबारी करने वाला व्यक्ति भी मारा गया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

गोलीबारी करने वाला पूर्व सुरक्षा अधिकारी

घटना कैलिफोर्निया के ट्रेबुको केनयन स्थित बाइकर बार 'कुक कॉर्नर' की है। जहां एक शूटर ने गोलीबारी कर पांच लोगों की जान ले ली। छह लोग घायल भी हुए हैं। ऑरेंज काउंटी के पुलिस अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलीबारी करने वाला पूर्व सुरक्षा अधिकारी है। अभी तक पुलिस ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है कि शूटर की मौत कैसे हुई लेकिन माना जा रहा है कि बार में ही किसी ने शूटर को गोली मार दी। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

बता दें कि बीती जनवरी में भी कैलिफोर्निया में गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल चीन के लूनर न्यू ईयर उत्सव के दौरान लॉस एंजेल्स में एक व्यक्ति ने मॉनेटरी पार्क इलाके में जाकर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। जिस जगह गोलीबारी हुई, वहां एशियाई मूल के लोग बड़ी तादाद में रहते हैं। यही वजह रही कि इस गोलीबारी में एशियाई मूल के लोग मारे गए थे।

चमेली झरने में मिली युवक और युवती की लाश

इचाक, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के पदमा और इचाक थाना क्षेत्र अंतर्गत चमेली झरना में दो शव मिले। शव पानी में तैर रहे थे। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकाला अब तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। युवक और युवती की उम्र लगभग 16 से 20 वर्ष की के बीच बताई जा रही है। युवती ने नीली जींस पहन रखी है और लाल शर्ट है उसके पैर में स्लीपर भी है। युवक के शव में काली जींस और शर्ट पहन रखा है पैर में जूता है।

सिर्फ 615 करोड़ में चांद पर पहुंचा भारत

तीन गुना ज्यादा खर्च करके भी फेल हुआ रूस का लूना-25, क्यों भारतीय स्पेस मिशन दूसरों से बेहतर

वाशिंगटन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 के लैंडर ने चांद पर पहला कदम रखा। इसके साथ ही भारत सबसे कम खर्च में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। भारतीय वैज्ञानिकों ने सिर्फ 615 करोड़ रुपए खर्च कर यह कारनामा कर दिखाया है।

चांद पर पहुंचने के लिए 3 साल पहले चीन ने अपने 'चांग ई- 4' प्रोजेक्ट पर 1,365 करोड़ रुपए खर्च किए थे।

वहीं, रूस ने अपने लूना-25 प्रोजेक्ट के लिए 1,659 करोड़ रुपए लगाए थे। इन देशों का खर्च भारत के चंद्रयान-3 के बजट से दोगुना से भी ज्यादा है।

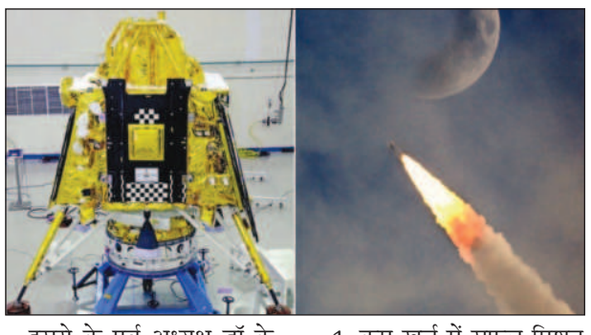

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के. सिवान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि तीन वजहों से भारत के स्पेस मिशन दुनिया के दूसरे देशों से सस्ते होते हैं

1. कम खर्च में सफल मिशन को अंजाम देने के लिए भारत ने स्वदेशी पीएसएलवी तैयार किए हैं। यह एक तरह का उपग्रह प्रक्षेपण वाहन होता है, जिसके जरिए स्पेस में सैटेलाइट भेजे जाते हैं।

2. पिछले कुछ सालों से भारत विदेश से महंगे सामान और टेक्नोलॉजी लाने के बजाय स्वदेशी टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता दे रहा है।

3. पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने के लिए बूस्टर या कहें शक्तिशाली रॉकेट की जरूरत होती है। इसकी कीमत काफी ज्यादा होती है, लेकिन भारत ने इसी गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल करके कम खर्च में चंद्रयान-3 को चांद पर भेजा है।

वैगनर चीफ प्रिगोझिन की मौत पर एलन मस्क का हैरान करने वाला पोस्ट

लिखा– ये दिखावा भी हो सकता है

वॉशिंगटन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बुधवार को रूसी अथॉरिटीज ने दावा किया था कि वैगनर ग्रुप चीफ येवगेनी प्रिगोझिन की रूस में एक विमान हादसे में मौत हो गई। बीते जून में येवगेनी प्रिगोझिन ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ बगावत कर दी थी। ऐसे में अब विमान हादसे में प्रिगोझिन की मौत को लेकर दुनियाभर में चर्चाओं का दौर जारी है। वहीं प्रिगोझिन की मौत पर टेस्ला के सीईओ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने चौंकाने वाला ट्वीट किया है।

एलन मस्क ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखी ये बात

दरअसल एक यूजर ने वैगनर चीफ की मौत पर पोस्ट करते हुए

लिखा कि ज्यादा समय नहीं लगा।' इस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एलन मस्क ने लिखा कि 'मेरी अपेक्षा से ज्यादा समय लगा। हो सकता है कि यह महज एक दिखावा ही हो।' इस तरह एलन मस्क ने जहां अपने पोस्ट में यह लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि देर-सबेर येवगेनी प्रिगोझिन की मौत होनी ही है लेकिन साथ ही जिस तरह यह घटनाक्रम हुआ है, उसे लेकर उन्होंने आशंका भी जाहिर की है हो सकता है कि ये दिखावा भी हो सकता है।

हादसे की जांच के लिए आयोग गठित

बता दें कि 62 वर्षीय येवगेनी प्रिगोझिन मॉस्को से सेंट पीट्सबर्ग एक निजी विमान से जा रहे थे। यह विमान क्रैश हो गया और विमान में प्रिगोझिन समेत सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन क्रू के सदस्य भी थे। रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियातसिया ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने हादसे की जांच के लिए विशेष आयोग का गठन किया है। विमान हादसे में मारे गए आठ लोगों के शव बरामद हो चुके हैं।

यूक्रेन युद्ध से लेकर गर्भपात तक

रिपब्लिकन पार्टी की पहली प्राथमिक बहस में क्या बोले भारतवंशी उम्मीदवार

वाशिंगटन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने है। इसके लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से बुधवार को पहली प्राथमिक बहस हुई। इस दौरान, रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर गर्भपात के अधिकार तक पर चर्चा हुई। हालांकि, इस बहस का हिस्सा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नहीं बने।

रामास्वामी ने रखी अपनी बात

रिपब्लिकन पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने रूस-यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध में अमेरिका की भागीदारी पर बात की। उन्होंने अमेरिका द्वारा यूक्रेन का समर्थन करना विनाशकारी बताया। रामास्वामी ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनें तो युद्धग्रस्त देश की सहायता का समर्थन नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह विनाशकारी है, हम किसी और की सीमा की रक्षा कर रहे हैं, जबकि हमें उन्हीं सैन्य संसाधनों का उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर हो रहे आक्रमण को रोकने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें किसी और की बजाय अपनी सीमा को सुरक्षित करने की जरूरत है।

यूक्रेन का दौरा करने वाले अन्य

उम्मीदवारों की ओर इशारा करते हुए रामास्वामी ने दावा किया कि इन लोगों ने माउई, शिकागो के दक्षिण की ओर या केंसिंग्टन के निवासियों के लिए ऐसा नहीं किया होगा।

हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस नेका कहना है कि वह अमेरिका के यूरोपीय साझेदारों पर अपना समर्थन बढ़ाने के लिए दबाव डालेंगे। वहीं, यूक्रेन की यात्रा करने वाले न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी ने रामास्वामी के दावों का खंडन किया।

क्रिस्टी ने कहा कि वह देखना चाहते हैं कि व्लादिमीर पुतिन की सेना स्वतंत्र यूक्रेनी लोगों के साथ क्या कर रही है। उन्होंने लड़ाई के दौरान रिपोर्ट किए गए अत्याचारों के साथ-साथ रूसियों द्वारा यूक्रेनी बच्चों के अपहरण के बारे में भी बात की। कहा कि यह वही व्लादिमीर पुतिन हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिभाशाली और जीनियस कहा था। उन्होंने कहा कि अगर हम दुनिया में इस प्रकार की निरंकुश हत्या के खिलाफ खड़े नहीं होंगे, तो हम अगले होंगे।

दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने गर्भपात का मुद्दा उठाया। हेली ने कहा कि हमें इस मुद्दे को एक डरावना रूप देना बंद करना होगा। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह विषय काफी व्यक्तिगत है। क्योंकि उनके पति को गोद लिया गया था और उन्हें अपने बच्चे पैदा करने में परेशानी हो रही थी।

उन्होंने इस दौरान कई सवाल किए। उन्होंने पूछा कि क्या हम सभी इस बात पर सहमत नहीं हो सकते कि हमें देर से होने वाले गर्भपात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए? क्या हम सभी इस बात पर सहमत नहीं हो सकते कि हमें गोद लेने की संस्कृति को बढ़ाना चाहिए? क्या हम सभी इस बात पर सहमत नहीं हो सकते कि जो डॉक्टर और नर्स गर्भपात में विश्वास नहीं करते, उन्हें गर्भपात नहीं करना चाहिए? क्या हम सभी इस बात पर सहमत नहीं हो सकते कि गर्भनिरोधक उपलब्ध होना चाहिए? और क्या हम सभी इस बात पर सहमत नहीं हो सकते कि अगर कोई महिला गर्भपात कराती है तो हम उसे सजा नहीं दें?

गर्भपात के मुद्दे पर हेली को चुनौती देते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा कि इसके लिए दया नेतृत्व की आवश्यकता होगी, जो सिद्धांत पर खड़ा हो और करुणा व्यक्त करे। 15 सप्ताह के बाद हर राज्य में गर्भपात पर प्रतिबंध की वकालत करते हुए उन्होंने राष्ट्रपति चुने जाने पर इस तरह के प्रतिबंध को लागू करने का वादा किया।

जापान ने समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी छोड़ना शुरू किया

133 करोड़ लीटर पानी अगले 30 साल रिलीज होगा इससे क्यों डरे चीन–साउथ कोरिया के लोग?

बीजिंग, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जापान ने समुद्र में फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट का रेडियोएक्टिव पानी पैसिफिक महासागर में छोड़ना शुरू कर दिया। जापानी समय के मुताबिक दोपहर 1:03 बजे ये प्रोसेस शुरू किया गया। जापान टाइम्स ने बताया है कि पहले दिन करीब 2 लाख लीटर पानी छोड़ा जाएगा। इसके बाद इसे बढ़ाकर 4.60 लाख लीटर कर दिया जाएगा।

न्यूक्लियर प्लांट को मेंटेन करने वाली कंपनी टीईपीसीओ ने बताया कि सबसे पहले सैंपल के तौर पर शुरुआती टैंक से थोड़ा पानी छोड़ा गया। इसके पहले और बाद में सभी कंडीशन्स चेक की गईं। इसमें कोई गड़बड़ी नजर नहीं आई। प्लांट से पानी को रिलीज करने वाला पंप 24 घंटे एक्टिव रहेगा।

12 साल पहले 2011 में आए भूकंप और सूनामी की वजह से फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में भयानक विस्फोट हुआ था। इसके बाद से ही वहां 133 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी जमा है। अब जापान इसे निजात पाने के लिए इसे बहा रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक वहां जमा पानी करीब 500 ओलंपिक साइज स्विमिंग पुल के

जितना है। जैसे ही जापान ने इस पानी को समुद्र में मिलाने की बात कही, चीन और दक्षिण कोरिया के लोग डरे हुए हैं।

कहां से आया 133 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी

11 मार्च को 3 बजकर 42 मिनट पर जापान में 9.1 तीव्रता का भूकंप आया। इससे समुद्र की परत खिसकने से सुनामी आ गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही फुकुशिमा में समुद्र किनारे बने न्यूक्लियर प्लांट के रिएक्टर बंद कर दिए गए। रिएक्टर की कूलिंग के लिए जनरेटर स्टार्ट कर दिए गए। इमरजेंसी जनरेटर गर्म रिएक्टर को ठंडा कर पाता, इससे पहले ही पानी प्लांट में घुस आया।

इसके बाद इमरजेंसी जेनरेटर बंद हो गया जिससे गर्म रिएक्टर पिघलने लगा। कुछ देर बाद न्यूक्लियर पावर प्लांट में भयानक विस्फोट होने लगे। आने वाले कई महीनों तक न्यूक्लियर रिएक्टर्स में चेन रिएक्शन होने से रोकने के लिए उसे 133 करोड़ लीटर समुद्र के पानी से ठंडा रखा गया। इससे पानी में 64 तरह के रेडियोएक्टिव मटेरियल घुल गए। इनमें कार्बन-14, आयोडिन-131, सीजियम- 137, स्ट्रोनटियम-90 कोबाल्ट , हाइड्रोजन-3 और ट्राइटियम ऐसे एलिमेंट्स हैं, जो इंसानों के लिए हानिकारक हैं।

इनमें से ज्यादातर रेडियोएक्टिव मटेरियल्स की लाइफ काफी कम होती है। इससे इनका असर खत्म हो चुका है। हालांकि, कार्बन-14 जैसे कुछ मटेरियल हैं जिसका असर कम होने में 5 हजार साल लगते हैं। इसके अलावा न्यूक्लियर रिएक्टर पानी में अभी भी ट्राइटियम के कण मौजूद हैं।

जापान के रेडियोएक्टिव पानी छोड़ने पर दुनिया की प्रतिक्रिया

रेडियोएक्टिव पाना छोड़े जाने पर चीन साउथ कोरिया को डर है कि ये सी फूड यानी मछली, क्रैब और समुद्री जीवों के जरिए इंसानों के शरीर तक पहुंच सकता है। ट्राइटियम के स्किन पर गिरने से नुकसान नहीं होता, लेकिन शरीर में घुसने से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

हांगकांग और चीन ने तो जापान से सी फूड इंपोर्ट करने पर ही पाबंदी लगा दी है। वहीं, साउथ कोरिया की स्टुडेंट यूनियन ने सियोल में जापान की दूतावास में घुसपैठ करने की कोशिश की। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया है।

वर्कर्स को बोनस के अलावा गिफ्ट्स भी दे रहीं कंपनियां

लंदन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जब तक आप किसी लग्जरी फैशन ब्रांड में काम नहीं करते, इस बात की बहुत कम संभावना है कि आपकी कंपनी वेतन-बोनस के साथ आपको कोई लग्जरी हैंडबैग दे। लेकिन लंदन स्थित कम्युनिकेशन मैनेजर जैकी को उनकी कंपनी के रिवार्ड सिस्टम में ऐसा ही एक महंगा हैंडबैग जीतने का मौका मिला।

जैकी की कंपनी कर्मचारियों को उनकी सफलता पर पॉइंट्स देती है, जिन्हें वे इसी तरह के सामान के रूप में रिडीम करवा सकते हैं। जैकी कहती हैं- मैं सैलरी से कभी भी 950 पाउंड (99,658 रुपए) का ये बैग नहीं खरीद पाती। लेकिन पॉइंट्स पा कर आप ऐसी चीजें ले सकते हैं, जिसे खरीदने के बारे में सोच भी नहीं सकते।

वर्कर्स को मोटिवेटेड रखने कंपनियां कैश इंसेटिव भी दे रहीं

दुनियाभर में अब कुछ कंपनियां कर्मचारियों को खुश, मोटिवेटेड और प्रोडक्टिव बनाए रखने के लिए सालाना बोनस के साथ-साथ, रोलिंग अवार्ड और माइक्रो रिवार्ड प्रोग्राम भी चला रही हैं। कर्मचारी इन्हें कैश कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता पर ब्रिटिश मीडिया ने उगला जहर

भारतीयों ने कोहिनूर मांगकर बंद कर दी बोलती

लंदन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एक तरफ भारत के मून मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर दुनिया उसके साथ खड़ी होकर तालियां बजा रही है, तो दूसरी तरफ ब्रिटिश मीडिया अलग ही रोना रो रहा है। ब्रिटिश मीडिया की मानें तो चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भी भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसे किस हद तक विदेशों से आर्थिक मदद मिलती है। साथ ही साथ भारत अपनी गरीबी को भूलकर चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मना रहा है। जैसे ही ब्रिटिश मीडिया की तरफ से ये बातें कही गईं, भारतीयों की तरफ से उसकी

क्लास लगा दी गई।

कहां से शुरू हुआ बवाल

भारतीयों ने आईना दिखाते हुए कहा कि वो भूल चुके हैं कि वो कैसे हमारे देश से कोहिनूर जैसी अनमोल चीजों को लूटकर ले गए थे। अब चंद्रयान-3 की सफलता के साथ ही ब्रिटेन से कोहिनूर हीरा वापस करने की मांग उठने लगी है। यह सारा बवाल बुधवार को उस समय से शुरू हुआ जब जीबी न्यूज के एंकर पैट्रिक क्रिस्टी ने अपने शो में कहा कि भारत को ब्रिटेन से साल 2016 से 2021 के बीच 2.3 अरब पाउंड की मदद मिली है। पैट्रिक ने इसके साथ ही चीन का नाम भी लिया जो अपना आर्टिफिशियल चांद बनाने की तैयारी में है।

पैट्रिक का कहना था कि अगर भारत इस तरह के मिशन को अंजाम दे सकता है तो फिर उसे विदेशी मदद लेने की क्या जरूरत है। हालाकि यूके की स्पेस एजेंसी (यूकेएसए) सहित कई लोगों ने भारत को बधाई भी दी है। ब्रेक्सिट पार्टी के पूर्व एमईपी बेन हबीब की मानें तो ब्रिटेन अभी भी एक ऐसे देश को पैसा दे रहा है जिसकी अर्थव्यवस्था हमारी तुलना में बहुत कम है। गुस्साए भारतीय एक्स (ट्विटर) यूजर्स ने पैट्रिक और बाकी ब्रिटिश मीडिया से कोहिनूर की वापसी की मांग की। कई लोगों ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस की तरफ से आई एक रिपोर्ट का भी हवाला दिया।

बारा जिले में हुआ बड़ा सड़क हादसा

दुर्घटना में गई छह भारतीयों समेत सात की जान

काठमांडू, 24 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में एक के बाद एक बड़ी सड़क दुर्घटना सामने आ रही हैं। अब मधेश प्रांत में एक बस के पहाड़ी सड़क से करीब 50 मीटर नीचे गिर जाने से छह भारतीय तीर्थयात्रियों समेत सात लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना गुरुवार तड़के प्रांत के बारा जिले में हुई, जब राजस्थान के तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस सिमारा सब-मेट्रोपॉलिटन सिटी में चुरियामाई मंदिर के दक्षिण में एक नदी तट पर पलट गई और सड़क से लगभग 50 मीटर नीचे गिर गई। पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप बहादुर छेत्री ने कहा कि छह भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पलट गई और सड़क से नीचे एक नदी के किनारे गिर गई। बस में कुल 26 यात्री सवार थे और दुर्घटना में एक नेपाली की भी मौत हो गई। मृतकों के परिवार को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक होबिन्द्र बोगती ने कहा कि उन्होंने बस चालक जिलामी खान सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। दुर्घटना के दौरान ड्राइवर और सहकर्मियों को भी चोटें आईं और इलाज के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

जयपुर हेरिटेज मेयर ने 18 दिन बाद फिर संभाला पद

मुनेश बोलीं- बिगड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना प्राथमिकता; डीएलबी ने फिर दिया नोटिस

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाइकोर्ट से हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को बड़ी राहत मिली है। इसके बाद पिछले 18 दिनों से खाली चल रहे मेयर के पद को मुनेश ने फिर से संभाल लिया। मुनेश गुर्जर ने अपने समर्थकों के साथ निगम ऑफिस पहुंचकर पद संभाला। इस दौरान मुनेश के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई।

नगर निगम मेयर का पदभार ग्रहण करने के बाद मुनेश गुर्जर ने कहा- पिछले कुछ वक्त से शहर की व्यवस्थाएं काफी बिगड़ गई थी। मेरी पहली प्राथमिकता इन बिगड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना रहेगी।

पदभार ग्रहण करने के साथ ही मेयर मुनेश गुर्जर को डीएलबी ने एक बार फिर नोटिस जारी किया है। इस पर मुनेश ने कहा- इस नोटिस को लेकर मैंने पहले ही स्वायत्त शासन विभाग को जवाब दे दिया था। फिर से इस नोटिस को जारी किया गया है। इस पर नियम अनुसार आगामी कार्रवाई करेंगे।

मुनेश ने कहा- फिलहाल मेयर पद को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है, ऐसे में इस मामले पर तुम्हें कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती। लेकिन मैं अपनी व्यथा को मुख्यमंत्री तक जरूर पहुंचना

चाहूंगी। जब भी मुझे वहां से मिलने का वक्त मिलेगा। मैं उनसे मिलेगी और सच्चाई से अपनी पूरी बात कहूंगी।

वहीं मंत्री प्रताप सिंह द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर मुनेश गुर्जर ने कहा कि इस पर मैं फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती, लेकिन यह जरूर कहूंगी कि मैं अपना पूरा काम ईमानदारी से किया है। सुदर्शन चक्र वाला सब कुछ देख रहा है।

राजेंद्र वर्मा प्रकरण में नोटिस को लेकर भी मुनेश ने एक बार फिर सफाई पेश की। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच जारी है। राजेंद्र वर्मा प्रकरण में सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि पार्षदों को भी नोटिस जारी हुए हैं। जबकि मीडिया और आम जनता को भी पता है किस तरह इस मामले को तूल दिया जा रहा है। जबकि इस मामले की पुलिस जांच तक पूरी नहीं हुई है।

कोर्ट से राहत मिलने के बाद उन्होंने से कहा कि फिलहाल यह मामला कोर्ट में पेंडिंग है। इस वजह से मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कह पाऊंगी। लेकिन यह जरूर से कहना चाहती हूं, कि सुदर्शन चक्र वाले का मुझ पर आशीर्वाद है। वो जैसा चाहेंगे, वैसा ही होगा।

उन्होंने कहा कि जयपुर ने मुझे बहुत प्यार दिया है, इसलिए अब उस प्यार के कर्ज को मैं जनता की सेवा कर उतरना चाहती हूं। उन्होंने कहा- मेरे परिवार के इस बुरे वक्त भी कांग्रेस के कार्यकर्ता और पार्षद हमारे साथ खड़े थे। इससे मुझे बहुत हिम्मत और ताकत मिली है।

षड्यंत्र करने वालों को जवाब मिल गया

मुनेश गुर्जर के ससुर कैप्टन राम प्रसाद गुर्जर ने कहा कि ऊपर वाला हमेशा सही फैसला करता है। मुनेश को राहत मिलने के बाद अब तो पहले से भी ज्यादा खुशी हो रही है, क्योंकि अगर कोई इंसान समुद्र में डूब रहा होता है और वह बच जाता है। तो उसे पहले से भी ज्यादा खुशी महसूस होती है, क्योंकि उसे नया जीवन मिला होता है।

राम प्रसाद गुर्जर ने मुनेश के निलंबन पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आज षड्यंत्र करने वालों को जवाब मिल गया है, जो भविष्य में और ज्यादा मिलेगा। क्योंकि सिर्फ इतने से जवाब से उनका काम नहीं चलेगा। हमारे शास्त्रों में भी लिखा है। जो किसी के लिए गड्ढा खोदता है, वह खुद उसमें गिरता है।

हाईकोर्ट के फैसले पर डिप्टी मेयर असलम फारूखी ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अगर किसी इंसान को लगता है कि उसके साथ गलत हुआ है। तो वह कोर्ट का सहारा लेता है। इसी तरह मेयर मुनेश गुर्जर ने भी कोर्ट का सहारा लिया था। जहां कोर्ट ने भी माना उनके साथ गलत हुआ है, इसलिए अब कोर्ट ने उन्हें इंसाफ दिया है। जो न सिर्फ मुनेश गुर्जर और उनके परिवार बल्कि, निगम के पार्षदों और कांग्रेसी नेताओं के लिए खुशी किया बात है।

इस दौरान फारूखी ने एक बार डीएलबी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एडिशनल कमिश्नर प्रकरण में मुझे भी नोटिस दिए गए हैं, लेकिन यह डिपार्टमेंट की बड़ी चूक है। जिस प्रकरण की जांच अब तक राजस्थान पुलिस ने पूरी नहीं की है, उसमें आप कैसे किसी को दोषी ठहरा सकते हो। इसके बाद भी जो पार्टी का फैसला होगा, मुझे वो स्वीकार होगा। क्योंकि डिप्टी मेयर का पद कांग्रेस पार्टी ने मुझे दिया है। अगर पार्टी किसी और को डिप्टी मेयर बनाना चाहती है तो मैं पार्टी के फैसले का सम्मान करूंगा।

बता दें कि डीएलबी द्वारा जयपुर नगर निगम हेरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर के निलंबन पर हाईकोर्ट से रोक लगा दी है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह की अदालत ने रोक लगाते हुए कहा कि सरकार बिना प्राथमिक जांच किए मेयर का निलंबन नहीं कर सकती है। इस निलंबन में सरकार ने जो कानूनी प्रक्रिया अपनाई है। वह पूरी तरह से गलत है।

जनता के दिलों पर राज करता हो, टिकट उसी को

डोटासरा बोले- मोदी सरकार ने जुमले दिए; जनता की भलाई की योजनाएं गहलोत सरकार लाई

उदयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी टिकट उसको देगी जो जनता के दिलों में राज करता है। राजस्थान में गहलोत सरकार के कामकाज से जनता खुश है और उनके बीच कोई एंटी इनकम्बेंसी नहीं है।

टिकट 1 को मिलेगा 100 को नहीं: डोटासरा

उदयपुर के डबोक स्थित महाराणा प्रताप हवाई अड्डे पर आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए डोटासरा ने कहा कि विधानसभा सीट के लिए बाहरी दावेदार आते हैं यह प्रजातंत्र की खूबसूरती है। कोई कहीं से भी दावेदारी करे टिकट 1 को मिलेगा 100 को नहीं।

उन्होंने कहा कि टिकट उसको मिलेगा जो अपने इलाके में जनता के दुःख दर्द में भागीदारी निभाता है, पार्टी की मजबूती के लिए काम कर रहा है। लोग जिसको पसंद करते हैं उनको टिकट देंगे। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में सरकार ऐसी योजनाएं लेकर आई जिससे प्रदेश के लोग मजबूत बने, आमदनी बढ़ने की बात हो, बेरोजगारों को रोजगार देने से लेकर उद्योग स्थापित करने की बात हो।

पीएम मोदी ने सिर्फ जुमले दिए

उन्होंने कहा कि आज नई युवा पीढ़ी व बुद्धिजीवी वर्ग यह जानना चाहता है कि आगे आपका विजन क्या है, इसलिए 2030 विजन के रूप में देख रहे हैं। वे बोले कि कांग्रेस का संगठन मजबूत है। गहलोत सरकार ने अच्छे काम किए हैं और इसके प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। जनता में सरकार के प्रति कोई एंटी इनकम्बेंसी नहीं है।

पीसीसी चीफ बोले कि राहुल गांधी की भारत यात्रा के बाद कांग्रेस का पूरे देश में माहौल बना है। हमारी नेतृत्व क्षमता है, उससे लोगों में लोकप्रियता बढ़ी है। लोग मोदी सरकार के 9 साल के राज से तंग आ गए हैं, उन्होंने जुमले ही दिए हैं, वे ऐसी कोई ऐसी योजना लेकर नहीं आ सके जिससे लोगों का भला हो सके। जबकि यूपीए सरकार में एजुकेशन, हेल्थ से लेकर मनरेगा पर काम हुए हैं। मोदी सरकार के समय में देश में नोटबंदी हुई, ईडी व इनकम टैक्स का मिस यूज करने जैसे काम ही हुए हैं।

कांग्रेस कार्यकारिणी के विवाद पर बोले

उदयपुर देहात कांग्रेस कार्यकारिणी में बगावत करने वालों को शामिल करने पर बोले कि जो जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बनती है वो विचार विमर्श करके बनाई जाती है। फिर भी कोई रह गया होगा तो नाम जोड़ देंगे। इसमें कोई दिक्कत वाली बात नहीं है, बाकी छोटी-बड़ी बातें होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि कोई पार्टी की राह से भटक गए तो वापस जुड़ने में मौका देने में कोई हर्ज नहीं है।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा पर बोले

डोटासरा ने भाजपा की परिवर्तन यात्रा के सवाल पर कहा कि पहले आक्रोश यात्रा निकाली उसमें ये भीड़ नहीं जुटा पाए। इनकी कोई रणनीति नहीं है, इनमें कई मतभेद हैं। ये तीन-चार नेताओं को अलग अलग दिशाओं में भेज रहे हैं। एक साथ इन नेताओं को नहीं बैठा सकते हैं। ये सोच रहे है कि मोदी व अमित शाह आएंगे जीता देंगे जबकि ऐसा नहीं है, अब लोगों ने इनको समझ लिया है।

सीएम गहलोत झूठे सपने देखना बंद करें

वसुंधरा राजे बोलीं- जनता आपको दिन में तारे दिखाने वाली है

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा है कि 2023 में कांग्रेस की स्थायी विदाई होना तय हो गया है। फ़िर क्यों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2030 जैसी हास्यास्पद बात कर रहे हैं। राजे ने कहा कि मुख्यमंत्री झूठे सपने देखना बंद करो। आपको तो प्रदेश की जनता दिन में ही तारे दिखाने वाली है।

उन्होंने कहा कि आप कौन से 2030 के विजन की बात कर रहे हो। आपने तो प्रदेश वासियों को ऐसे सपने 2018 के चुनाव से पहले भी दिखाए थे। वह आज तक पूरे नहीं हुए। न किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी हुई। न युवाओं को बेरोजगारी भत्ता मिला।

राजस्थान महिला और दलित अत्याचार में अव्वल

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि सीएम ने प्रदेश को अव्वल बनाने की बात भी कही है। हां यह सही है कि राजस्थान अव्वल बना तो है, लेकिन महिलाओं और दलितों के अत्याचार में। बेरोज़गारी में। महंगाई और भ्रष्टाचार में। कानून व्यवस्था की ऐसी दुर्गति तो आजादी के बाद से लेकर अब तक कभी किसी ने नहीं देखी।

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा, अन्नपूर्णा रसोई, अन्नपूर्णा भंडार, मोबाइल जैसी योजनाओं का नाम बदल कर आपने खुद की पीठ थपथपा ली। राजस्थान के लिए जीवनदायनी बनने वाले मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान और नारी शक्ति को स्वावलंबी बनाने वाली दुनिया की बेहतरीन भामाशाह योजना को बंद कर दिया। आपका यह कौन सा विजन 2030 है।

सीएम ने मंगलवार को लॉच किया मिशन 2030

सीएम अशोक गहलोत ने 2030 तक के लिए राजस्थान को विकसित राज्यों में टॉप पर जगह बनाने का नारा दिया है। सीएम अशोक गहलोत ने मंगलवार को मिशन-2030 की लॉन्चिंग की है। राज्य सरकार इस मिशन पर एक करोड़ लोगों से सुझाव लेगी। इन सुझावों के आधार पर 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' तैयार कर उसे सार्वजनिक किया जाएगा। मिशन-2030 में हर क्षेत्र के लिए सेक्टर वाइज टारगेट तय किए जाएंगे। पहले विजन डॉक्यूमेंट तैयार होगा। इसमें सभी एक्सपर्ट, स्टेक होल्डर्स, युवाओं और समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए जाएंगे।

कॉन्स्टेबल पर फायरिंग, एडीजी पहुंचे घटनास्थल

दिनेश एमएन बोले- बदमाशों की बीहड़ में मौजूदगी के इनपुट, जल्द पकड़ेंगे

दौसा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के रेटा गांव में बदमाशों की फायरिंग में घायल हुए पुलिस कांस्टेबल प्रहलाद सिंह का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं घटनाक्रम के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस को अभी तक सफलता नहीं मिली है। हालांकि बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस का सर्च अभियान जारी है। बीती देर रात एडीजी (क्राइम) एमएन दिनेश भी क्षेत्र में जमे रहा। उनके निर्देशन में घटनास्थल के पांच किलोमीटर क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया।

यह बोले एडीजी क्राइम एमएन दिनेश

घटनास्थल पर पहुंचे एडीजी (क्राइम) एमएन दिनेश ने कहा

घटनाक्रम के बाद एसपी के निर्देशन में नाकाबंदी व सर्च अभियान चलाकर बदमाशों के संबंध में इनपुट जुटाया है। शाम को बीहड़ में बदमाश की मौजूदगी के इनपुट मिले थे, ऐसे में करीब 400 पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी की हुई है। उम्मीद है बदमाश अभी भी आसपास ही छिपा हुआ है। ग्रामीण भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। पुलिस टीम पूरा प्रयास कर रही हैं, बदमाशों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

वहीं मंगलवार सुबह घटनाक्रम के बाद मौके पर पहुंचे जयपुर रेंज आईजी उमेश दत्ता भी दौसा में ही डेरा डाले हुए हैं। घटनास्थल का बारीकी से अवलोकन करने के बाद एसपी वंदिता राणा व पुलिस टीम को निर्देश दिए। आईजी ने दुब्बी चौकी व सिकंदरा पुलिस थाने में मौजूद रहकर टीम की कार्रवाई पर नजर बनाए रखी। जिला स्पेशल टीम के अलावा जिले के कई थाना इंचार्ज के नेतृत्व में गठित अलग-अलग टीमों को जिले से बाहर रवाना किया गया है।

सीसीटीवी में दिखा बाइक सवार बदमाश

कांस्टेबल को गोली मारने के प्रकरण में पुलिस ने कई जगह सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें बाइक पर एक बदमाश दिख रहा है। ऐसे में पुलिस ने फोटो जारी कर बदमाशों की हुलिए से पहचान कर पुलिस को इन्फॉर्म करने की अपील की है। वहीं बदमाशों के भागते हुए एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिसवालों ने एसयूवी को घेरकर लाठियों से किए ताबड़तोड़ वार

नकली वर्दी पहनकर भागा था तस्कर, 220 कि.मी तक पीछा; खुद को गाड़ी में लॉक किया

जोधपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस की वर्दी में भाग रहे तस्कर ने पुलिसवालों को 220 किलोमीटर तक दौड़ाया और घिरने पर खुद को थार में लॉक कर लिया। आरोपी को बाहर निकालने के लिए पुलिस को एसयूवी पर लाठी-डंडों से वार करना पड़ा। मामला बालोतरा जिले के कल्याणपुर टोल का है। जोधपुर पुलिस के अनुसार पकड़े गए तस्कर दिनेश सिंह की गाड़ी से कई अधिकारियों और जज की नेम प्लेट और फर्जी आईडी कार्ड भी मिले हैं।

डीसीपी गौरव यादव ने बताया कि दिनेश सिंह के खिलाफ 18 जून को हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कार को टक्कर मारने की शिकायत दी थी। इस पर 27 जून को पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार किया तो उसकी एसयूवी से फर्जी नेम प्लेट मिली थी। इसके बाद से दिनेश सिंह पुलिस की डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम के रडार पर था। इस दौरान पुलिस को पता चला कि दिनेश सिंह डोडा-पोस्त का बड़ा तस्कर है। पुलिस ने दिनेश सिंह को हिरासत में लेने की तैयार कर रखी थी कि इनपुट मिला कि दिनेश सिंह कुड़ी (जोधपुर) थाना क्षेत्र के झालामंड चौराहे की तरफ डोडा लेकर आ रहा है। इस पर नाकाबंदी करवाई गई। आरोपी को जब रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी और पुलिसकर्मियों पर जीप चढ़ाने का प्रयास भी किया। एसीपी नरेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि आरोपी पहले पाली की तरफ भागा, लेकिन यहां से सालावास चला गया। इसके बाद सांगरिया फांटा, विवेक विहार और लूणावास से होते हुए बाड़मेर हाईवे की तरफ भाग निकला।

इस बीच आरोपी ने फायरिंग भी की। इधर, पुलिस ने बालोतरा पुलिस को भी अलर्ट कर दिया था, जिसके बाद कल्याणपुर टोल पर 5 से 7 गाड़ियां लगा ट्रकों को खड़ा किया गया। कल्याणपुर टोल पर आते ही पुलिस ने उसे घेर लिया। अपने आप को घेरा देख आरोपी ने एसयूवी में अपने आप को बंद कर दिया। पुलिसवालों ने जब उतरने का कहा तो वह बाहर नहीं आया।

जैसलमेर में ट्रेन से टकरा कर 9 ऊंटों की मौत

रेलवे ट्रैक हाइट पर होने से ऊंटों को बचने का नहीं मिला मौका, अब गिद्ध का बनेंगे भोजन

जैसलमेर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर के लाठी इलाके के सोढाकोर क्षेत्र में ट्रेन से टकराने से 9 ऊंटों की मौत हो गई। दुर्घटना सोढाकोर गांव के आस पास रेलवे ट्रैक की है। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर ऊंट पालक सदमे में है। अब सभी मृत 9 ऊंट रेलवे ट्रैक के आसपास बिखरे पड़े हैं। पशुपालक गौरीशंकर पूनिया का कहना है कि ये इलाका पशुओं के बाहुल्य का इलाका है। इस इलाके से गुजर रहे रेलवे ट्रेक पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। जिससे मूक पशुओं की मौत होती रहती है। अब ये मृत पशु गिद्धों का भोजन बनेंगे। गौरीशंकर पूनिया ने बताया कि गुरुवार सुबह उनको जानकारी मिली कि रेलवे ट्रैक पर 9 ऊंटों के शव पड़े हैं। ऐसे में जब वे वहां पहुंचे तो 4 ऊंट तो उनके ही थे बाकी के 5 ऊंट सोढाकोर के ही किसी पशुपालक के थे। अब पटरी के आसपास पड़े 9 शवों को गिद्ध खाएंगे। पूनिया ने बताया कि सोढाकोर इलाके से गुजर रहा रेलवे ट्रैक थोड़ी हाइट पर है और दूसरी तरफ ट्यूबवेल की तार बंदी है। इस वजह से एक बार अगर पशु रेलवे ट्रैक पर चढ़ जाए तो अचानक ट्रेन के आ जाने से ट्रैक से नीचे उतरने में परेशानी होती है और हादसे का शिकार होते हैं।

नकली नोट से असली गोल्ड की ठगी

मंदिर जाने वाली महिलाएं टारगेट; 2 ठग पकड़े तब खुलासा

अलवर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर में नकली नोट से लॉटरी निकालकर गोल्ड की ठगी करने वाले खैरथल के दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खैरथल से अलवर शहर में आकर 15 वारदातें की हैं। मंदिर जाने वाली बुजुर्ग महिलाओं को ये ठग निशाना बनाते थे। एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि गुरुवार को बताया कि आरोपी नकली नोटों, महिलाओं को झांसा देकर ज्वेलरी उतरवाकर और दुख तकलीफ की बातें कर ठगी करते थे। वे महिलाओं को बातों में उलझाते, उनका भला करने की बात करते फिर ज्वेलरी लेकर फरार हो जाते थे। पुरुषों को लॉटरी के नाम पर नकली नोट दिखाकर ठगी करते थे।

पहला तरीका: नकली नोटों से ठगी - एसपी आनंद शर्मा ने बताया- आरोपियों खैरथल निवासी गोविंद उर्फ विक्की शर्मा व पंकज उर्फ मुनिया तिवाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 3 नकली अंगूठियां, एक सोने की अंगूठी, 2 गड्डी 200-200 रुपए के नकली नोट, एक गड्डी 100 रुपए व ए गड्डी 500 रुपए के नकली नोट, 20 लॉटरी निकालने वाली पर्ची, 2 मोबाइल व बाइक बरामद की है। आरोपी गोविंद व पंकज बुजुर्गों को शिकार बनाते थे। मंदिर जाने वाली महिलाओं को वे झांसे में लेते थे। गोविंद के खिलाफ 15 व पंकज के खिलाफ 5 मामले दर्ज हैं। दोनों बदमाश खैरथल से अलवर आकर ठगी करते फिर खैरथल लौट जाते थे। आरोपी नकली नोट लेकर आते थे। लोगों को लॉटरी निकालने का झांसा देते। पहले उनको नोट थमा देते, फिर सामने वाले को लगता कि ये सच में भला करना चाहते हैं। फिर उसी से कुछ रकम मंगा कर भाग जाते।

दूसरा तरीका: महिलाओं से सोने के आभूषण उतरा लेते हैं - कोतवाल नरेश कुमार ने बताया- मंदिर जाने वाली महिलाओं से आरोपी धार्मिक बातें करते, कहानी बनाते, लॉटरी निकालने को कहते और नकली नोट पकड़ा देते। लॉटरी में मोटे मुनाफे की बात कहकर पैसा मांगते, नहीं होने पर गोल्ड उतरवा लेते थे।

तीसरा तरीका : दुख तकलीफ की बातें - कोतवाल नरेश कुमार ने बताया- आरोपी महिलाओं से दुख तकलीफ की बातें करते। उनको लगता है कि आरोपी ज्योतिष के जानकार हैं। अपनापन बढ़ाकर लॉटरी निकालने को कहते। महिलाएं नकली नोट को असली समझकर गहने उतार देती थीं।

गोविंद और पंकज ने 22 अगस्त को अलवर के स्कीम एक, कबूतर पार्क के पास एक महिला को लॉटरी का झांसा देकर सोने की अंगूठी ठगी। इससे पहले 14 अगस्त को स्कीम 3 स्थित मानसी अस्पताल के पास एक महिला से सोने के कुंडल, 3 अगस्त को मनु मार्ग गुरुद्वारे के पास एक महिला से सोने के कुंडल ठगे थे। इसके अलावा बदमाशों ने सेठी अस्पताल के पास लॉटरी का झांसा देकर एक बुजुर्ग से 6 हजार रुपए, गुप्ता सर्विस स्टेशन के पास एक व्यक्ति को लॉटरी का झांसा देकर 25 हजार रुपए, स्कीम तीन स्थित ब्लैकबेरी के शोरूम के पास एक व्यक्ति को झांसा देकर अंगूठी सहित कई वारदातें कबूल की।

आपसी रंजिश में बेटे ने की पिता की हत्या : जोधपुर के ओसियां थाना क्षेत्र की घटना

जोधपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण की ओसियां थाना क्षेत्र एकलखोरी में आपसी अनबन के चलते एक व्यक्ति का मर्डर करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है की बेटे ने बाप की हत्या कर दी। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। वहीं हत्यारे बेटे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मृतक की पत्नी अमला देवी और परिवार के अन्य सदस्य को दस्तयाब करने के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

मृतक की पहचान शैतान राम पुत्र मगनाराम निवासी शिवनगर ग्राम पंचायत समराथल नगर के रूप में हुई है। उसकी बॉडी ससुराल से लगभग 500 मीटर दूर मिली। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी से अनबन चल रही थी। इसी बात के चलते बेटे ने अन्य साथी के साथ मिलकर हत्या कर दी। मृतक की लाठी और धारदार हथियार से हत्या करने की बात सामने आ रही है।

ओसियां थाना अधिकारी राजूराम काला ने बताया सुबह 9 बजे दूरभाष के जरिए सूचना मिली की शिवनगर को जाने वाली ग्रेवल रोड पर एक व्यक्ति की बॉडी पड़ी हुई है। इस पर मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक तौर पर पड़ताल में मृतक के पुत्र के द्वारा ही आपसी रंजिश के तहत हत्या करने की बात सामने आई है। मृतक की पत्नी के कोई भाई नहीं होने के चलते उसकी पत्नी उसे ससुराल में ही रखना चाहती थी इसी बात को लेकर दोनों में अनबन चल रही थी और पिछले तीन-चार सालों से अलग रह रहे थे। इसी बात के चलते उसका लड़का और एक अन्य व्यक्ति शामिल था। जिन्हें पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है।

ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया की मृतक की अपनी पत्नी से पिछले तीन चार साल से अनबन चल रही थी। घटना के बाद मृतक के पुत्र मनीष को दस्तयाब कर लिया है। वहीं एफएसएल टीम को भी मौके पर रवाना किया गया है। मौके पर फिलहाल शांति है।

7 करोड़ की सरकारी राशि हड़पने का मामला : 4 आरोपी ठेकेदार गिरफ्तार

नागौर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। नागौर की कोतवाली थाना पुलिस ने सात करोड़ रुपए हड़पने और धोखाधड़ी के एक मामले का खुलासा करते हुए चार ठेकेदारों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने दुग्ध वितरण एवं रोकड़ राशि जमा नहीं करवाई थी, ऐसे में सरकारी संपत्ति हड़प डाली। मामले के अनुसार 9 नवंबर 2021 को प्रबन्धक संचालक नागौर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड की ओर से थाना कोतवाली में एक रिपोर्ट दी गई थी। जिसमें बताया था कि नागौर दुग्ध वितरण एवं रोकड संग्रहण के ठेकेदार रामचंद्र चौधरी सहित पांच के विरूद्ध मामला दर्ज हुआ था। जिसमें दुग्ध संघ के संग्रहित की गई राशि 6,99,25,228 रुपए जमा नहीं करवाई गई थी।

सरकारी संपत्ति हड़पने के आरोपियों के खिलाफ पुलिस जांच शुरु की। जिस पर कुचामनसिटी के आसनपुरा रहने वाले 34 साल के रामनिवास पुत्र हनुमानराम जाट, 25 साल के विजय चौधरी पुत्र हनुमानराम जाट, मकराना के जसूरी रहने वाले 45 साल के मालाराम पुत्र कुंभाराम जाट और खींवसर के डेहरु रहने वाले 55 साल के रामचंद्र पुत्र पुरखाराम जाट को गिरफ्तार कर लिया गया।

होटलकर्मी की हत्या करने वाला दोस्त गिरफ्तार

पद की प्रतिस्पर्धा को लेकर मारी थी गोली

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के मियांपुर इलाके में होटलकर्मी की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। बीती रात मियांपुर के मदीनागुडा में संदर्शिनी एलीट होटल में काम करने वाला देवेंद्र बाहर खड़ा था। इसी बीच बाइक सवार ने उस पर कई गोलियां चलाईं। गोली लगने से देवेन्द्र घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। सूचना पर साइबराबाद के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन की। इस मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी माधापुर जी. सुनदीप ने बताया कि मृत देबेंद्र गायेन संदर्शिनी एलीट होटल में महाप्रबंधक था। वह मियापुर के वेंकटेश्वर कॉलोनी, एमएन रेड्डी नगर में रह रहा था और मूल रूप से बरईपुर, 24 परानाला, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। देवेन्द्र की हत्या के आरोप में पुलिस ने रतीश नायर को गिरफ्तार किया है। वह पहले संदर्शिनी एलीट होटल में पूर्व महाप्रबंधक के पद पर काम कर रहा था। मौजूदा समय में वह मियांपुर के ओल्ड मुंबई रोड, वेमकुटा, चंदानगर रह रहा है और जबकि वह पेरुमुदियूर मुथुथला, पलक्कड़, केरला का मूल निवासी है। डीसीपी ने कहा कि मामले के तथ्य यह हैं कि आरोपी रतीश नायर और देबेंद्र गायेन दोनों संदर्शिनी एलीट होटल, मियांपुर, हैदराबाद में दोस्त और सहकर्मी थे। दोनों के बीच महाप्रबंधक पद के लिए प्रतिस्पर्धा थी, जिसके चलते दोनों में अक्सर झगड़े होते रहते थे।

मृतक के होटल के मालिक के साथ अच्छे संबंध थे। बेहतर कार्य के कारण आरोपी के बजाय देवेन्द्र को महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया, जिसके कारण आरोपी ने मृतक के साथ झगड़ा किया और हंगामा किया।

उसके बुरे व्यवहार के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया। इसी ने नाराज आरोपी रतीश नायर ने बीती रात होटल के बाहर देवेन्द्र का इंतजार कर रहा था और जैसे ही वह बाहर आया। आरोपी ने उस पर 6 राउंड फायरिंग की और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया।

ओम के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं : पूज्य गिरी बापू

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। क्लासिक कन्वेंशन हाल 3 शमशाबाद में जारी शिवकथा के छठवें दिन पूज्य गिरी बापू ने कहा कि शिव और पार्वती के दो पुत्र हुए, एक का नाम कार्तिकेय और दूसरे का नाम गणेश है। कार्तिकेय को पुरुषार्थ का प्रतीक माना गया है। पुराणों में श्री गणेश की अनेक कथाएं प्राप्त होती हैं। एक कल्प में साक्षात श्रीकृष्ण उनके पुत्र बनते हैं। दूसरे कल्प में पार्वती के उद्धटन से उनकी उत्पत्ति होती है। एक कल्प में शनि की दृष्टि से सिर कटता है और दूसरे में स्वयं शिवजी सिर काटते हैं। माता के कोप से बचने के लिए हाथी का सिर जोड़ा जाता है। हाथी का सिर बड़ा होता है लेकिन आंखें छोटी होती हैं। यह सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक है। हमारी दृष्टि सूक्ष्म होनी चाहिए। कान सूप के जैसे मानो फालतू बात गणेश नहीं सुनते। एकदंत अर्थात जो बात कह दिया उसमें अटल रहते हैं और लम्बी नाक होना प्रतिष्ठा का प्रतीक है। ओंकार के नाद के बारे में बताते हुए पूज्य गिरिबापू ने बताया कि योगी महात्मा प्रतिमा मूर्ति की पूजा नहीं करते, वे उस ओंकार का ही ध्यान करते हैं। ओम के बिना किसी घर की पूजा पूरी नहीं होती, कहते हैं बिना ओम (ॐ) के सृष्टि की कल्पना भी नहीं हो सकती है। माना जाता है कि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड से हमेशा ॐ की ध्वनि निकलती है। ॐ उच्च स्वर में जपने से अनेक रोगों से छुटकारा मिलता है। ॐ शब्द के उच्चारण का सही तरीका और सही समय प्रातः काल ब्रह्म बेला माना गया है। पूज्य गिरी बापू ने बताया कि पहली पूजा संसार में शिव की ही होती है। इसलिए हर गांव हर शहर हर बस्ती शिवालय जरूर होते है। अन्य देवी-देवाताओं के हो न हो शिवालय जरूर होते है। अब कलयुग में शिव रूद्र के 11वें अवतार हनुमान जी के देवालय भी हर गांव शहर में होते है। शिव पुराण कहती है कि आपके मन में आ गया आज शिवालय जाऊंगा अगर आप नही भी जा पाए किसी कारण तो आपके संकल्प ले लेने मात्र से अनेकों पापों से तत्काल मुक्ति मिल जाती है। पूज्य बापू जी ने शिव लिंग की पूजा के बारे में बताते हुए कहां इस संसार में सबसे पहले शिव लिंग की पूजा ब्रह्मा जी ने की और श्री हरि विष्णु ने की, रामा अवतार में श्रीराम ने की, कृष्णा अवतार में मुरारी कृष्ण ने की। शिव कथा के 6 वे दिन आज उज्जैन भगवान महाकाल मंदिर से पधारे विद्वान आचार्य पूजारी ओमजी शर्मा एवं पुजारी राघव जी शर्मा के नेतृत्व में उज्जैन महाकाल के आचार्यों की टीम भगवान महाकाल का विशेष अभिषेक और श्रृंगार किया। शाम 6 बजे से भगवान महाकाल (महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग) की ऐतिहासिक भस्म आरती का दिव्य दर्शन नरेंद्र गोयल परिवार सहित समस्त भाग्यशाली उपस्थित शिव भक्तों ने किया।

डीआरएम को मिला राजभाषा समिति से प्रशंसा प्रमाण पत्र

विशाखापट्टणम, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने विशाखापट्टणम में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाल्टेयर, पूर्वी तट रेलवे के साथ एक निरीक्षण बैठक आयोजित की। समिति ने वाल्टेयर मंडल में चल रहे राजभाषा (हिन्दी) कार्य का निरीक्षण किया। समिति ने मंत्रालय एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राजभाषा हिंदी के किये जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। मंडल रेल प्रबंधक सौरभ प्रसाद और एडीआरएम (परिचालन) मनोज कुमार साहू, राजभाषा अधिकारी (ईस्ट कोस्ट रेलवे) श्रीमती येलीना पांडा और राजभाषा (वाल्टेयर के प्रभारी) ए. वेंकटेश्वर राव और राजभाषा के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलवे से प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर संसद की राजभाषा समिति ने सरकारी कामकाज और अन्य क्षेत्रों में राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए वाल्टेयर डिवीजन द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। समिति की संयोजिका श्रीमती रंजनबेन भट्ट द्वारा डीआरएम सौरभ प्रसाद को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

समिति ने उन अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया, जिन्हें अभी तक राजभाषा नियमों और विनियमों के अनुसार प्रशिक्षित नहीं किया गया है, जो पहले से ही प्रशिक्षित हैं, उनके कामकाज में हिंदी (राजभाषा) के उपयोग के लिए व्यक्तिगत आदेश जारी करने और अधिक प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है। रेलवे द्वारा नियमित विज्ञापनों में हिंदी भाषा को क्षेत्रीय भाषा के बराबर लाना और हिंदी भाषा पर लगातार कार्यशालाओं का आयोजन करना। प्रभाग द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट समिति को प्रस्तुत की जाएगी।

चंद्रयान-3 मिशन के लिए ईसीआईएल का विशेष योगदान

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारत सरकार का एक उद्यम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), संचार के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सभी केंद्रों पर ग्राउंड एंटीना नेटवर्क स्थापित करके शुरुआत से ही देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम का समर्थन करता रहा है। इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के माध्यम से चंद्रमा मिशन कार्यक्रम के ट्रैकिंग, टेलीमेट्री, कमांड और रेंजिंग (टीटीसी एंड आर) संचालन के लिए आवश्यक स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए एंटीना सिस्टम प्रदान करके चंद्रयान-3 मिशन से जुड़ा होना गर्व की बात है।

ईसीआईएल ने 32-मीटर-डीप स्पेस नेटवर्क (डीएसएन) एंटीना की आपूर्ति की, जिसने चंद्रयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण संचार सहायता की सुविधा प्रदान की। यह 300 टन का एंटीना सिस्टम भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) और आईएसटीआरएसी के सहयोग से स्वदेशी रूप से बनाया गया है। एंटीना कमांड-एंड-कंट्रोल ऑपरेशन के लिए पृथ्वी से लगभग 4 लाख किलोमीटर की दूरी पर चंद्रमा के चारों ओर परिक्रमा करने वाले अंतरिक्ष यान को सटीक रूप से इंगित करता है। एंटीना प्रणाली 0.3 मिलीमीटर से बेहतर सटीकता के साथ परिशुद्धता से निर्मित रिफ्लेक्टर सतह की अत्याधुनिक तकनीक, व्हील और ट्रैक माउंट, बीम वेव गाइड, फीड सिस्टम और सर्वो कंट्रोल सिस्टम कार्यरत है। इस एंटीना के निर्माण में मृदा यांत्रिकी, संरचनात्मक इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, रेडियो फ्रीक्वेंसी और माइक्रोवेव और नियंत्रण इंजीनियरिंग जैसे इंजीनियरिंग के लगभग सभी विषय शामिल है। यह विक्रम द्वारा चंद्रमा से खींचे गए डेटा और छवियों के अधिग्रहण के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। ईसीआईएल ने ट्रैकिंग, टेलीमेट्री और कमांड संचालन का समर्थन करने के लिए प्रक्षेपण के समय से ही अंतरिक्ष मिशन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम आईएसटीआरएसी को 18,11 और 7.2 मीटर एंटीना सिस्टम और 4.5-मीटर शिप बोर्न टर्मिनल भी प्रदान किया। ईसीआईएल आदित्य, गगनयान और मंगलयान 2 जैसे आगामी मिशनों के लिए एंटीना सिस्टम और सुरक्षित और सुरक्षित प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर (पीएलसी) के स्वदेशी डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए इसरो के साथ मिलकर काम कर रहा है।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

नई दिल्ली में 27 अगस्त को होंगे कई कार्यक्रम

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वदलीय गौरक्षा मंच द्वारा सरकार से गौ माता को राष्ट्र माता (राष्ट्रीय प्राणी) घोषित करने तथा गौ मंत्रालय बनाकर गौवंश को उनका हक मिले, इस संकल्प के साथ आगामी रविवार 27 अगस्त को नईदिल्ली स्थित जंतर मंतर में एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या, गौ काव्य पाठ, गौ संकीर्तन यात्रा और चाय पर गाय की चर्चा आदि का आयोजन होगा। आज आयोजित एक संवादाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजर्षि जयपाल सिह नयाल सनातनी ने कहा कि गौमाता को आजाद भारत बनने के बाद से ही कोई हक आज तक नहीं मिला। हम सबको आजादी मिली , पर गौवंश को कोई आजादी नहीं मिली। गौवंश की जान हर रोज खतरे में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से यह विश्वास था और अभी भी बना हुआ है कि आप जरूर गौमाता को उसका हक देंगे, पर आपने भी अभी तक निराश किया।

ठाकुर जयपाल सिंह नयाल ने कहा कि इस बार फिर 27 अगस्त 2023 को मैं अपने साथियों के साथ दिल्ली जंतर- मंतर पर एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या, गौ काव्य पाठ, गौ संकीर्तन यात्रा और चाय पर गाय की चर्चा करने आ रहे है। एक बार फिर आपको ज्ञापन आपके कार्यालय में दूंगा, शायद इस बार गौमाता की पुकार आप तक पहुंच जाय। स्वामी कमलेश महाराज ने कहा कि 7 नवंबर 2023 को देश भर में 2024 के आम चुनावों से पहले गौमाता को उसका हक नहीं मिला तो हम वोट नहीं देंगे।

रिद्धीश जागीरदार ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 27 अगस्त 2023 को अपनी मुख्य चार मांगों के साथ दिल्ली के जंतर मंतर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के अलावा केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्य चुनाव अधिकारी आदि से भेंटकर ज्ञापन सौंपा जायेगा। शिवकुमार ने भी कहा कि अगर गौभक्तों की मांग केन्द्र सरकार नहीं स्वीकारेगी तो, वह आगामी महीनों मे तीव्र आंदोलन करेंगे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 114वां निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर 27 को

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन रिकाबगंज के सहयोग से 114 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 27 अगस्त को सुबह 10:00 से 2:00 तक पेटल मार्केट चारकमान स्थित अग्रवाल शिक्षा समिति, भगवती बाई मांटेसरी स्कूल में आयोजित किया जायेगा। आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण (डॉ.राजेश वुक्काला), स्त्री रोग (डॉ.श्रुति), अस्थि रोग (डॉ.वेमुरी वेंकटरमना), हृदय रोग (डॉ. दीपक शाह), ईसीजी -2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप जांच की जाएगी। ईएनटी की जांच ईएनटी सर्जन डॉ.अविनाश द्वारा की जाएगी। अवसर पर एलसीएस डंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली द्वारा नेत्रों की जांच की जाएगी तथा योग्य रोगियों को चश्मे वितरित किए जाएंगे ।साथ ही जिनको मोतियाबिंद के ऑपरेशन की आवश्यकता होगी उनके लिए ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी अवसर पर दांतों की जांच इवोक डेंटल केयर के डॉ. मनीता सेठ द्वारा की जाएगी साथ ही फिजियोथेरेपी की सेवा डॉक्टर मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक व अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के अध्येश अजय कुमार चिनानिया, मानद मंत्री एम.सुनील कुमार अग्रवाल और कोषाध्येष शेष कुमार गोयल से संपर्क किया जा सकता है। शिविर में नाम पंजीकरण कार्यक्रम स्थल पर सुबह 10 से 12 के बीच किया जाएगा। क्षेत्र के सभी लोगों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

मध्यप्रदेश से पधारे जाट नेता राधेश्याम डुडी ने रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में रामदेव बाबा की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर जर्मनी से पधारी रितीका चौधरी, अजय कुलकधाणीया, सुरेंद्र जाट का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, बनवारी महाराज व अन्य।

सर्व राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा जॉब मेला कल, प्रचार सामग्री जारी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा हैदराबाद जॉब मेला 26 अगस्त को प्रात: 10 बजे से ऋषि श्रृंग भवन फीलखाना पर प्रारम्भ होगा। जहां विधीवत पूजा के साथ सिद्ध उद्योगपति गोपाल बल्दवा कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर बीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल, उद्योगपति अमृत कुमार जैन, आशीश पण्डीत अतिथि होंगे। यह विज्ञप्ति मंत्री आनंद ओझा द्वारा जारी की गई।

ओझा ने बताया कि इस मेले मे नगरद्वय की 25 से अधिक कम्पनी वाले हिस्सा लेंगे। इसके लिए अभी तक 150 सदस्यों ने पंजीकरण करा लिया है। नगर में प्रचार प्रसार का कार्य जोरो पर हैं। आज सिकंदराबाद में दो जगह बैठकों का आयोजन कर विस्तृत जानकारी दी गई। इससे महिलाएं वह युवा में हर्ष दिखाई दिया व सभी आयोजन से जुड़ने को तैयार है। अध्यक्ष रामदेव नागला ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले सदस्य सुबह 10 बजे तक आयोजन स्थल पर उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक निगम अध्यक्ष को योजनाओं पर पत्र सौंपा

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के कुछ अल्पसंख्यक बंधुओं ने स्थानीय बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में अल्पसंख्यक निगम के अध्यक्ष इम्तियाज इशाक से हज हाउस में मुलाकात कर अल्पसंख्यक योजनाओं पर समर्थित पत्र सौंपा। आनंद कुमार गौड़ ने चेयरमैन को उनके आश्वासन के लिए धन्यवाद दिया कि उन्हें जल्द ही मंजूरी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह गोशामहल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई की समस्या का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने अपील की कि यदि कोई समस्या आती है तो वह 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री तलसानी के प्रोत्साहन से कई विकास कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में गोशामहल में बीआरएस का झंडा लहराएगा। कार्यक्रम में जामबाग डिवीजन अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद गौस, शेख हैदर, असद, नजीर, जमीर, फदौस, शेख, जहांगीर और अन्य ने भाग लिया।

एमएलसी राजेश्वर राव का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी डी. राजेश्वर राव को तेलंगाना राज्य ईसाई अल्पसंख्यक आयोग वित्त निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। आज नामपल्ली स्थित कार्यालय में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप के साथ ही समला राघवरेड्डी ने राजेश्वर राव को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर शाकिब, आज़म, अन्य लोगों ने भाग लिया।

कृषि अधिकारी ने विविध फसलों का निरीक्षण किया

मदनूर, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल पेद्दा तड़गुर के कृषि विस्तार अधिकारी सतीश चिद्रावार ने अंतापुर और पेद्दा तड़गुर में कपास, सोयाबीन, टमाटर और अन्य फसलों का निरीक्षण किया और इस समय किसानों को उचित सलाह और सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में दानेवर गंगाराम, देवकाते मारुति, वाघमारे बालू, नारमवार गोविंद और अन्य ने भाग लिया।

उत्तर प्रदेश भाजपा विधायक ने की मारवाड़ी व माहेश्वरी समाज के साथ चर्चा

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के उत्तर प्रदेश विधानसभा के विधयक राजीव गुम्बर ने काचीगुडा संभाग क्षेत्र के मारवाड़ी एवं माहेश्वरी समाज के लोगों से आज चर्चा की। समाज के भरत जाजू ने यह जानकारी दी कि उत्तरप्रदेश के भाजपा विधयक राजीव गुम्बर, काचीगुडा संभाग के पार्षद उमा रमेश यादव, माहेश्वरी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष कैलाश काबरा, मंत्री भरत जाजू ने आज कृष्णा ग्रन्डियूर के आयोजित सभा में राजस्थानी एवं माहेश्वरी समाज के कई गणमान्य लोग इस चर्चा में उपस्तित हुए। अवसर पर राजीव गुम्बर ने अपने संभोदन में वर्तमान मोदी सरकार की उपलब्धि एवं चलाई जा रहे सभी सुविधाओं, वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा माहेश्वरी समाज की जा रही अनदेखी के बारे में कहा। पार्षद रमेश यादव ने काचीगुडा संभाग में हो रहे बलदिया कार्यो के बारे में जानकारी दी। अवसर रामेश्वर जाजू, भीकमचंद तापड़िया, प्रदीप जाजू, पुरुषोत्तम डागा, प्रदीप चांडक, मुरली अट्टल, शैलेश सोनी, मुरली सारड़ा, महेश असावा, मथुरादास बंग, घनश्याम चांडक, प्रकाशनारायण राठी, नारायणदास काबरा, द्वारकादास सारड़ा एवं अन्य उपस्तित थे।

बीआरएस पार्टी के चारमीनार विधानसभा से दूसरी बार प्रत्याशी घोषित किए जाने पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक बैठक के दौरान मो. सलाउद्दीन लोदी का स्वागत किया। इस दौरान चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम के ग्रीस दौरे...

इंदिरा के दौरे के बाद ग्रीक प्रधानमंत्री एंड्रियास पापंड्रेउ ने तीन बार भारत का दौरा किया। पहला दौरा नवंबर 1984 में इंदिरा गांधी के अंतिम संस्कार के लिए, दूसरी यात्रा जनवरी 1985 में परमाणु निरस्त्रीकरण पर एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए और तीसरी बार जनवरी 1986 में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर आए थे।

ग्रीक प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के बाद कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। दोनों नेता व्यापार और निवेश, शिपिंग, आव्रजन, संस्कृति और रक्षा सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

नई दिल्ली स्थित ग्रीस दूतावास में प्रभारी अधिकारी एलेक्जेंड्रोस बौडोरिस ने कहा, हम वास्तव में यूरोप के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करना चाहते हैं और इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने एक व्यापक निजीकरण योजना की भी जानकारी दी जिसमें भारतीय निवेशकों के लिए गेटवे शुरू करने के लिए बंदरगाह और हवाई अड्डे और लॉजिस्टिक्स हब शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी की ग्रीस की यात्रा के एजेंडे में यहां पीरियस बंदरगाह के उपयोग का पता लगाना भी है।

दोनों देशों के रिश्ते हमेशा ही मधुर रहे हैं। पीएम की यात्रा उस समय हो रही है जब ग्रीस के पड़ोसी तुर्किये के साथ भारत के रिश्तों में कड़वाहट आई है। ग्रीस भी आतंकवाद का शिकार रहा है और उसे विदेशों से अपनी सीमाओं में आतंकवादियों की घुसपैठ का डर रहता है। ग्रीस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में विस्तार का समर्थन करते हुए इसमें स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी को पूर्ण समर्थन दिया है।

ग्रीस ने 2008 और 2016 में परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह, एमटीसीआर, वासेनार व्यवस्था, ऑस्ट्रेलिया समूह में भारत का समर्थन किया। ग्रीस ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे), समुद्रीय कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस), अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) और कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए भी भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द

विश्व चैंपियनशिप में तिरंगे के साथ नहीं खेलेंगे भारतीय पहलवान

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव कई बार स्थगित हो चुके हैं। कई राज्यों के कुश्ती संघ चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं और उनकी याचिका पर कई बार कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक लग चुकी है। इसी वजह से विश्व कुश्ती संघ ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है।

विश्व कुश्ती संघ (यूनाइडेट वर्ल्ड रेसलिंग) ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। भारतीय कुश्ती संघ में चुनाव नहीं होने की वजह से यह कार्रवाई की गई है। कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द होने के चलते आगामी विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवान भारत के झंडे के तले नहीं खेलेंगे। भारतीय पहलवानों को 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओलंपिक-क्वालीफाइंग विश्व चैंपियनशिप में 'न्यूट्रल एथलीट' के रूप में भाग लेना होगा। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का कार्यकाल काफी पहले ही खत्म हो चुका है। इसके बाद कुश्ती संघ में चुनाव कराने के कई प्रयास किए गए और सुप्रीम कोर्ट ने कई बार चुनाव की तारीखें तय की, लेकिन अलग-अलग हाईकोर्ट अलग-अलग राज्य के कुश्ती संघों की याचिका के आधार पर चुनाव में रोक लगाते रहे हैं। इसी वजह से अब तक कुश्ती संघ के चुनाव नहीं हो पाए हैं।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव कई बार स्थगित हो चुके हैं। कई राज्यों के कुश्ती संघ चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं और उनकी याचिका पर कई बार कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक लग चुकी है। इसी वजह से विश्व कुश्ती संघ ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का कार्यकाल काफी पहले खत्म हो चुका है। हालांकि, पहलवानों के प्रदर्शन के चलते कार्यकाल खत्म होने से पहले ही उन्हें कुश्ती संघ के कामकाज से अलग कर दिया गया था। इसके बाद तदर्थ समिति बनाई गई, जिसके ऊपर चुनाव का आयोजन कराने की जिम्मेदारी थी। समिति ने चुनाव कराने की लिए कई तारीखें तय की और अलग-अलग पदों के लिए उम्मीदवारों ने आवेदन भी कर दिए, लेकिन पहले गुवाहाटी हाईकोर्ट और फिर चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगा दी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने पहले ही साफ किया था कि अगर समय पर चुनाव नहीं होते हैं तो भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द की जा सकती है। अब तक चुनाव नहीं होने पर कुश्ती की कुश्ती की वैश्विक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दी है।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव जून 2023 में होने थे, लेकिन पहले पहलवानों के प्रदर्शन और फिर अलग-अलग राज्य के कुश्ती संघों की याचिका के चलते अलग-अलग हाईकोर्ट चुनाव पर रोक लगाते रहे हैं और चुनाव में देरी होती गई। भारतीय कुश्ती संघ में 15 पदों के लिए चुनाव 12 अगस्त को होने वाले थे। उत्तर प्रदेश से भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह सहित चार उम्मीदवारों ने इस पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। चंडीगढ़ कुश्ती संस्था के दर्शन लाल को महासचिव पद के लिए नामांकित किया गया था, जबकि उत्तराखंड के एसपी देसवाल को बृज भूषण शिविर से कोषाध्यक्ष के लिए नामांकित किया गया था। चुनाव में महाराष्ट्र और त्रिपुरा में चुनावों में कोई प्रतिनिधि नहीं होगा, क्योंकि रिटर्निंग ऑफिसर ने दोनों गुटों के दावों को ₹अयोग्य₹ माना।

भारतीय कुश्ती संघ को इससे पहले जनवरी में और फिर मई में निलंबित कर दिया गया था। इस समय भारत के शीर्ष पहलवानों ने तत्कालीन अध्यक्ष बृज भूषण पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही पहलवानों ने कुश्ती संघ की कार्यप्रणाली का विरोध किया था। भारतीय कुश्ती संघ के दैनिक मामलों का प्रबंधन वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा गठित भूपेंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली तदर्थ समिति द्वारा किया जा रहा है।

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में अमनप्रीत सिंह ने जीता गोल्ड

विमेंस पिस्टल ट्रायो को मिला ब्रॉन्ज

पॉइंट्स टेबल में भारत दूसरे नंबर पर पहुंचा

बाकू, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बाकू में आयोजित आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में अमनप्रीत सिंह ने मेंस 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल इवेंट में जीत हासिल कर गोल्ड मेंडल जीता। साथ ही विमेंस स्टैंडर्ड पिस्टल ट्रायो ने टीम में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

इसी के साथ भारत ने अब तक वर्ल्ड कप में कुल 5 गोल्ड और 9 ब्रॉन्ज जीते। पॉइंट्स टेबल में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन 24 मेडल के साथ टॉप पर है, जिनमें से 13 गोल्ड मेडल हैं।

अमनप्रीत ने 577 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया

अमनप्रीत ने मेंस स्टैंडर्ड पिस्टल इवेंट में 577 पॉइंट्स स्कोर किए, जो सिल्वर मेडल विनर कोरियाई ली गुनह्योक से तीन पॉइंट्स ज्यादा थे। गुनह्योक ने 574 पॉइंट्स स्कोर किए थे।

भारतीय टीम में अमनप्रीत के अलावा हर्ष गुप्ता और अक्षय जैन शामिल थे। हर्ष 573 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे। जबकि, अक्षय जैन ने 545 पॉइंट्स हासिल किए और 41वें नंबर पर रहे।

टीम इवेंट में जीती महिला टीम

विमेंस 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल इंडिविजुअल इवेंट में भारत की तियाना 538 पॉइंट्स के 11वें, याशिता शौकीन 536 पॉइंट्स के साथ 12वें और कृतिका शर्मा 527 के साथ 14वें नंबर पर रही। इनमें से कोई भी खिलाड़ी मेडल नहीं जीत सका।

तीनों खिलाड़ियों ने 1601 के टीम टोटल के साथ टीम ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन ने गोल्ड और मेजबान अजरबैजान ने सिल्वर मेडल जीता।

इस चैंपियनशिप में 12 इवेंट के 48 कोटा दांव पर

इस चैंपियनशिप में शूटिंग के अलग-अलग इवेंट के एक दर्जन कोटा दांव पर हैं। प्रतियोगिता में भारत का 53 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है। इसमें 34 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि 19 नॉन ओलिंपिक इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

सिफ्त कौर समरा ने दिलाया था छठा ओलिंपिक कोटा

भारत की निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने सोमवार विमेंस 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन इवेंट में पांचवें स्थान पर रहकर भारत को छठा पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया था।

नेशनल ओलिंपिक कमेटी चुनेगी शूटर

भारत की नेशनल ओलिंपिक कमिटी के पास ओलिंपिक गेम्स में अपने एथलीट भेजने का अधिकार होता है। ऐसे में पेरिस ओलंपिक्स में में एथलीटों की भागीदारी पूरी तरह एनओसी पर निर्भर होती है। पूरे कोटा मिल जाने के बाद एनओसी ओलिंपिक में जाने के लिए भारतीय शूटर्स चुनेगी।

डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड से वॉर्म-अप मैच खेलेगा भारत

वनडे वर्ल्ड कप वॉर्म-अप मुकाबलों का शेड्यूल जारी; 5 दिन, 3 स्टेडियम...10 मुकाबले

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के वॉर्म-अप मैचों का शेड्यूल आईसीसी ने जारी कर दिया है। 29 सितंबर को बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में पहला वॉर्म-अप मैच होगा। भारत 30 सितंबर को डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ गुवाहाटी में ही वॉर्म-अप मुकाबला खेलेगा। 10 वॉर्म-अप मैच 5 दिन में 3 अलग-अलग स्टेडियम पर होंगे।

वनडे वर्ल्ड कप में लीग स्टेज के मुख्य मुकाबले 5 अक्टूबर से शुरू होंगे। टूर्नामेंट 19 नवंबर तक भारत के 10 अलग-अलग स्टेडियम में खेला जाएगा।

हैदराबाद, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में वॉर्म-अप मैच

वनडे वर्ल्ड कप से पहले 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक 10 वॉर्म-अप मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने सभी 10 टीमें 2-2 मैच खेलेंगी। गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में 4-4 मैच होंगे। जबकि हैदराबाद में 2 ही मैच होंगे। यहां वर्ल्ड कप लीग स्टेज के 3 मुकाबले भी होंगे। जबकि बाकी 9 स्टेडियम को लीग स्टेज के 5-5 मुकाबले मिले हैं।

टीम इंडिया नीदरलैंड से भी वॉर्म-अप मैच खेलेगी

भारत का पहला वॉर्म-अप मैच 30 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ गुवाहाटी के बाराबाती स्टेडियम में होगा। टीम फिर 3 नवंबर को तिरुवनंतपुरम में नीदरलैंड के खिलाफ भिड़ेगी। टीम इंडिया वॉर्म-अप और लीग स्टेज में भी हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर कोई मैच नहीं खेलेगी।

हैदराबाद में पाकिस्तान के दोनों मैच होंगे

हैदराबाद में पाकिस्तान टीम के दोनों वॉर्म-अप मुकाबले होंगे। 29 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ और 3 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के दोनों वॉर्म-अप मैच होंगे। पाकिस्तान टीम लीग स्टेज में भी अपने शुरुआती 2 मुकाबले हैदराबाद में ही खेलेगी। पाकिस्तान टीम 6 अक्टूबर को नीदरलैंड और 10 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में ही भिड़ेगी।

तिरुवनंतपुरम में साउथ अफ्रीका 2 मैच खेलेगा

गुवाहाटी में 29 सितंबर को साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच पहला वॉर्म-अप मुकाबला तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। शहर में कुल 4 मैच खेले जाएंगे। 30 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच मैच होगा। फिर 2 अक्टूबर को न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका के बीच और 3 अक्टूबर को भारत-नीदरलैंड के बीच शहर में आखिरी वॉर्म-अप मैच होगा।

गुवाहाटी में पहला वॉर्म-अप मैच होगा

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 29 सितंबर को पहला वॉर्म-अप मैच होगा। मुकाबला गुवाहाटी के बाराबाती स्टेडियम में होगा। 30 सितंबर को यहां भारत-इंग्लैंड मैच होगा। फिर 2 अक्टूबर को इंग्लैंड-बांग्लादेश और 3 अक्टूबर को अफगानिस्तान-श्रीलंका मैच होगा।

न्यूजीलैंड-इंग्लैंड में पहला वर्ल्ड कप मैच होगा

वनडे वर्ल्ड कप में लीग स्टेज के मुकाबले 5 अक्टूबर से शुरू होंगे। पिछली बार की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ओपनिंग मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में अपना पहला मैच खेलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज का अहम मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप : जेसविन एलड्रिन ने रचा

इतिहास, फाइनल में बनाई जगह; मुरली श्रीशंकर बाहर

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जेसविन एलड्रिन फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले 12 एथलीटों में 12वें स्थान पर रहे। मुरली श्रीशंकर ने 7.74 की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। वह फाइनल में स्थान नहीं बना सके।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले जेसविन एलड्रिन पहले भारतीय एथलीट बन गए। उन्होंने 8 मीटर की छलांग लगाकर लंबी कूद के फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले 12 एथलीटों में 12वें स्थान पर रहे। मुरली श्रीशंकर ने 7.74 की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। वह फाइनल में स्थान नहीं बना सके।

महिलाओं की 1500 मीटर में केन्या की फेथ किपयेगोन ने लगातार तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया तो पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में मोरक्को के गत विजेता और टोक्यो ओलंपिक चैंपियन सूफियान अल बक्काली इथियोपिया के विश्व कीर्तिमानधारी लमेचा गिरिमा पर भारी पड़े। ऊंची कूद में टोक्यो ओलंपिक में कतर के मुताज बारशिम के साथ संयुक्त स्वर्ण पदक जीतने वाले इटली के गियानमारको तांबेरी ने बाजी मार ली। महिलाओं के डिस्कस थ्रो में अमेरिका की लाउलाग ताउसागा कोलिंग ने अपनी निजी श्रेष्ठ में लगभग 4 मीटर की भारी बढ़ोतरी करते हुए स्वर्ण जीता।

अल बक्काली ने लगातार दूसरा स्वर्ण जीता

3000 मीटर स्टीपलचेज में अल बक्काली और लमेचा गिरिमा के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद थी। हुआ भी यही, लेकिन गिरिमा विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा नहीं कर पाए। अलबक्काली ने 8.03.53 मिनट का समय लेते हुए 8.05.44 मिनट का समय निकालने वाले गिरिमा को पराजित कर दिया। अलबक्काली लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनें। वहीं गिरिमा का यह लगातार चौथा रजत पदक था। राष्ट्रमंडल खेल विजेता केन्या के अब्राहम किबिवोत 8.11.98 के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

किपयेगोन आसानी से जीतीं

1500, मील दौड़ और 5000 मीटर में विश्व कीर्तिमानधारी किपयेगोन के खिताब जीतने की पूरी उम्मीद थी। उन्होंने 3.54.87 मिनट का समय निकालकर ऐसा किया भी। उन्होंने इथियोपिया की दिरिबे वेलतेजी (3.55.69) को पछाड़ा। चर्चा का केंद्र अमेरिका की डिस्कस थ्रोअर ताउसागा रहीं। वह एक समय 65.56 मीटर के साथ छठे स्थान पर चल रही थीं, लेकिन पांचवें प्रयास में उन्होंने 69.49 मीटर चक्का फेंक शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने 69.23 मीटर के साथ शीर्ष पर चल रहीं साथी वेलेरी अलमान को दूसरे स्थान पर धकेल दिया।

ऊंची कूद में तांबेरी मार ले गए बाजी

टोक्यो ओलंपिक में एक समान ऊंचाई के साथ स्वर्ण पदक साझा करने वाले बारशिम और तांबेरी के बीच फिर मुकाबला हुआ। बारशिम, तांबेरी और अमेरिकी जू हैरिसन 2.33 मीटर की कूद के साथ बराबरी पर थे, लेकिन इसके बाद बारशिम 2.36 मीटर को पार नहीं कर पाए। तांबेरी ने 2.36 मीटर को पार कर पहली बार विश्व चैंपियन बनें। हैरिसन को रजत और बारशिम को कांस्य मिला।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 6-2 से हराया

चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया

खेल डेस्क, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की ओर से नीलम (25वें मिनट), अनु (26वें और 43वें मिनट), सुनेलिता टोप्पो (35वें मिनट), हिना बानो (38वें मिनट) और मुमताज (40वें मिनट) ने गोल दागे। क्लॉडिया स्वेन (16वें मिनट) और चार्लोट बिनगैम (54वें मिनट) ने इंग्लैंड के लिए गोल किए।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 6-2 से हराकर चार देशों के टूर्नामेंट-डसेलडोर्फ 2023 में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत की ओर से नीलम (25वें मिनट), अनु (26वें और 43वें मिनट), सुनेलिता टोप्पो (35वें मिनट), हिना बानो (38वें मिनट) और मुमताज (40वें मिनट) ने गोल दागे। क्लॉडिया स्वेन (16वें मिनट) और चार्लोट बिनगैम (54वें मिनट) ने इंग्लैंड के लिए गोल किए।

पहले क्वार्टर में दोनों टीम ने तेज शुरुआत कीए लेकिन दोनों ही टीम पहले क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रहीं। दोनों टीम का डिफेंस भी पहले क्वार्टर में काफी मजबूत रहा। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन मैच का पहला गोल इंग्लैंड की ओर से स्वेन ने दागा। भारत ने इसके बाद हमले तेज किए। टीम को पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिसे नीलम ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

स्पेन के खिलाफ गोल करने वाली अनु ने शानदार मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई। मध्यांतर तक भारत 2-1 से आगे था। भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार हमले किए। सुनेलिता ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर 3-1 किया। हिना ने स्कोर 4-1 जबकि मुमताज और अनु ने भी भारत की बढ़त को 6-1 तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने बिनगैम के गोल से हार के अंतर को कम किया।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में गिल चौथे नंबर पर पहुंचे

बाबर आजम टॉप पर कायम; टी-20 में गायकवाड को 143 स्थान का फायदा

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की लेटेस्ट वनडे प्लेयर्स रैंकिंग में टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल को एक स्थान का फायदा हुआ है। गिल चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टॉप पर कायम हैं। रैंकिंग में टी-20 फॉर्मेट में भारत के ऋतुराज गायकवाड को भी 143 स्थान का फायदा हुआ है।

आईसीसी प्लेयर्स की रैंकिंग हर होती है। आज जारी हुई लेटेस्ट वनडे बैटर्स रैंकिंग में पाकिस्तान के फखर जमान को 2 स्थान का नुकसान हुआ। वह तीसरे से पांचवें नंबर पर पहुंच गए, इस कारण भारत के शुभमन गिल पांचवें से नंबर-4 पर पहुंच गए। शुभमन गिल के 743 रेटिंग अंक हैं और वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम वनडे बैटर्स में टॉप पर बरकरार हैं। साउथ अफ्रीका के रासी वान डर डसेन दूसरे और पाकिस्तान के इमाम-उल-हक तीसरे नंबर पर हैं।

आयरलैंड और भारत के बीच जारी टी-20 सीरीज में ऋतुराज गायकवाड 2 मैचों में 77 रन बना चुके हैं। इस परफॉर्मेंस के कारण उन्हें टी-20 बैटर्स रैंकिंग में 143 स्थान का फायदा हुआ, वह 87वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहले मैच में 19 और दूसरे मैच में 58 रन बनाए थे। टॉप-5 बैटर्स रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव 889 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं।

बॉलर्स में लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को 17 नंबर का फायदा हुआ है। वह अब 65वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बॉलर्स रैंकिंग में टीम इंडिया का कोई भी बॉलर टॉप-5 रैंक में शामिल नहीं है।

बैडमिंटन... बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची त्रिशा-गायत्री की जोड़ी

विमेंस डबल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की पेयर को हराया

कोपनहेगन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। डेनमार्क के कोपनहेगन में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप चल रही है। भारत की त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विमेंस डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। खेले गए मैच में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिंग तुन को सीधे गेम में हराया। 38 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-18, 21-10 से हराया।

पहले राउंड में मिला था बाई

कॉमनवेल्थ गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट जॉली और गायत्री को पहले राउंड में बाई मिला था। जबकि प्री क्वार्टर फाइनल में दोनों का सामना टॉप सीड चीनी जोड़ी चेन किंग चेन और जिया यी फैन से होगा।

पहले गेम में पीछे रहने के बाद की वापसी

जॉली और गायत्री पहले गेम में चीनी ताइपे की जोड़ी चांग चिंग हुई और यांग चिंग तुन से 2-5 से पीछे चल रही थी। लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 8-6 की बढ़त बनाने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और अंत में इसे 21-18 से जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में शुरुआत से बढ़त ली और गेम 21-10 से जीत लिया।

सिंधु पहले मैच में ही हार कर बाहर हो चुकी हैं

पीवी सिंधु क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाईं। वह चैम्पियनशिप से बाहर हो चुकी हैं। उन्हें दूसरे राउंड में जापान की नाजोमी ओकुहारा ने सीधे गेम में 21-14, 21-14 से हराया। ऐसा पहली बार हुआ जब वह इस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाईं। सिंधु इस चैम्पियनशिप के इतिहास में अब तक पांच मेडल जीत चुकी हैं।

एफआईडीई वर्ल्ड कप फाइनल हारे प्रगनानंदा

वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया

बाकू, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के युवा चेस खिलाड़ी रमेशबाबू प्रगनानंदा का FIDE वर्ल्ड कप जीतने का सपना टूट गया है। उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने फाइनल के टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे। प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे। प्रगनानंदा भले ही फाइनल में जीत हासिल नहीं कर सके, लेकिन उनका अब तक का सफर काफी इंस्पायरिंग रहा है।

पहली बार चैंपियन बने कार्लसन

मैग्नस कार्लसन एफआईडीई वर्ल्ड कप में पहली बार चैंपियन बने हैं। इससे पहले, भारत के विश्नाथन आनंद और लेवोन एरोनियन ने दो-दो खिताब जीते हैं।

तेलंगाना पुलिस का लक्ष्य मित्रवत पुलिसिंग, शांति और सुरक्षा : महमूद अली

गृहमंत्री ने मैलारदेवपल्ली में आधुनिक पुलिस भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री महमूद अली ने कहा कि पुलिस लोगों के लिए है और कानून व्यवस्था बनाए रखने में तेलंगाना पुलिस देश में सबसे आगे है। गृह मंत्री महमूद अली, डीजीपी अंजनी कुमार साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र, चेवेल्ला सांसद डॉ. रंजीत रेड्डी, राजेंद्रनगर विधायक टी. प्रकाश गौड़, एमएलसी रहमत बेग आदि के साथ आज रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत मैलारदेवपल्ली में नवनिर्मित अत्याधुनिक पुलिस स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर गृह मंत्री महमूद अली ने कहा कि वह तेलंगाना राज्य औद्योगिक के सहयोग से मैलारदेवपल्ली में लगभग 2 एकड़ के विशाल क्षेत्र में 4.5 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित पुलिस स्टेशन भवन की शुरुआत करके बहुत खुश है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना पुलिस मैत्रीपूर्ण पुलिस व्यवस्था और शांति एवं सुरक्षा के लक्ष्य के साथ अग्रणी स्तर पर है।

तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर राव ने कहा कि कानून एवं व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि जहां भी कानून-व्यवस्था अच्छी होगी, वहां अधिक निवेश होगा और इससे रोजगार सृजन होगा। मंत्री ने बताया कि महिला कर्मचारियों के 33 प्रतिशत पद भरे गए हैं, जो पहले कभी नहीं भरे गए। तेलंगाना पुलिस अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी कैमरे लगाने में पूरी तरह सफल रही है। उन्होंने कहा कि जो सुरक्षा पूरे देश में कहीं नहीं मिल सकती वह सिर्फ हमारे राज्य तेलंगाना में ही जारी रहेगी। मंत्री ने कहा कि देश के 64 फीसदी सीसी फुटेज हमारे राज्य में काम कर रहे हैं।

गृह मंत्री महमूद अली ने मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन के निर्माण में सहायता के लिए तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीएसआईआईसी) के प्रबंध निदेशक नरसिम्हा रेड्डी को सम्मानित किया। इस मौके पर तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार, साइबराबाद कमिश्नर स्टीफन रवींद्र, मैलारदेवपल्ली नगरसेवक टी. श्रीनिवास रेड्डी, एडिशनल सीपी एडमिन अविनाश महंती, डीसीपी राजेंद्रनगर जगदीश्वर रेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक हर्षवर्द्धन, डीसीपी साइबर क्राइम रितिराज, महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी सुश्री निकिता पंत, एडीसीपी राजेंद्रनगर सुश्री रश्मी पेरुमल, राजेंद्रनगर एसीपी गंगाधर, मैलारदेवपल्ली इंस्पेक्टर मधु और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

बीजेपी और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, तनाव

हनमकोंडा, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के कारण यहां कुछ समय के लिए तनाव व्याप्त हो गया। इससे कई सदस्य घायल हो गए। यह झड़प बालासमुद्रम में विधायक कैंप कार्यालय के पास हुई, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीआरएस पार्टी कार्यालय में प्रवेश करने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप तीखी झड़प हुई।

सूबेदारी पुलिस ने हस्तक्षेप किया और एनगुला राकेश रेड्डी सहित कई भाजपा नेताओं को पकड़ लिया। उन्हें पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। दोनों पक्षों के बीच झड़प तब और बढ़ गई जब दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज हुई क्योंकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बीआरएस विधायक शहर के निवासियों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहे हैं। बीआरएस पार्टी कार्यालय में प्रवेश करने के उनके प्रयास को बीआरएस कार्यकर्ताओं के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने भाजपा सदस्यों द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया।

अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड

यह सम्मान पाने वाले पहले तेलुगु एक्टर, आलिया-कृति बेस्ट एक्ट्रेस, रॉकेट्री बेस्ट फीचर फिल्म

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साल 2021 के 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का अनाउंसमेंट किया जा रहा है। रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। पुष्पा के लिए अल्लू अर्जुन बेस्ट एक्टर बने हैं। यह सम्मान पाने वाले वे पहले तेलुगु एक्टर हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए आलिया भट्ट और मिमी के लिए कृति सेनन को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला है।

बेस्ट एक्टर : अल्लू अर्जुन (पुष्पा द राइज), बेस्ट ऐक्ट्रेस : आलिया भट्ट (गंगूबाई काठियावाड़ी) और कृति सेनन (मिमी), बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर : पंकज त्रिपाठी (मिमी), बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस : पल्लवी जोशी (द कश्मीर फाइल्स), बेस्ट फीचर फिल्म : रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट, बेस्ट डायरेक्टर : निखिल महाजन (गोदावरी द होली वाटर), बेस्ट हिंदी फिल्म : सरदार उधम, बेस्ट सिनेमेटोग्राफी : सरदार उधम, बेस्ट चिल्ड्रन मूवी : गांधी एंड कंपनी, बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट : भावेन राबरी (छेल्लो शो), बेस्ट गुजराती फिल्म : छेल्लो शो, बेस्ट मराठी फिल्म : एकदा कायझाला, बेस्ट मलयालम फिल्म : होम, बेस्ट तेलुगु फिल्म : ओपन्ना, बेस्ट कन्नड़ फिल्म : 777 चार्ली, बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर : एम एम कीरवानी (आरआरआर) और देवी श्री प्रसाद (पुष्पा), बेस्ट लिरिक्स : चंद्र बोस (कोंडा पोलम), बेस्ट एडिटिंग : संजय लीला भंसाली (गंगूबाई काठियावाड़ी), बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर : काल भैरव (आरआरआर), बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर : श्रेया घोषाल (इराविन निझल), बेस्ट कोरियोग्राफी : प्रेम रक्षिष्ठ (आरआरआर), स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड : विष्णु वर्धन (शेरशाह), बेस्ट स्पेशल इफेक्ट : वी. श्रीनिवास मोहन (आरआरआर)।

इस बार बॉलीवुड की तुलना में साउथ की फिल्मों का स्कोप ज्यादा दिख रहा है। पिछले साल अजय देवगन और साउथ स्टार सूर्या ने संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता था।

अल्लू अर्जुन : बेस्ट एक्टर फिल्म-पुष्पा

दिसंबर 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा : द राइज में अल्लू अर्जुन का कैरेक्टर डार्क था। फिल्म में अल्लू एक मजदूर बने हैं, जिसकी ख्वाहिशें किसी राजा के जैसी हैं। फिल्म की स्टोरी लाइन आम जिंदगी से जुड़ी थी, जिसे अल्लू अर्जुन ने बखूबी निभाया।

फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए गए। फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 332 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

फरवरी 2021 में रिलीज हुई फिल्म गंगूबाई काठियावाडी असल जिंदगी की कहानी है।

जुलाई 2021 में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म मिमी के लिए कृति सेनन को भी आलिया भट्ट के साथ बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला है। यह फिल्म एक फोक डांसर की कहानी है, जो फिल्मों में अपना करियर बनाना चाहती है। इसके लिए पैसों की जुगाड़ करने के लिए वह सरोगेसी मदर बनने के लिए तैयार हो जाती है। इस फिल्म के लिए पंकज त्रिपाठी को भी बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला है।

जुलाई 2021 में ओटीटी पर रिलीज हुई आर. माधवन की फिल्म रॉकेट्री : द नंबी इफेक्ट इसरो के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन के संघर्ष की कहानी है।

विधानसभा चुनाव के पहले महेंदर रेड्डी ने मंत्री पद की शपथ ली

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले, बीआरएस एमएलसी पटनम महेंद्र रेड्डी राज्य मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्हें गुरुवार को यहां राजभवन के दरबार हॉल में राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन ने पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव, मंत्री और अन्य नेता शामिल हुए। ईटेला राजेंदर को राज्य मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद से यह पद अब तक खाली है। मुख्यमंत्री ने उस समय राजनीतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए रिक्त पद भरने का निर्णय लिया है जब तेलंगाना में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं।

2018 के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस उम्मीदवार पायलट रोहित रेड्डी ने विकाराबाद जिले के तांडूर निर्वाचन क्षेत्र से बीआरएस उम्मीदवार पटनम महेंद्र रेड्डी के खिलाफ जीत हासिल की। बाद में कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते पायलट रोहित रेड्डी सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए थे। इसके बाद से ही दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी मामलों को व्यवस्थित करने के लिए, बीआरएस नेतृत्व ने रंगारेड्डी जिले के स्थानीय निकायों के कोटे से पटनम महेंद्र रेड्डी को एमएलसी का पद दिया है। हाल ही में बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने तांडूर विधानसभा क्षेत्र से पायलट रोहित रेड्डी को पार्टी का टिकट दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने महेंद्र रेड्डी को कैबिनेट में लेने का फैसला किया है।

सीएस ने धार्मिक संरचनाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मुख्यमंत्री की कल की यात्रा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए सचिवालय परिसर के आसपास बन रही धार्मिक संरचनाओं का दौरा किया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को नल्ला पोचम्मा मंदिर, चर्च और मस्जिद का उद्घाटन करेंगे। मुख्य सचिव ने आरएंडबी, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ धार्मिक संरचनाओं के उद्घाटन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को आज शाम तक पूरा करने का निर्देश दिया. सीएस ने नल्ला पोचम्मा मंदिर में आयोजित पूजा में भी हिस्सा लिया। सचिव आरएंडबी श्रीनिवास राजू, सचिव वित्त टी.के.श्रीदेवी, सचिव कृषि रघुनंदन राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चुनाव आयुक्त पर एफआईआर का आदेश देने वाले जज सस्पेंड

तेलंगाना हाईकोर्ट बोला- बिना वजह जल्दबाजी में फैसला सुनाया, ये ड्यूटी निभाने में गंभीर चूक

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट की एडमिनिस्ट्रेटिव यूनिट ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और 11 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने वाले स्पेशल सेशन जज के जया कुमार को सस्पेंड कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सेशन जज ने बिना वजह जल्दबाजी में फैसला लिया। उनसे ड्यूटी निभाने में गंभीर चूक हुई है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक चुनाव आयोग के एक सीनियर अधिकारी ने हाईकोर्ट में इस मामले पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद सांसदों/विधायकों के मुकदमे के लिए नियुक्त स्पेशल सेशन कोर्ट के जज कुमार के खिलाफ प्रशासनिक स्तर पर निलंबन शुरू हुआ था। इसके बाद उन्हें व्यापक जनहित में तेलंगाना सिविल सेवा नियम 1991 के तहत निलंबित कर दिया गया।

यह था पूरा मामला :

मामला एक निजी शिकायत के आधार पर सेशन कोर्ट ने पुलिस के पास भेजा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि महबूबनगर से विधायक श्रीनिवास गौड़ ने तथ्यों को छिपाकर चुनावी हलफनामे में छेड़छाड़ की थी। उन्होंने 2018 में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान दिया हलफनामा गलत जानकारी से तैयार किया था।

शिकायत मिलने के बाद जज के जय कुमार ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले से जुड़े सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इतना हीं नहीं 12 अगस्त को जय कुमार ने पुलिस को चेतावनी दी थी कि अगर वे उस दिन शाम 4 बजे से पहले मामला दर्ज नहीं करते तो पुलिस के खिलाफ अवमानना का केस दर्ज किया जाएगा। सीईसी कुमार और कई अन्य अधिकारियों पर आरोप था कि उन्होंने मंत्री के साथ मिलीभगत करके बिना कोई कार्रवाई किए चुनावी हलफनामा बंद कर दिया था।

शहर छोड़कर नहीं जा सकेंगे निलंबित जज :

तेलंगाना हाईकोर्ट ने जज को यह भी आदेश दिया है कि वह बिना परमिशन हैदराबाद नहीं छोड़ेंगे। जय कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। जय कुमार की जगह, एमपी/एमएलए केस की सुनवाई हैदराबाद मेट्रोपॉलिटिन सेशन जज एडीशनल चार्ज के रूप में करेंगे।

एपी सीएम ने कल्याणकारी योजनाओं के योग्य कवर नहीं किए गए लाभार्थियों को 216 करोड़ रुपये आवंटित किए

अमरावती, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को 2.6 लाख लोगों को 216 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की, जिन्हें दिसंबर 2022 और जुलाई 2023 के बीच विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला। श्री रेड्डी ने अपने कैंप कार्यालय से एक बटन के क्लिक के साथ लाभार्थियों के बैंक खातों में धनराशि भेज दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी कारण से कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। हमने उन्हें उन बचे हुए लाभार्थियों के साथ न्याय करने का एक और मौका दिया, अगर किसी कारण से किसी को वह लाभ नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। रेड्डी ने कहा कि यदि आपको किसी कारणवश लाभ नहीं मिला तो कोई बात नहीं, चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। आप दोबारा आवेदन करें।

जगनन्ना चेडोडु, वाईएसआर ईबीसी नेस्टम, वाईएसआर नेथन्ना नेस्टम, वाईएसआर मत्स्यकारा भरोसा, जगनन्ना अम्मा वोडी और वाईएसआर आसरा जैसी योजनाओं के तहत धनराशि वितरित की गई। इस पहल के तहत, दक्षिणी राज्य ने बचे हुए लाभार्थियों के लिए चार किश्तों में 1,647 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

इस बीच, सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने 1.5 लाख और लोगों को पेंशन मंजूर की है और अन्य 2 लाख लोगों को सार्वजनिक वितरण योजना (पीडीएस) के माध्यम से चावल मिलेगा। अन्य 4,327 लोगों को आरोग्यश्री कार्ड और 12,000 से अधिक पात्र लाभार्थियों को भूमि दस्तावेज जारी किए गए हैं। रेड्डी के अनुसार, टीडीपी शासन के तहत 2019 में 39 लाख की तुलना में वाईएसआरसी शासन के तहत पेंशनभोगियों की संख्या बढ़कर 64.2 लाख हो गई।

महिलाओं और छात्राओं को परेशान करने वालों पर शी टीम की नकेल

आरोपियों की माता-पिता और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में काउंसिलिंग

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा शी टीम लड़कियों और महिलाओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन कहीं भी और कभी भी परेशान करने वालों से सख्ती से निपट रही है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर घूमकर महिलाओं को परेशान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं का पीछा करने और उन्हें परेशान करने वाले को पकड़कर हरकतों के सबूतों के साथ पकड़कर अदालत में पेश किया जा रहा है। पहली गलती पर पकड़े गए आरोपियों को माता-पिता की मौजूदगी में काउंसलिंग दी जाती है। अगर गलती दोहराई गई तो उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेजा जा रहा है। राचकोंडा आयुक्त डी. एस. चौहान के निर्देश पर, राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग, शी टीमों ने गुरूवार को छेड़छाड़ करने वालों की काउंसलिंग की। शी टीमों ने 51 लोगों (बालिक-15, नाबालिग-36) को गिरफ्तार किया। ये लोग राचकोंडा कमिश्नरेट में महिलाओं और युवतियों को परेशान कर रहे थे। परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय में उनकी काउंसलिंग आयोजित की गई। डीसीपी महिला सुरक्षा विंग राचकोंडा टी. उषा रानी ने बताया कि पिछले माह जुलाई में 127 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। उन्होंने बताया कि शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है। प्राप्त शिकायतों में से 25 को फोन द्वारा परेशान किया गया, 30 को व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से परेशान किया गया, 20 को सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से परेशान किया गया, 24 को व्यक्तिगत रूप से परेशान किया गया और 28 को अलग-अलग तरीकों से परेशान किया गया। इनमें से 18 आपराधिक मामले, 15 छोटे मामले और 94 काउंसलिंग मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राचकोंडा पुलिस महिलाओं को यात्रा के दौरान शारीरिक हमलों, यौन उत्पीड़न और उत्पीड़न से बचाने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। उन्होंने कहा कि पुरुषों को साथी महिलाओं के प्रति जिम्मेदारी और विनम्रता से काम लेना चाहिए, उनके साथ खड़े रहना चाहिए और विभिन्न जरूरतों के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं को कोई परेशानी नहीं पहुंचानी चाहिए। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी टी. उषा रानी, एसएचई टीमों के एसीपी नरेंद्र गौड़, एडमिन एसआई राजू और एसएचई टीमों के स्टाफ ने भाग लिया।

महिला की हत्या, पैर काटे गए

सिद्दीपेट, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु पुलिस सीमा के तहत बांदा मेलाराम गांव में गुरुवार को एक महिला की हत्या कर दी गई और उसके दोनों पैर काट दिए गए। पीड़िता उसी गांव की रहने वाली वेंकटम्मा (40) थी। वेंकटम्मा, जिनके पति की कुछ साल पहले मृत्यु हो गई थी, गाँव में प्लास्टिक के बर्तन बेचकर आजीविका कमा रही थीं। उसके तीन बच्चे बचे थे। गजवेल एसीपी रमेश अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. सबूत इकट्ठा करने के लिए डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को भी लगाया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एरिया हॉस्पिटल गजवेल भेज दिया गया है। एक मामला दर्ज किया गया है।

कोल्लुरु में कंटेनर लॉरियों की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

संगारेड्डी, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के संगारेड्डी जिले के कोल्लुरु में आउटर रिंग रोड पर खड़ी एक तेज रफ्तार कंटेनर लॉरी के दूसरे कंटेनर लॉरी से टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई. घायल व्यक्ति को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कोल्लुरु पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शोरूम में भीषण आग से 300 मोटरसाइकिलें जलीं

विजयवाड़ा, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा में गुरुवार को एक बाइक शोरूम में भीषण आग लगने से लगभग 300 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। हालांकि, आग में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, ऐसा संदेह है कि यह शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग के पास केपी नगर इलाके में गुरुवार सुबह टीवीएस शोरूम और गोदाम में आग लग गई।

पुलिस के मुताबिक, आग शोरूम की पहली मंजिल से शुरू हुई और जल्द ही बगल के गोदाम तक फैल गई। सुरक्षा कर्मियों ने अग्निशमन सेवाओं को सूचित किया और कम से कम पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने बताया कि प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर के कारण आग तेजी से फैली। चूंकि गोदाम में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन भी रखे हुए थे, इससे आग और अधिक फैल गई।

चूंकि शोरूम, गोदाम और सर्विस सेंटर एक ही जगह पर थे, इसलिए वहां बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन खड़े थे। यह विजयवाड़ा और संयुक्त कृष्णा जिले में टीवीएस वाहनों का मुख्य केंद्र था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों को संदेह है कि जब कुछ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को चार्ज किया जा रहा था तो शॉर्ट सर्किट हुआ।

रेवंत रेड्डी ने सीएम केसीआर पर निशाना साधा

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव अब उन नेताओं से मिल रहे हैं, जिनसे वह पिछले चार वर्षों में नहीं मिले थे। उन्होंने पूर्व मंत्री पटनम महेंद्र रेड्डी पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्हें अब सीएम ने राज्य मंत्री बनाया है।

तांडूर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने पूछा कि तांडूर विधानसभा क्षेत्र का क्या हुआ और मांग की कि राज्य सरकार तांडू को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 26 अगस्त को चेवेल्ला प्रजा गर्जना कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि कोडंगल विधानसभा क्षेत्र को गोद लेने के उनके वादे का क्या हुआ? उन्होंने मजाक उड़ाया कि सीएम केसीआर और मंत्री केटीआर दोनों ने उनके द्वारा किए गए सभी कार्यों के लिए पट्टिका लगाने के अलावा कुछ नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जिलों की संख्या बढ़ाकर कोडंगल को नष्ट कर दिया है और एक बार फिर कोडंगल के निवासियों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम की आवाज में हार की आहट साफ है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.